

वार्षिक विवरण 2017-2018



राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
सेक्टर – 26, चण्डीगढ़ – 160019 (भारत)

(आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित संस्थान)

दूरभाष : ईपीएबीएक्स : (0172) 2759500

फैक्स : (0172) 2791366, 2793893

Website : www.nittrchd.ac.in

1.0 संस्थान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ देश के चार राष्ट्रीय संस्थानों में से एक ऐसा संस्थान है जो देश में तकनीकी शिक्षा के विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है। यद्यपि उत्तरी क्षेत्र में स्थित होने के कारण संस्थान का मुख्य ध्यान उत्तरी क्षेत्र में स्थित राज्यों यथा हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली तथा चण्डीगढ़ के केन्द्र शासित प्रदेश इन राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वर्तमान समय में संस्थान के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का विस्तार तकनीकी शिक्षा के सम्पूर्ण पहलुओं तक है। संस्थान की गणना अपने ग्राहक वर्ग को तकनीकी शिक्षा पद्धति हेतु सेवाएं प्रदान करने वाले स्रोत संस्थान के रूप में की जाती है। तकनीकी संस्थानों की फैकल्टी/स्टाफ, तकनीकी शिक्षा के निदेशालयों/बोर्डों के अधिकारी, केन्द्र तथा राज्य सरकार के विभाग, उद्योग, तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थी, सामुदायिक संस्थान तथा विदेशी प्रशिक्षुइसके ग्राहक वर्ग में शामिल हैं। नाइटर, चण्डीगढ़ एक आई एस ओ 9001-2015 प्रमाणित संस्थान है।

संस्थान एक स्वायत्त संगठन है जो समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं। निदेशक, संस्थान के कार्यकारी मुखिया हैं और इसका प्रबंधन शासक मण्डल द्वारा किया जाता है। संस्थान, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ में सुविकसित परिसर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 6.85 हैक्टेयर है, इसमें शैक्षिक इमारतें, छात्रावास, अतिथि गृह तथा फैकल्टी एवं स्टाफ के लिए आवास बने हुए हैं। सेक्टर 29 तथा 42 में भी संस्थान के आवासीय परिसर हैं। संस्थान अन्तर्राज्य बस टर्मिनस(आई एस बी टी) सेक्टर 43 से लगभग 10 किलोमीटर तथा चण्डीगढ़ रेलवे स्टेशन एवं आई एस बी टी, सेक्टर 17 दोनों ही स्थानों से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अभिनव डिजिटल दृष्टिकोण के साथ स्वच्छ परिसर संस्थान को शहर में ही नहीं बल्कि देश में भी अद्वितीय बनाता है।

दूरदृष्टि

- तकनीकी शिक्षा पद्धति में परमश्रेष्ठता बढ़ाने हेतु अग्रणी स्रोत संस्थान की भूमिका निभाना।

लक्ष्य

- तकनीकी शिक्षा पद्धति की फैकल्टी तथा स्टाफ हेतु अनुवर्ती शिक्षा तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- तकनीकी शिक्षा के कार्यक्रमों हेतु जरूरत पर आधारित पाठ्यचर्या विकसित करना।
- पठन-पाठन प्रक्रिया की प्रभाविता बढ़ाने हेतु अनुदेशात्मक सामग्री तैयार करना।

- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान एवं विकास करना।
- तकनीकी शिक्षा पद्धति को विस्तार तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करना।

1.1 संस्थान के मुख्य उद्देश्य

- तकनीकी शिक्षा तथा उद्योग में श्रेष्ठता बढ़ाने की दिशा में शिक्षा की उन्नति के लिए तकनीकी संस्थानों में अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी विषयों के शिक्षकों हेतु व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना।
- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विषयों में अनुदेश तथा अनुसंधान एवं तकनीकी शिक्षा के प्रबन्धन में अनुसंधान में निरन्तर सुधार हेतु प्रयास करना।
- देश में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर गतिविधियों में शामिल होते हुए तकनीकी शिक्षा की वृद्धि तथा गुणात्मक सुधार के लिए सक्रियता से सहयोग देना।

1.2 संक्रियात्मक उद्देश्य

- राष्ट्रीय स्तरों पर बहुतकनीकियों, अभियांत्रिकी कॉलेजों, व्यावसायिक एवं प्रबन्धन शिक्षा सहित तकनीकी शिक्षा के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए प्रणाली की जरूरतों के अनुरूप शिक्षकों हेतु गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने वाले केन्द्र के रूप में कार्य करना।
- उद्योगों में तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रयोगात्मक प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना।
- तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण पद्धति एवं इसके प्रबन्धन के विकास के लिए अनुसंधान योगदान प्रदान करने हेतु योजनाबद्ध अनुसंधान प्रारम्भ करना।
- तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में शिक्षा-शिक्षण परिवेश के सुधार हेतु नवीन ढंगों, प्रक्रियाओं तथा प्रयोगात्मक विकास के लिए सक्रिय अनुसंधान कार्य शुरू करना।
- मल्टी-मीडिया शिक्षा सामग्री तैयार करने के लिए नई अनुदेशात्मक पद्धति तथा नीतियां तैयार करना।

- तकनीकी तथा व्यावसायिक संस्थानों एवं अन्य संगठनों के लिए पाठ्य-पुस्तकें, प्रयोगशाला मैनुअल, वीडियो कार्यक्रम, कम्प्यूटर सहयोजित अनुदेशात्मक मल्टी-मीडिया पैकेज जैसे शिक्षा संसाधन विकसित तथा प्रसारित करना।
- आधुनिक प्रौद्योगिकी द्वारा दूरवर्ती शिक्षा पद्धति में तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षकों के लिए कार्यक्रम प्रदान करना।
- तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षकों को विदेशी, विशेषतया सार्क तथा एशियन देशों की मांग के अनुकूल पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम प्रदान करना।
- अनुवर्ती एवं नॉन फार्मल व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों तथा विस्तार एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में समुदाय एवं उद्योग के साथ सहयोग।
- उद्योग, तकनीकी संस्थानों/संगठनों हेतु परामर्श एवं विस्तार कार्य संचालित करना।
- भारत सरकार की तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा पद्धति संबंधी योजनाओं एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय - समय पर सौंपे गए कार्यों के लिए सहयोग सेवाएं प्रदान करना।
- विश्व के किसी भी भाग में स्थित ऐसे शिक्षा एवं अन्य संस्थानों को सहयोग देना जिनके लक्ष्य पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से आपस में समान हों। यह कार्य संस्थानों के शिक्षकों एवं विद्वानों के आपस में स्थानांतरण द्वारा अथवा अन्य ऐसे ढंग से किया जाएगा उनके आपसी लक्ष्य प्राप्त होने में सहायक हों।

संस्थान उपर्युक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित गतिविधियों को पूरा करने में अग्रणी रहने के लिए निरन्तर प्रयासरत है।

1.3 कार्यक्रम तथा गतिविधियां

संस्थान, उक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित गतिविधियां करता है:

- शिक्षा तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम
- निर्देशक सामग्री विकास (मुख्य रूप से स्वयं एवं एनसीटीईएल के लिए डिजिटल संसाधनों या मूक्स पर ध्यान केन्द्रित करना)
- पाठ्यचर्या विकास
- अनुसंधान तथा विकास
- विस्तार सेवाएं
- तकनीकी शिक्षा तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में परामर्श

संस्थान देश की विभिन्न उभरती हुई जरूरतों के साथ सामंजस्य रखते हुए इस समय निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी विस्तृत सेवाएं प्रदान करता है:

- विभिन्न अनुदेशात्मक संसाधनों का विकास जिसमें शैक्षिक वीडियो फिल्मों सहित डिजिटल कान्टेंट पर विशेष बल देना तथा राष्ट्र भर के प्रयोक्ताओं को आसानी से एक्सेस करने हेतु ई-कान्टेंट जनरेशन
- कार्यरत इंजीनियरों/तकनीशियनों/प्रबंधकों हेतु अनुवर्ती शिक्षा

उपर्युक्त कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के संगठनों को उपर्युक्त क्षेत्रों में भी परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

1.4 प्रबन्धन

संस्थान का प्रबन्धन एक शासक मण्डल करता है, जो राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ समिति के संगठन के ज्ञापन और नियमों एवं विनियमों के अनुसार संस्थान के सामान्य निर्देश व नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है। निदेशक मुख्य विद्या एवं अधिशासी प्राधिकारी हैं और बोर्ड/वित्त समिति के पदेन सदस्य सचिव हैं। संगठन के ज्ञापन (एमओए) के प्रावधान के अन्तर्गत शासक मण्डल को निम्नलिखित समितियों की सहायता प्राप्त है :

- * विद्या परिषद्
- * वित्त समिति

संस्थान के निदेशक अकादमिक परिषद के अध्यक्ष हैं।

डा० पी.के. तुलसी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष शिक्षा एवं शैक्षिक प्रबंधन विभाग ने दिनांक 19.01.2017 को संस्थान में प्रभारी निदेशक का पदभार संभाला और दिनांक 17.08.2017 तक कार्यरत रहीं। उसके बाद प्रो० (डा०) एस एस पट्टनायक ने दिनांक 18.08.2017 से निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

2.0 मुख्य उपलब्धियां

प्रशिक्षण एवं शिक्षा पाठ्यचर्या विकास एवं संशोधन, अनुदेशात्मक सामग्री विकास तथा कार्यान्वयन, अनुसंधान एवं विकास और विस्तार सेवा तथा परामर्श के माध्यम से कर्मचारी विकास मुख्य 05 क्षेत्रों के अन्तर्गत संस्थान की उपलब्धियों का उल्लेख इस प्रकार है। विवरण वर्ष के दौरान पूर्ण किए गए विशिष्ट कार्यक्रमों एवं

गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:

- नियमित तथा मॉडूलर 05 स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रमों में क्रमशः 87 तथा 96 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। इसके अतिरिक्त पिछले बैचों के 115 नियमित तथा 201 मॉडूलर विद्यार्थियों ने भी दाखिला लिया (पीजी में कुल विद्यार्थी-499)
- संस्थान में विभिन्न विषयों में पी एच डी कार्यक्रमों हेतु 73 विद्यार्थी दाखिल हैं।
- क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान को बढ़ावा देने पर 07.04.2017 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 19 अप्रैल, 2017 को “नई पीढ़ी के कंक्रीट” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।
- स्टार्टअप मंथन 2017: 20 अप्रैल, 2017 को उत्तरी क्षेत्र के तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों के छात्रों के लिए एक व्यापार योजना प्रतियोगिता (स्वर्ण जयन्ती कार्यक्रम)।
- 20-21 अप्रैल, 2017 को तकनीकी उत्सव (स्वर्ण जयन्ती कार्यक्रम)।
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 9 जून 2017 को संस्थान ब्रांड बिल्डिंग पर कार्यशाला का आयोजन हुआ।
- 28 अप्रैल 2017 को कुशल भारत के लिए क्षेत्र कौशल परिषदों के साथ समेकन और नेटवर्किंग पर कुशलता शिखर सम्मेलन और गोल सारणी।
- भारत में स्थायी ग्रामीण विकास के लिए कौशल और प्रौद्योगिकियों के प्रचार पर स्वर्ण जयन्ती राष्ट्रीय संगोष्ठी का 31 अगस्त से 1 सितम्बर 2017 तक आयोजन किया गया।
- 6-7 सितम्बर, 2017 को “तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझान” पर शैक्षणिक सम्मेलन।
- 7 नवंबर, 2017 को महत्वाकांक्षी विचारों में उद्यमिता बढ़ाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 30 नवम्बर, 2017 को हरियाणा राज्य के लिए “तकनीकी शिक्षा में सुधार और आगे के रास्ते पर सम्मेलन।
- 23-24 फरवरी, 2018 को “सतत विकास के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियों” पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला कम्प्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन(आईसीसीसीएन) 29-30 मार्च, 2018 को किया गया।
- मूक्स द्वारा 76 विडियो तैयार की गई।
- कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में पी.जी. कार्यक्रमों के लिए एन.बी.ए. प्रमाणीकरण स्थिति 30.06.2020 तक और इलेक्ट्रानिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग और विद्युत इंजीनियरिंग विभाग के लिए 30.06.2018 तक लागू हो गई है।
- भिन्न प्रकार से विकलांग व्यक्तियों के लिए नौकरी मेला ।
- विश्व बैंक सहायता के अन्तर्गत उत्तरी क्षेत्र में विभिन्न राज्यों के बहुतकनीकियों के सुदृढीकरण हेतु अनुदान सहायता योजना के क्रियान्वयन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सहयोग प्रदान किया ।
- तकनीकी संस्थानों और उद्योग के साथ 6 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षरों के परिणाम स्वरूप सहयोगी अकादमिक और शोध गतिविधियों के उपक्रम के लिए 04 प्रशिक्षण केन्द्रों का निर्माण हुआ ।
- उद्योग में डिज़ाइन और परीक्षण सेवाओं सहित परामर्श: रुपये का सकल मूल्य 685.73 लाख।
- ए.बी.बी इंडिया लिमिटेड द्वारा समर्थित उत्कृष्ट सिमूलेशन केन्द्र की स्थापना की।

2.1 स्टाफ विकास

संस्थान ने गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों ही दृष्टियों से शिक्षा गतिविधियों के रूप में सतत विकास किया है। शिक्षा ज्ञानार्जन प्रक्रिया में मल्टी-मीडिया के अधिक दक्ष एवं प्रभावी प्रयोग के साथ-साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुप्रयोग पर बल, केस स्टडी तथा औद्योगिक एक्सपोजर के रूप में सतत सुधारों को गुणात्मक आयाम में शामिल किया गया है। वर्ष **2017-18** के दौरान इंजीनियरिंग कॉलेजों तथा बहुतकनीकियों की फैकल्टी/स्टाफ के लिए संस्थान द्वारा आयोजित दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित रूप से दिया गया है:

2.1.1 दीर्घकालीन कार्यक्रम

2.1.1 (ए) पीएच डी कार्यक्रम

संस्थान पीएच डी कार्यक्रमों हेतु पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, आई के गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के लिए स्वीकृत अनुसंधान केन्द्र है। मार्च 2018 को यथाविद्यमान विभिन्न क्षेत्रों में 73 विद्यार्थी पीएच डी कर रहे हैं। संस्थान,एआईसीटीई की क्यूआईपी (बहुतकनीकी) योजना के अन्तर्गत पीएचडी हेतु केन्द्र भी है।

2.1.1 (बी) एम टैक/एम ई कार्यक्रम

संस्थान पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ से संबद्ध एवं एआईसीटीई द्वारा स्वीकृत 02 वर्ष की अवधि के उद्योग-अनुकूल एवं अभ्यास आधारित पूर्णकालिक निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है:-

- यांत्रिक अभियांत्रिकी (निर्माण प्रौद्योगिकी)
- सिविल अभियांत्रिकी (संरचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन)
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- विद्युत् अभियांत्रिकी (इंस्ट्रुमेंटेशन एवं नियंत्रण)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी

संस्थान मॉड्यूलर आधार पर ये स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम भी प्रदान करता है। मॉड्यूलर कार्यक्रमों की अवधि 3½ वर्ष है। एमई कार्यक्रम एआईसीटीई द्वारा विधिवत् रूप से अनुमोदित है तथा पंजाब विश्वविद्यालय से संबद्ध है एवं मुख्य रूप से काम करने वाले कर्मियों के लिए, जो गर्मी तथा सर्दियों के अन्तराल के दौरान पाठ्यक्रम के काम से गुजरते हैं परन्तु नियमित विद्यार्थियों के साथ ही वे समान प्रश्नपत्रों के लिए परीक्षा में उपस्थित होते हैं और उनका मुल्यांकन भी नियमित विद्यार्थियों के साथ ही किया जाता है। संस्थान का यह अनूठा नमूना सेवा कर्मियों के लिए गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित एक फ्लेक्सी मोड डिग्री पुरस्कार कार्यक्रम के माध्यम से गुणात्मक ज्ञान को उन्नत करने का एक मंच है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ वर्ष 2005 में किया गया था। तब से अधिकांश बहुतकनीकी संकाय सदस्य देश के सभी हिस्सों में अपनी योग्यता को फैलाने में सक्षम हो सकते हैं।

वर्ष 2017-18 के दौरान इन कार्यक्रमों में किए गए प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:
मास्टर डिग्री (रिग्यूलर मोड)

| क्रम सं० | कार्यक्रम का नाम | सहभागियों की संख्या | | | | कुल | राज्य अनुसार विवरण |
|----------|---|---------------------|-------------|--------|---------|-----|---|
| | | पोलि० | इंजी० कालेज | उद्योग | सामान्य | | |
| 1. | सिविल अभियांत्रिकी (निर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन) | - | 9 | 4 | 15 | 28 | पं.-07, उ.प्र.-04, हि.प्र.-06, जेएवंके-3 उ.ख.-02, हरि.05, चण्डी.-01 |
| 2. | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 1 | 1 | 1 | 11 | 14 | हरि.-2, पं.-6, म.रा.-1, हि.प्र.-3, चण्डी.-1, जेएवंके-1 |
| 3. | विद्युत् अभियांत्रिकी (इंस्ट्रुमेंटेशन एवं नियंत्रण) | - | 3 | - | 6 | 9 | उ.प्र.-2, बि.-2, उ.ख.-1, पं.-2, हि.प्र.-1, चण्डी.-1 |
| 4. | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | 2 | 2 | - | 12 | 16 | पं.-6, हरि.-1, चण्डी.-3, महा.रा.-1, बि.-1, नाग.-1, दि.-1, उ.प्र.-1, हि.प्र.-1 |

| क्रम सं० | कार्यक्रम का नाम | सहभागियों की संख्या | | | | कुल | राज्य अनुसार विवरण |
|----------|--|---------------------|-------------|----------|-----------|-----------|---|
| | | पोलि० | इंजी० कालेज | उद्योग | सामान्य | | |
| 5. | यांत्रिक अभियांत्रिकी (निर्माण प्रौद्योगिकी) | 2 | 2 | - | 16 | 20 | पं.-4, हि.प्र.-4, चण्डी.-4, दि.-1, उ.प्र.-3, झा.-1, बि.-1, उ.ख.-2 |
| | कुल | 5 | 17 | 5 | 60 | 87 | |

मास्टर डिग्री (मॉड्यूलर मोड)

| क्रम सं० | कार्यक्रम का नाम | सहभागियों की संख्या | | | | कुल | राज्य अनुसार विवरण |
|----------|--|---------------------|-------------|-----------|----------|-----------|---|
| | | पोलि० | इंजी० कालेज | उद्योग | सामान्य | | |
| 1. | सिविल अभियांत्रिकी (निर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्धन) | 4 | 12 | 16 | - | 32 | हि.प्र.-5, हरि.-4, उ.प्र.-6, नागा.-1, जेएवंके-4, पं.-11, राज.-1 |
| 2. | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 10 | 4 | 3 | - | 17 | हि.प्र.-4, पं.-3, राज.-1, उ.प्र.-6, चण्डी-1, नागा.-1, उ.ख.-1, जेएवंके-4, |
| 3. | विद्युत् अभियांत्रिकी (इंस्ट्रुमेंटेशन एवं नियंत्रण) | 3 | 1 | 6 | - | 10 | हरि.-2, हि.प्र.-3, बि.-1, जेएवंके-1, उ.प्र.-1, चण्डी.-1, तेल.-1 |
| 4. | इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी | 3 | 4 | 4 | - | 11 | उ.प्र.-5, चण्डी.-1, दि.-2, बि.-1, पं.-2 |
| 5. | यांत्रिक अभियांत्रिकी (निर्माण प्रौद्योगिकी) | 11 | 11 | 4 | - | 26 | दि.-4, उ.प्र.-10, तेल.-1, हरि.-5, पं.-1, झा.-2, हि.प्र.-1, चण्डी.-1, उ.ख.-1 |
| | कुल | 31 | 32 | 33 | - | 96 | |

पिछले बैच के 115 (नियमित) तथा 201 (मॉड्यूलर) विद्यार्थी भी रोल पर हैं।

पं.-पंजाब, उ.प्र.-उत्तर प्रदेश, हि.प्र.-हिमाचल प्रदेश, जेएवंके-जम्मू एण्ड कश्मीर, उ.ख.-उत्तराखण्ड, हरि.-हरियाणा, चण्डी.-चण्डीगढ़, महा.रा.- महाराष्ट्र, बि.-बिहार, नागा.-नागालैंड, दि.-दिल्ली, झा.-झारखण्ड, राज.-राज्यस्थान, तेलं.-तेलंगाना

रोल पर एमई विद्यार्थी
नियमित 202
मॉड्यूलर 297
कुल 499

2.1.2 अल्पकालीन कार्यक्रम (एसटीसीज़)(संकाय विकास कार्यक्रम)

संकाय विकास कार्यक्रम व्यापक रूप से 5 श्रेणियों के थे-उद्योग उनमुख, उद्योग समर्थित, अनुसंधान उन्मुख, कौशल उन्मुख एवं उन्नत स्तर।

संस्थान बहुतकनीकियों, अभियांत्रिकी कॉलेजों के फैकल्टी, तथा उद्योग में कार्यरत व्यावसायिकों हेतु एक से दो सप्ताह की अवधि के दौरान जरूरत पर आधारित एवं कस्टोमाइज़्ड अल्पकालीन कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्ष 2017-18 के दौरान बहुतकनीकियों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों की फैकल्टी/स्टाफ हेतु कॉन्टेक्ट माध्यम के साथ-साथ आईसीटी मोडु द्वारा 242 अल्पकालीन कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें देश के विभिन्न राज्यों से 13936 शिक्षकों ने भाग लिया।

संस्थान द्वारा अन्य विकास कार्यक्रम सम्मेलन/संगोष्ठियां, शैक्षिक कार्यशालाएं, पाठ्यक्रम विकास कार्यशालाएं एवं विद्यार्थी प्रशिक्षण इत्यादि आयोजित किए गए।

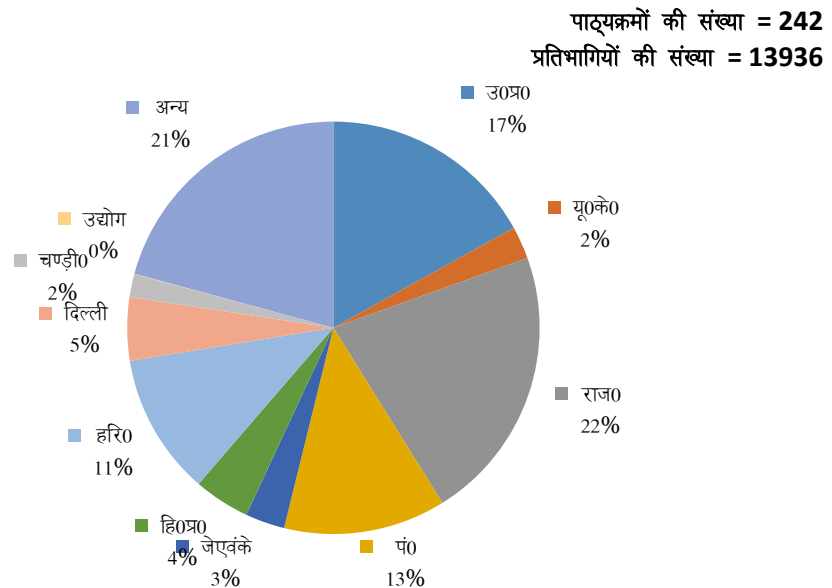
(i) प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

| | प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रकार | पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रमों की संख्या | प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या |
|-----|--------------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|
| ए) | अल्पकालीन पाठ्यक्रम | | |
| | सम्पर्क माध्यम से | 187 | 2670 |
| | आईसीटी माध्यम से | 55 | 11266 |
| | कुल | 242 | 13936 |
| बी) | सम्मेलन/संगोष्ठियां | 09 | 1646 |
| सी) | प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या | 16 | 2078 |
| | कुल | 267 | 17563 |
| डी) | विद्यार्थियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम | 16 | 2155 |
| ई) | पाठ्यचर्या विकास कार्यशालाएं | 32 | 442 |

कुल कार्यक्रम: 315

कुल जनबल: 20160

वर्ष 2017-18 के दौरान अल्पकालीन पाठ्यक्रमों में राज्यानुसार सहभागिता का प्रतिशत



स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं सतत विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से 23-24 फरवरी, 2018 से चित्तकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के साथ संयुक्त रूप से “स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं सतत विकास” पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, भारत सरकार, नई दिल्ली। भारत की गुणवत्ता एवं परिषद ने ज्ञान सहयोगी एफआईसीसीआई की भूमिका निभाई जिसमें उद्योग सम्मेलन के रूप में इस सम्मेलन को आयोजित करने में सहायता मिली।



डा० डीपी अग्रवाल, यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष, नई दिल्ली तथा मुख्य अतिथि ने औद्योगिक एवं आर्थिक विकास जैसे कि जीवन की सतत गुणवत्ता को संतुलित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्री एंड्रयू अयरे, डिप्टी ब्रिटिश उच्चायुक्त, चण्डीगढ़, श्री मोहम्मद इब्राहिम अल्मोजेल, अध्यक्ष-अल्मोजेल कंपनियों टूरिज्म और फ्रेंचाई कमेटी के समूह, डा० विमल कुमार वरुण, सदस्य सचिव, वैज्ञानिक 'एफ' वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली ने अपनी विविध क्षमताओं में अतिथि सम्मान के रूप में कार्य किया। श्री सुबोध अग्रवाल, हरियाणा के सलाहकार पंजाब, हिमाचल सलाहकार परिषद, एफआईसीसीआई ने स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ विकास के संबंध में उद्योग परिप्रेक्ष्य दिया जिससे उन्होंने जोर दिया कि विभिन्न क्षेत्रों में टिकाऊ प्रथाओं के बढ़ते महत्व के साथ स्थिरता सिद्धांतों को शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं नए प्रारूप को अपनाकर दैनिक अभ्यास में, पेशेवरों की आरे से अपने व्यावसायिक दायित्व को स्वीकार करने, उनके ज्ञान आधार को बढ़ाने और नीति निर्णयों के सभी स्तरों में भाग लेने के लिए समर्पित प्रतिबद्धता के माध्यम से किया जा सकता है।

362 से अधिक शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, प्रशासकों, अधिकारियों, उद्योग पेशेवरों, आर्किटेक्ट्स और विद्यार्थियों ने सम्मेलन में भाग लिया। निर्माण, टिकाऊ इमारतों, स्मार्ट शहरों और गांवों में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, इको और ग्रीन सामग्री, सड़क निर्माण में स्थायित्व वैकल्पिक विनिर्माण प्रौद्योगिकियां, क्लीनर उत्पादन के अर्थशास्त्र, उद्योगों में क्लीनर उत्पादन पर केस स्टडीज, सतत परिवहन और बुनियादी ढांचा एवं प्रबंधन अभिनव सामग्री और तकनीक टिकाऊ कंक्रीट निर्माण के लिए, टिकाऊ निर्माण हालांकि पूर्व कास्ट तकनीक, टिकाऊ निर्मित पर्यावरण, प्रदूषण रोकथाम तकनीक और प्रौद्योगिकियां, शून्य ऊर्जा भवनों, जल प्रदूषण-रोकथाम और प्रबंध, कार्बन पदचिन्ह प्रबंधन/सीडीएम पर्यावरण प्रभाव कमी, अपशिष्ट न्यूनीकरण

के लिए आर्किटेक्चर संरचना बातचीत, प्रबंधन, स्थायी आधारभूत संरचना, नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे, सत्रों उन विषयों में से कुछ हैं जिन पर तकनीकी सत्रों और प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट्स, टाउन प्लानर्स, उद्योग पेशेवरों, शोधकर्ताओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत के विद्यार्थियों और जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा जैसे अन्य देशों से चर्चा की गई थी।

टिकाऊ सामग्रियों और बुनियादी ढांचे से संबंधित कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा तैयार उद्योग और परियोजनाओं से उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करने वाले एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन पंजाब के स्थानीय सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री नवजोत सिंह सिद्धू ने किया। इस सम्मेलन में एमिल लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, व्रिंगलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अवंतेक इंजीनियरिंग, विप्रो लिमिटेड, आरडीसी कंक्रीट (आई) प्राइवेट लिमिटेड, अंबुजा सीमेंट लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ उद्योग से भारी प्रतिक्रिया और समर्थन देखा गया, जो उनकी नवीनतम, स्वच्छ और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करता है।

संचार कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग 2018 (आईसीसीसीएन 2018) स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग ने 29-30 मार्च 2018 को निदेशक डा0एसएस पट्टनायक के सक्षम मार्गदर्शन एवं गतिशील नेतृत्व में संचार कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग 2018 स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला (आईसीसीसीएन 2018) पर दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। मोहाली के नाइपर के निदेशक प्रो0 रघुराम राव अक्किनपल्ली, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता थे। डा0 एमडी मामुन बिन इब्रे रीज विश्वविद्यालय, केबांगसन मलेशिया और डा0 बिप्लाब सिकदर, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर के सम्माननीय अतिथि थे।



8 अलग-अलग तकनीकी सत्रों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक तकनीकी सत्र में पूरे भारत के प्रतिनिधियों ने लगभग 100 पत्र प्रस्तुत किए। मलेशिया, सिंगापुर और भारत के प्रतिष्ठित



व्यक्तियों ने डा0 बिप्लाब सिकदर द्वारा चीजों के इंटरनेट के लिए साइबर सुरक्षा चुनौतियों और समाधानों पर तकनीकी सत्रों के दौरान विशेषज्ञ वार्ताएं प्रदान की। इसमें आईबीएम से श्री मनी मधुकर द्वारा एंटरप्राइज ब्लॉकचैन-मिथ या रियलिटी, एनआईटी कुरुक्षेत्र के डा0 जितेंद्र कुमार छाबड़ा द्वारा सॉफ्टवेयर रीमोडुलरलाइजेशन में अनुसंधान अवसर सीएचएएस मूर्ति, संयुक्त निदेशक, सीडीएसी हैदराबाद द्वारा विघटनकारी प्रौ0 प्रौद्योगिकियों के लिए सुरक्षा आवश्यकताएं एक चुनौती शामिल है।

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज चण्डीगढ़ के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार अरोड़ा विदाई समारोह के मुख्य अतिथि थे और डा0 मोहम्मद अल्ताफ खान, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के विदाई समारोह के लिए सम्माननीय अतिथि थे।

नई जनरेशन कंक्रीट पर राष्ट्रीय सम्मेलन

सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने 19 अप्रैल, 2017 को न्यू जनरेशन कंक्रीट पर एक दिसवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कंक्रीट प्रौद्योगिकी, तकनीकों और प्रथाओं में हालिया प्रगति के बारे में जागरूकता पैदा करना था जिसे फील्ड समाधान खोजने के लिए अपनाया जा सकता है। सम्मेलन का उप-थीम स्वयं कॉम्पैक्टिंग कंक्रीट, छिद्रपूर्ण कंक्रीट, भू-बहुलक कंक्रीट, पारदर्शी कंक्रीट इत्यादि हैं। सम्मेलन का उद्घाटन श्री मुकेश आनंद, मुख्य अभियंता, यूटी, चण्डीगढ़ ने किया। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में सम्मेलन की प्रासंगिकता के बारे में जानकारी दी और सिविल इंजीनियरिंग यूटी प्रशासन, चण्डीगढ़ के साथ विभाग द्वारा किए गए सहयोगी कार्यों की भी सराहना की। संस्थान के निदेशक प्रभारी डा0 पीके तुलसी ने संस्थान की गतिविधियों और उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

अकादमिक और उद्योग के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने मुख्य सूचना दी जिसमें डा0 सिंघल, बीएएसएफ केमिकल्स से अमन, एनआईटी कुरुक्षेत्र के डा0 एचके शर्मा, डा0 राजेश कुमार, हेड सिविल इंजीनियरिंग, सीसीईटी, चण्डीगढ़ डा0 पंकज अग्रवाल और श्री मनोज कुलश्रेष्ठ शामिल थे। सम्मेलन के दौरान पूरे देश से प्रतिष्ठित संस्थानों के शोधकर्ताओं की प्रस्तुतियों के लिए 32 से अधिक तकनीकी पत्र प्राप्त हुए और 18 पत्र प्रस्तुत किए गए। इस सम्मेलन में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 40 प्रतिनिधि और पड़ोसी तकनीकी संस्थानों के 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्री अनूप चौहान, मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, हरियाणा समापन समारोह के लिए मुख्य अतिथि थे। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्रों की सराहना की और सिविल इंजीनियरिंग के अन्य क्षेत्रों में इस प्रकार के सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता भी व्यक्त की।

भारत में स्थिर ग्रामीण विकास के लिए कौशल और प्रौद्योगिकियों के प्रचार पर स्वर्ण जयन्ती राष्ट्रीय संगोष्ठी

“भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल और प्रौद्योगिकियों के प्रचार” पर स्वर्ण जयन्ती राष्ट्रीय सेमिनार 31 अगस्त से आईएसटी सितंबर, 2017 को चण्डीगढ़ के नाइटर में आयोजित किया गया था। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारत में टिकाऊ ग्रामीण विकास के लिए कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के मुद्दों को उजागर करना था। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विशेषज्ञ और शोध विद्वान पॉलिटिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज सिस्टम, विश्वविद्यालयों, प्रबंधन संस्थानों और आईआईटी से संबंधित है।



संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डा0 एचएस धालीवाल, कुलगुरु, अनंत विश्व विद्यालय बडू साहिब, सिरमौर (एचपी) थे। संगोष्ठी के सम्माननीय अतिथि श्री हृदय नाथ सिंह, मुख्य संरक्षक, उन्नत भारत अभियान, भारत सरकार थे। उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य नोट स्पीकर प्रोफेसर राज नेहरू, हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्व विद्यालय, गुरुग्राम (हरियाणा) के कुलगुरु थे। उनके स्वागत भाषण में डा0एचएस धालीवाल ने सेमिनार का उद्घाटन किया और कृषि विकास, कौशल विकास और भारतीय गांवों के विकास के लिए आवश्यक विभिन्न प्रौद्योगिकियों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया।



संस्थान के निदेशक डा0 एसएस पट्टनायक ने कृषि पर आधुनिक प्रौद्योगिकियों और इजरायल की तरह विभिन्न बुनियादी ढांचे के विकास को अपनाने के लिए भारत पर एक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। डा0 यूएन रॉय, संगोष्ठी संयोजक ने नाइटर, चण्डीगढ़ के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किए गए विभिन्न गतिविधियों

के साथ संगोष्ठी संगठन के लिए मूल विषय प्रस्तुत किया। प्रोफेसर राज नेहरू ने ग्रामीण भारत के युवाओं के लिए व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण के महत्व पर

प्रकाश डाला ताकि उन्हे स्वयं या मजदूरी रोज़गार के लिए रोजगार देने का मौका दिया जा सके। श्री हृदय नाथ सिंह देश में उन्नत भारत अभियान की देखभाल करने वाले जैविक खेती और पशुधन पालन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी विकास पर जोर देते है। उन्होंने जोर दिया कि कृषि को बनाए रखने के लिए, हमें प्राकृतिक और कार्बनिक तरीकों को अपनाने की जरूरत है ताकि रासायनिक आधारित कृषि का प्रतिकल प्रभाव कम हो।

तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन

संस्थान के स्वर्णिम जयंती समारोह के एक हिस्से के रूप में 6-7 सिंबर, 2017 को चण्डीगढ़ के नाइटर में “तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझान” पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन का व्यापक उद्देश्य भारत में तकनीकी शिक्षा वितरण तंत्र के परिणामों में सुधार के लिए विभिन्न हितधारकों में लगभग एक समानता लाने के लिए था। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का लक्ष्य उन लोगों के लिए एक मंच प्रदान करना था जो नीतियों एवं निर्णयों को प्रभावित करते हैं, जो देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए रणनीतियों में सुधार लाएंगे। राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर नीति बनाने वाले निकायों के 300 से अधिक विशेषज्ञ, उद्योग और अकादमिक नेताओं और तकनीकी शिक्षा के अन्य हितधारकों ने तकनीकी शिक्षा क्षेत्र के आकलन, मान्यता, मूल्यांकन और गुणवत्ता मानकों में सामना की जा रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए इस दो दिवसीय आयोजन पर विचार-विमर्श किया। तकनीकी शिक्षा; तकनीकी शिक्षा वितरण और तकनीकी शिक्षा में निवेश में अन्तर्राष्ट्रीय रुझान; तकनीकी शिक्षा के लिए प्रासंगिक शैक्षणिक मॉडल; विश्व स्तरीय संस्थानों से सीखना; वैश्विक साझेदारी के माध्यम से भारत में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए उभरते परिदृश्य; विश्व स्तर के तकनीकी रूप से सक्षम श्रमिकों को उत्पन्न करने के लिए आर एंड डी, परामर्श और जनशक्ति विकास के डोमेन में उद्योग के साथ के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना। सम्मेलन नाइटर चण्डीगढ़ और एफआईसीसीआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।



टेकफेस्ट 2017 (20-21 अप्रैल, 2017) और स्टार्टअप मंथन तकनीकी/प्रबंधन संस्थानों के छात्रों के लिए व्यापार योजना प्रतियोगिता (उत्तरी क्षेत्र)

स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान नाइटर चण्डीगढ़ की गतिविधियां, संस्थान ने 20-21 अप्रैल 2017 को स्टार्ट अप मंथन 2017 (उत्तरी क्षेत्र के तकनीकी/प्रबंधन संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए बिजनेस प्लान प्रतियोगिता) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को काम की दुनिया में चुनौतियों का सामना करने के लिए एक उद्यमिता भावना विकसित करना था। पेंक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, चण्डीगढ़ के निदेशक डा० मनोज के अरोड़ा, मुख्य अतिथि ने युवा पीढ़ी को नौकरियों को कम करने के मौजूदा परिदृश्य में खुद को नौकरियां उत्पन्न के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। निदेशक प्रभारी डा० पीके तुलसी, डा० एसके धमीजा एवं एसपी बेदी टेकफेस्ट 2017 के लिए सम्पूर्ण समन्वयक थे।



बिजनेस प्लान स्पर्धा में स्टार्ट अप मंथन 2017 उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, एनसीआर क्षेत्र, पंजाब और चण्डीगढ़ के संघ शासित प्रदेश से उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों की कुल 19 टीमों ने भाग लिया। एक पैनल चर्चा सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों द्वारा अपनी व्यावसायिक संभावनाओं को और अधिक परिष्कृत करने के लिए मार्गदर्शन की मांग की। इस कार्यक्रम ने छात्रों, आमंत्रित विशेषज्ञों एवं आयोजकों के बीच सहारना की।

टेकफेस्ट 2017 को विभिन्न तकनीकी शैक्षिक संस्थानों जैसे डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री के छात्रों के साथ पूरे जोरों पर देखा गया था, जिसमें तकनीकी क्विज़, रोबो वॉर, पोस्टर मेकिंग और प्रोजेक्ट प्रदर्शन आदि संस्थान के विभिन्न प्रौद्योगिकी विभागों जैसे विद्युत, सिविल, कम्प्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार और मैकेनिकल इंजीनियरिंग इत्यादि ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

“तकनीकी शिक्षा में सुधार एवं आगे बढ़ने के रास्ते” पर सम्मेलन

हरियाणा राज्य के लिए तकनीकी शिक्षा तथा आगे बढ़ने के रास्ते में सुधार पर एक दिवसीय का सम्मेलन 30 नवंबर 2017 को आयोजित किया गया। सम्मेलन में नीति निर्माताओं, सांविधिक निकायों के अधिकारियों, उद्योग के नेताओं तकनीकी शिक्षा के 300 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। औद्योगिक संघों के अधिकारी, हरियाणा राज्य, प्रिंसिपल और तकनीकी संस्थानों के संकाय, कौशल प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर स्किल काउंसिल इत्यादि के सभी



विश्वविद्यालयों के कुलपति, व्यापक विचार-विर्मश सम्मेलन के दौरान व्यापक शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा के लिए रणनीतिक योजना के सूत्रीकरण के आसपास समाहित हरियाणा और सामान्य रूप से देश के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा विशेष रूप से राज्य के लिए तकनीकी शिक्षा को अत्यधिक प्रासंगिक, उत्तरादायी और प्रत्येक हितधारकों की भूमिका को अंतिम रूप देने आवश्यकता के लिए विश्व स्तरीय तकनीकी जनशक्ति के विकास के लिए प्रत्येक हितधारकों की भूमिका को अंतिम रूप देने की आवश्यकता है। सम्मेलन का व्यापक विषय रोजगार योग्यता को बढ़ाना था।

उत्तर भारत कौशल शिखर सम्मेलन 2017 भारत को स्किलिंग के लिए क्षेत्र कौशल परिषदों के साथ समेकन तथा नेटवर्किंग

नाइटर चण्डीगढ़ और एफआईसीसीआई ने एनएसडीए (राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी), एनएसडीसी (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम), एसएससी (सेक्टर स्किल्स काउंसिल), एसएसडीएम (राज्य कौशल विकास मिशन), एनयूएलएम (राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन), से सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) 300 से अधिक प्रतिभागियों की मेजबानी की, कंपनियां, अकादमिक, उद्योग, सरकारी अधिकारी, वीटीपी (व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता) और नाइटर चण्डीगढ़ 28 अप्रैल 2017 को देश में स्थायी कौशल विकास में स्थिरता एवं महत्वपूर्ण पुनः अनुस्थापन के मददेनजर कौशल विकास मोर्चे पर उभरती चुनौतियों के विकसित दृष्टिकोण को एक मंच प्रदान करने के लिए शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान को बढ़ावा देना

क्रिक संस्थानों के बीच कार्यशाला का आयोजन 7 अप्रैल, 2017 को संकाय एवं पीएचडी विद्वानों द्वारा संसाधनों को साझा करने के माध्यम से नवाचारों तथा अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।

पंजाब विश्व विद्यालय, चण्डीगढ़ के कुलपति डा० अरुण के ग्रोवर, मुख्य अतिथि ने किसी भी संस्थान की स्वर्ण जयंती समारोह के महत्व के बारे में सभा को संबोधित किया। उन्होंने (ए)

राष्ट्रीय स्तर और वैश्विक स्तर पर अंतराल की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया, (बी) क्रिक के माध्यम से चण्डीगढ़ के लिए ग्रामीण विकास के मामले में सिंगापुर बनने का लक्ष्य, (सी) एजेडा अब अगले पचास वर्षों तक बढ़ने की प्रतीक्षा कर रहा है, (डी) चण्डीगढ़ में स्थानीय



स्कूलों से जुड़ने के लिए क्रिक समाज। डा० बीसी चौधरी, प्रोफेसर नाइटर चण्डीगढ़ ने विभिन्न प्रकार के शोध पर चर्चा की, जिम्मेदार शोध, नवोन्मेष एवं चुनौतियों तथा भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर एक संक्षिप्त जानकारी दी जैसे हाथ पंप आउटलेट के लिए आर्सेनिक वाटर फिल्टर, 54 सीटर बस चलाने के लिए ईंधन के रूप में बायोगैस प्रयोग आणविक (अणु संबंधी) इमेजिंग। निदेशक प्रभारी डा० पीके तुलसी ने विभिन्न कारकों पर चर्चा की जिसमें संकाय एवं विद्यार्थियों के बीच नवाचार की कमी शामिल है, जिनमें संसाधनों की कमी बहुतायत शामिल है, विभिन्न संस्थानों में मौजूद शीर्ष स्तर प्रबंधन, मूल्यांकन मानदंड, विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक एक्सपोजर की कमी आदि शामिल हैं। नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी, पीयू चण्डीगढ़ से डा० सुनील अरोड़ा तथा रसायन विज्ञान विभाग पंजाब विश्व विद्यालय से डा० दीपक सोलंकी द्वारा भी महत्वपूर्ण योगदान किए गए।

क्रिक सदस्य संस्थानों ने उनके व्यापक अनुसंधान क्षेत्रों एवं बुनियादी ढांचे को उनके साथ उपलब्ध कराया।

विचार-विमर्श के बाद कार्रवाई को सहयोगी अनुसंधान की सुविधा, संसाधनों को साझा करने और शुरुआती चरण में विद्यार्थियों के बीच अभिनव तथा रचनात्मक संस्कृति विकसित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

महत्वाकांक्षी दिमाग के बीच उद्यमिता को ट्रिगर करना

डीसीटी के दौरान, 6-17 नवंबर 2017 तक आयोजित “इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन के माध्यम से बिजनेस स्टार्ट-अप पर दो हफ्ते एफडीपी”, 7 नवंबर 2017 को संस्थान के मुख्य स्टूडियो में “महत्वाकांक्षी दिमाग में उद्यमिता को ट्रिगर करना” पर आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में चण्डीगढ़, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के अतिरिक्त 79 प्रतिभागियों और आईसीटी मोड के माध्यम से इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक के 129 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसके दौरान कार्यक्रम के प्रतिभागियों को दूसरों को भी उद्यमी करियर का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यशाला में इनके द्वारा इनपुट प्रदान किए गए थे- श्री जीबी सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, (एफआईसीसीआई), चण्डीगढ़, श्री राम कुमार दास, एजीएम, इंडियन बैंक चण्डीगढ़, श्री एचएस चीमा, एमडी, चीमा बॉयलर लिमिटेड खरड़ (पंजाब), श्रीबीएम गुलाटी, निदेशक जेडी एंटरप्राइजेज, चण्डीगढ़। नाइटर चण्डीगढ़ के निदेशक, डा0 एसएस पट्टनायक, प्रोफेसर जेएस सैनी, हेड, ईडीआईसी, नाइटर चण्डीगढ़, डा0एसके धमीजा, डीन-ए एवं आईए, नाइटर चण्डीगढ़ और डॉ0 अमरदेव, सहायक प्रोफेसर, ईडीआईसी, नाइटर।

अन्य महत्वपूर्ण इवेंट्स:

पीडब्ल्यूडी के लिए नौकरी मेला

पीडब्ल्यूडी के प्लेसमेंट के लिए केंद्र ने स्मार्ट + (सार्थक के सहयोग से) द्वारा 17-18 अप्रैल, 2017 को पीडब्ल्यूडी के लिए एक नौकरी मेला आयोजित किया। केंद्र एक संरचित प्रक्रिया प्रदान करता है जो कुछ कार्यों को करने और उन्हें उपयोग करने की इच्छा रखने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को ज्ञान और कौशल प्रदान करता है स्मार्ट + पर, पीडब्ल्यूडी को रोजगार प्रदान करने के अंतिम लक्ष्य के साथ 4 महीने के कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। उन्हे नियोक्ता बनाना मुख्यधारा में भाग लेने के लिए सशक्त समाज के स्तर पर प्रेरणा और आत्म-स्वतंत्रता की भावना पैदा करता है जॉब मेले के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में 120 प्लेसमेंट किए गए थे।



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:

संस्थान ने प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका व्यापक उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वित्त पोषित परियोजनाओं में भागीदारी के माध्यम से सहयोगी अनुसंधान गतिविधियों को शुरू करना है, संयुक्त रूप से

संगोष्ठियों, कार्यशालाओं सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे आयोजनों को व्यवस्थित करना और शैक्षिक कार्यक्रमों और अनुसंधान गतिविधियों, वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी के वितरण में एक दूसरे के प्रयास का समर्थन करना है।



एससीएल,मौहाली (2 फरवरी, 2018)



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के वायएमसीए विश्वविद्यालय फरीदाबाद (हरियाणा) (11 जनवरी, 2018)



टेक महिन्द्रा फाउंडेशन, मुंबई (18 दिसम्बर, 2017)



कोयंबटूर, एसकेसीईटी (10 जनवरी, 2018)



खेलकूद गतिविधियां: प्रतियोगिताएं आउटडोर एवं इनडोर खेलों में आयोजित की जाती है: क्रिकेट, बैडमिंटन, टीटी, वॉलीबाल, कैरम और चेस। डा0एसएस पटटनायक एक पुरस्कार विजेता को पुरस्कृत करते हैं।



योग-शिविर (21 जून 2017)

सम्मेलन तथा संगोष्ठियां

| क्रम सं० | शीर्षक | दिनांक | विभाग | प्रतिभागियों की संख्यां |
|----------|---|-----------------------------|------------------------------------|---------------------------------|
| 1. | “न्यू जनरेशन कंक्रीट” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी | 19.04.2017 | सिविल अभियांत्रिकी | 54 संकाय + 107 विद्यार्थी |
| 2. | भारत को स्किलिंग के लिए क्षेत्र कौशल परिषदों के साथ समेकन और नेटवर्किंग पर कौशल शिखर सम्मेलन और गोल सारणी | 28.04.2017 | माध्यम केन्द्र | 330 |
| 3. | कौशल के प्रचार एवं प्रौद्योगिकियां तथा भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकियों पर स्वर्ण जयन्ती राष्ट्रीय संगोष्ठी पर | 31.08.2017 से 01.09.2017 | ग्रामीण विकास | 105 |
| 4. | “तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझानों शिक्षा” (सभी राज्यों) पर शैक्षणिक सम्मेलन | 06.09.2017 से 07.09.2017 | सीसीटी एवं एसडी | 300 |
| 5. | महत्वकांक्षी दिमाग में उद्यमशीलता को ट्रिगर करना | 07.11.2017 | ईडीआईसी | 129 |
| 6. | “तकनीकी शिक्षा में सुधार और हरियाणा राज्य के लिए आगे बढ़ना” पर एक दिवसीय सम्मेलन | 30.11.2017 | माध्यम केन्द्र | 200 |
| 7. | सीएसटी पर सिमुलेशन सॉफ्टवेयर एम.ई. के विद्यार्थियों के लिए एक दिन का सेमिनार | 22.01.2018 | इलैक्ट्रॉनिकस इंजीनियरिंग | 15 |
| 8. | चितकारा विश्वविद्यालय के सहयोग से सतत विकास के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 23.02.2018 से 24.02.2018 | सीसीटी एवं एसडी | 400 |
| 9. | स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला-कम्प्यूटिंग, संचार और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 29.03.2018 से 30.03.2018 | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | 113 |
| | कुल | | | 1646+ 107 विद्यार्थी |

कार्यशालाएं (पाठ्यचार्य विकास कार्यशालाओं के अतिरिक्त)

| क्रम सं० | दिनांक एवं स्थान के साथ कार्यक्रम के नाम | दिनांक | विभाग | प्रतिभागियों की संख्या |
|----------|---|---------------|--------------------------------------|------------------------|
| 1. | नाइटर चण्डीगढ़ में क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान पर एक दिवसीय कार्यशाला | 07.04.2017 | अनुप्रयुक्त विज्ञान | 60 |
| 2. | आईपीवी 4 से आईपीवी 6 माइग्रेशन विधियों पर कार्यशाला | 14.07.2017 | कम्प्यूटर विज्ञान | 18 |
| 3. | नाइटर चण्डी में डिप्लोमा कार्यक्रम के विकास के लिए एनएसक्यूएफ के बारे में एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला | 03.04.2017 | सीडीसी | 74 |
| 4. | नाइटर चण्डीगढ़ में सरकारी पॉलिटैक्निक अंबाला के लिए एनबीए मान्यता के लिए एक दिवसीय कार्यशाला | 11.07.2017 | सीडीसी | 12 |
| 5. | नाइटर चण्डीगढ़ में आईआरडीटी कानपुर के लिए एनएसक्यूएफ पर एक दिवसीय कार्यशाला | 20.07.2017 | सीडीसी | 3 |
| 6. | आई आरडीटी कानपुर में एनएसक्यूएफ अभिविन्यास पर एक दिवसीय कार्यशाला | 08.03.2018 | सीडीसी | 62 |
| 7. | आई आर डीटीए देहरादून में एक दिन का अभिविन्यास | 17.11.2017 | सीडीसी | 105 |
| 8. | सरकारी बहुतनीकी, लखनऊ में एनएसक्यूएफ पर एकदिवसीय कार्यशाला | 09.03.2018 | सीडीसी | 70 |
| 9. | नाइटर चण्डीगढ़ में गुणवत्तामें सुधार पर एनबीए कार्यशाला | 25.1.2018 | इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग | 06 |
| 10. | नाइटर चण्डीगढ़ में उद्योग 4.0 के लिए समर्थ उदय-भारत की प्रतिक्रिया की तैयारी | 28.02.2018 | ईडीआईसी | 110 |
| 11. | जेएनयू, दिल्ली में आईसीटी (15 केन्द्र संयुक्त) के माध्यम से भारत में साईबर क्राईम की उभरती चुनौतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 09-10.10.2017 | ईटीवी | 600 |
| 12. | नाइटर चण्डीगढ़, इलेक्ट्रोमेकैनिक्ल प्रणाली के सिमुलेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 09-10.11.2017 | यांत्रिक अभियांत्रिकी | 83 |
| 13. | नाइटर चण्डीगढ़ में सीडीटीपी योजना की समीक्षा एवं कौशल विकास मिशन में इसकी भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला | 04.12.2017 | ग्रामीण विकास | 104 |
| 14. | सरकारी बहुतकनीकी कॉलेज, अमृतसर (पंजाब) में "कौशल भारत" पर एक दिवसीय कार्यशाला | 06.01.2018 | ग्रामीण विकास | 50 |

| क्रम सं० | दिनांक एवं स्थान के साथ कार्यक्रम के नाम | दिनांक | विभाग | प्रतिभागियों की संख्यां |
|----------|---|------------|---------------|---------------------------|
| 15. | भारतीय संस्थान हिमालयी अध्ययन (आईआईएचएस) के सहयोग से जैविक खेती पर क्षेत्रीय कार्यशाला, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला | 23.03.2018 | ग्रामीण विकास | 700 (100 किसानों सहित) |
| 16. | पीडब्ल्यूडी योजना के तहत वार्षिक समीक्षा-सह-परिचालन योजना तैयारी कार्यशाला | | सीडीसी विभाग | 21 |
| | कुल | | | 2078 |

2.2 अनुदेशात्मक सामग्री विकास

वर्ष 2017-2018 के दौरान, संस्थान ने दोनों अर्थात् मुद्रित (यथा पाठ्यपुस्तकें, प्रयोगशाला मैनुअल, मॉड्यूल, रीडर्स इत्यादि) और अमुद्रित (जैसे वीडियो कार्यक्रम सीएओ पैकेज जैसे कि मूक्स सामग्री, प्रयोगात्मक किट्स इत्यादि) मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रेरणादायी क्षेत्र होने के कारण मूक्स के लिए कार्यप्रणाली विकसित करने के लिए जोर दिया गया।

विवरण वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुदेशात्मक सामग्री तैयार की गई:

अमुद्रित सामग्री (डिजिटल संसाधन)

| | |
|---|-----------|
| शैक्षिक वीडियो फिल्में | 16 |
| व्याख्यान आधारित वीडियो फिल्में (एनसीटीईएल) | 73 |
| सी ए आई पैकेज | 02 |
| यू ट्यूब पर अपलोड्ड वीडियो लेक्चर | 73 |
| वीडियो फिल्में - मूक्स | 76 |

मुद्रित सामग्री

| | |
|--|-----------|
| पाठ्यपुस्तकें | 03 |
| प्रयोगशाला मैनुअल | 05 |
| मॉड्यूल | 04 |
| रीडर्स | 04 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु पाठ्यक्रम सामग्री | 12 |
| प्रयोग के लिए वर्कशीट्स | 25 |

अनुदेशात्मक सामग्री विकास संबंधी सूचना, क्षेत्र के तकनीकी संस्थानों तथा उससे बाहर प्रसारित की गई ताकि वे इसका प्रयोग कर पाएं। अनुबंध 1 पर विवरण संलग्न है।

2.3 पाठ्यचर्या विकास

संस्थान ने अभियांत्रिकी तथा गैर-अभियांत्रिकी क्षेत्रों में उन पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्या को तैयार करने तथा संशोधन करने सहित पाठ्यचर्या विकास का कार्य वैज्ञानिक पद्धति द्वारा जारी रखा, जिसको बहुतकनीकी पद्धति ने अभ्यन्तरीकृत किया, ताकि वे ऐसी परियोजनाओं को नाइटर के कुछ मार्गदर्शनों से स्वयं प्रारम्भ कर सकें। वर्ष 2017-2018 के दौरान 5 पाठ्यक्रम तैयार किए गए और एनएसक्यूएफ के साथ मिलकर 16 पाठ्यचर्या प्रमाण-पत्र कार्यक्रम संशोधित किए गए। इन में से 6 में एनएसक्यूएफ के साथ संरेखण में प्रमाण पत्र कार्यक्रमों तक पाठ्यक्रम है तथा 10 एच पी राज्य के लिए 10 नंबर पाठ्यक्रम है। एक से दो दिन की अवधि में विभाग ने 32 पाठ्यचर्या विकास कार्यशालाओं को संचालित किया जिसमें 442 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रूपांकित पाठ्यचर्या : 5 नं.

| | | |
|----|---|---|
| 1. | वैमानिक अभियांत्रिकी में डिग्री स्तर के कार्यक्रम | नागरिक उड़्डन परिषद, पंजाब राज्य पटियाला के लिए |
| 2. | खाद्य संस्करण | एमआर एसपीटीयू बठिंडा के लिए एनएसक्यूएफ अनुपालन डिप्लोमा स्तर के कार्यक्रम |
| 3. | कम्प्यूटर अभियांत्रिकी | |
| 4. | वैलिंग प्रौद्योगिकी | |
| 5. | प्रशीतन एवं वातानुकूलन | |

संशोधित पाठ्यचर्या : 16 नं.

| | | |
|-----|---|--|
| 1. | इलैक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी | एचएसबीटीई पंचकूला के लिए एनएसक्यूएफ अनुपालन डिप्लोमा कार्यक्रम |
| 2. | यांत्रिक अभियांत्रिकी | |
| 3. | विद्युत अभियांत्रिकी | |
| 4. | कम्प्यूटर अभियांत्रिकी | |
| 5. | सिविल अभियांत्रिकी | |
| 6. | ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी | |
| 7. | यांत्रिक अभियांत्रिकी | एच.पी. राज्य के लिए डिप्लोमा कार्यक्रम |
| 8. | सिविल अभियांत्रिकी | |
| 9. | कम्प्यूटर एवं विज्ञान अभियांत्रिकी | |
| 10. | इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी | |
| 11. | विद्युत एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी | |
| 12. | विद्युत अभियांत्रिकी | |
| 13. | सूचना प्रौद्योगिकी | |
| 14. | उपकरण अभियांत्रिकी | |
| 15. | वास्तुकला सहायकता | |
| 16. | ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी | |

2.4 अनुसंधान एवं विकास

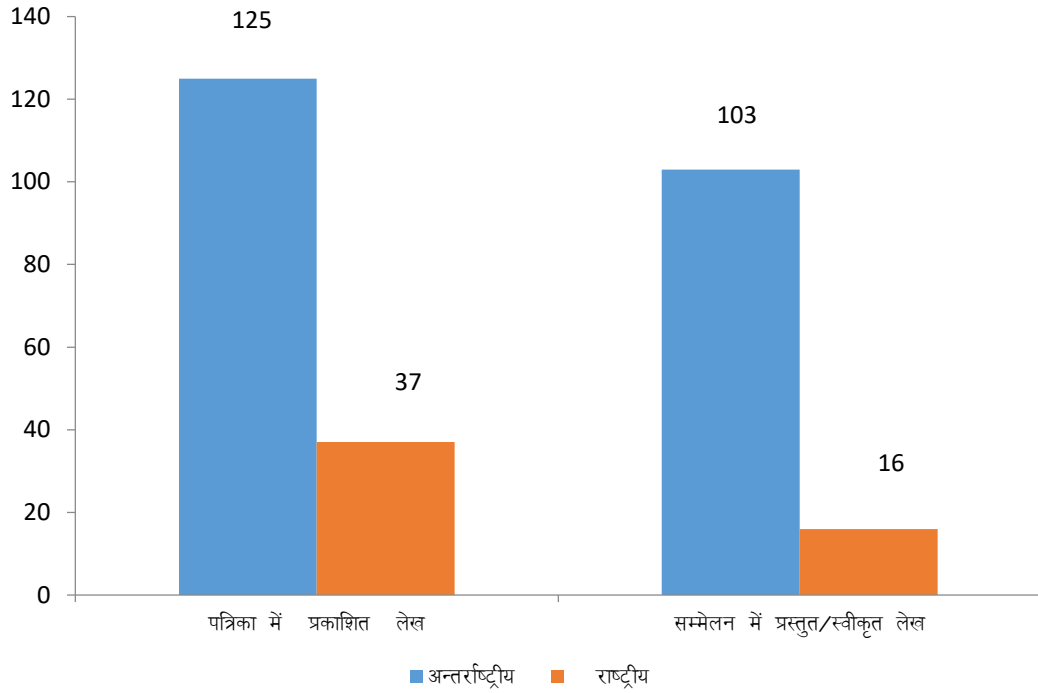
प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान एवं विकास का कार्य संस्थान की गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। वर्ष 2017-2018 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान अध्ययन एवं विकास परियोजनाएं पूर्ण की गईं:

1. आपातकालीन वाहन पूर्वक्रय-अधिकार (डीएसटी चण्डीगढ़) पर प्रायोजित आर एवं डी परियोजना ।
2. विभिन्न डिप्लोमा कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम के संबंध में उद्योग से प्रतिक्रिया ।
3. पी वी व्यवस्था और उच्च लाभ बूस्ट कनवर्टर द्वारा संचालित एक हाइब्रिड वाहन विकसित किया ।
4. चण्डीगढ़ क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शिक्ष और प्रशिक्षण वितरण में आई सी टी आधारित सहायक प्रौद्योगिकी का आवेदन-एक अन्वेषक अध्ययन ।
5. वित्त पोषण के लिए 16 अनुसंधान प्रस्तावों को एआईसीटीई को प्रस्तुत किया गया था ।
6. वर्ष 2017-2018 के दौरान संकाय के निर्देशन में निम्नलिखित पीएचडी शोध-प्रबंध का काम पूरा एवं रक्षित किया गया:
 - क. एकाधिक- अक्षीय-नाली जर्नल बियरिंग्स का प्रदर्शन ।
 - ख. फ्लेक्सुरल लोडिंग के तहत जिओपॉलिमर आधारित फेरोसमेंट चैनलों का विकास ।
 - ग. एकाधिक नैनो कोटिंग्स के साथ काटने वाले उपकरण का अनुकूलन प्रदर्शन ।
 - घ. टाइटेनियम मिश्र धातु के मिलिंग में कार्बाइड कटिंग उपकरण का प्रदर्शन संवर्धन ।

इसके अतिरिक्त, संस्थान की फैकल्टी के मार्गदर्शन में 121 **एमई** शोध प्रबंध पूर्ण किए गए । संस्थान के संकाय ने विभिन्न पत्रिकाओं, सभाओं, संगोष्ठियों तथा सम्मेलनों में शोध लेखों से योगदान किया। संकाय के 125 लेख अन्तर्राष्ट्रीय एवं 37 लेख राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं । विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में फैकल्टी द्वारा 103 लेख प्रस्तुत किए गए तथा 16 लेख राष्ट्रीय सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए।

विवरण अनुबन्ध-II पर संलग्न है।

अनुसंधान प्रकाशन/लेख



2.5 विस्तार सेवाएं तथा परामर्श

उद्योग तथा समुदाय को नीति योजना तथा सेवाएं

संस्थान, तकनीकी शिक्षा के नियोजन एवं विकास को प्रभावित करने की दृष्टि से सकारात्मक भूमिका निभाता रहा तथा समान लक्ष्यों वाले राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों को योगदान भी दिया है। संस्थान ने इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी, शैक्षिक प्रबंधन, पाठ्यचर्या विकास, उद्यमवृत्ति विकास तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र तथा राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अन्य संगठनों, तकनीकी शिक्षा पद्धति तथा उद्योग को परामर्श सेवाएं भी प्रदान की। सार्थक से संबंधित सूचनाओं पर विचार करना चाहिए।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

संस्थान ने निम्नलिखित संस्थानों तथा संगठनों के साथ 06 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं वे हैं:

1. टेक महिन्द्रा लिमिटेड, मुंबई।
2. सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, एस.ए.एस.नगर (पंजाब)
3. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का वाईएमसीए विश्वविद्यालय, फरीदाबाद (हरियाणा)
4. अभियांत्रिकी और एवं प्रौद्योगिकी का श्री कृष्णा महाविद्यालय, कोयंबटर (तमिलनाडू)
5. अभियांत्रिकी का सी.वी.रमन महाविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा)।

6. शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (टीटीसी) जोधपुर।

इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार है :

- क) विविध सुविधाओं एवं स्थानीय सदस्यों के समर्थन के माध्यम से संकाय सदस्यों को शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र विकसित करना।
- ख) अकादमिक कार्यक्रमों तथा अनुसंधान गतिविधियां प्रदान करने में एक दूसरे के प्रयासों में सहयोग।
- ग) वैज्ञानिक तथा तकनीकी सूचना का विनिमय
- घ) स्नातकोत्तर तथा पीएचडी विद्यार्थियों का संयुक्त रूप से सर्वेक्षण।
- ड.) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप से निधिबद्ध परियोजनाओं में सहभागिता के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियां आरम्भ करना
- च) संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी गतिविधियों को संयुक्त रूप से आयोजित करना
- छ) पी.जी. स्तर के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण
- ज) सहयोगी रूप से विभिन्न राष्ट्रीय मिशन के लिए काम कर रहे हैं।

परामर्श परियोजनाएं

2017-18 के दौरान निम्नलिखित परामर्श परियोजनाएं पूर्ण की गई :

- **सिविल अभियांत्रिकी के क्षेत्र में "उद्योग को डिज़ाइन एवं परीक्षण सेवाएं :**
बिटुमिनस मिश्रण डिज़ाइन, पगड़ण्डियों तथा ओवरले डिज़ाइन का मूल्यांकन राजमार्ग सामग्रियों का परीक्षण, सड़क कार्यों के लिए तृतीय पार्टी-गुणात्मक नियंत्रण, नई सड़कों का परीक्षण तथा डिज़ाइन, कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन, इंजीनियरी सामग्रियों का परीक्षण, (विभिन्न परियोजनाएं), असर क्षमता निर्धारण, भवनों का डिज़ाइन, मरम्मत एवं पुनर्वास
- **विद्युत् अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उद्योग के लिए परीक्षण सेवाएं/शोध परियोजनाएं :**
 - आपातकालीन वाहन छूट-विज्ञान और तकनीकी परियोजना (डीएसटी) विभाग
 - नगर निगम पंचकूला की स्ट्रीट लाइटिंग का परीक्षण
- **इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में उद्योग को जांच सेवाएं प्रदान करना :**
 - एंटीना परीक्षण

➤ विद्यार्थियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान ने 16 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें तकनीकी संस्थानों के 2155 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

संस्थान ने 2.15 करोड़ के नेट आईआरजी के साथ 6.86 करोड़ रुपये की परामर्श परियोजनाओं को पूरा किया ।

अन्य परियोजनाएं

- शिक्षा एवं शैक्षिक प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसंधान कार्यप्रणाली और नए भर्ती जूनियर इंजीनियरों के लिए प्रशिक्षण अर्थात प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम नामक 3 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।
- डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए मौजूदा मॉडल पाठ्यक्रम का विश्लेषण किया (एनएसक्यूएफ संरेखित)

अन्य परियोजनाएं जो प्रगति पर हैं :

- वर्मीकल्चर, जैविक खेती तथा अपशिष्ट जल ट्रीटमेंट ऐसी परियोजनाएं हैं जिन्हें ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आरम्भ किया गया है ।

2.6 विभागों की शिक्षा संबंधी उपलब्धियां

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी कालेजों, इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों तथा उद्योग के लिए 19 अल्पकालीन कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 264 सहभागियों ने भाग लिया। विभाग ने आईसीटी के माध्यम से 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 619 शिक्षकों ने भाग लिया ।

विभाग के संकाय ने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 01 लेख प्रकाशित/प्रस्तुत किया और 03 मुद्रित सामग्रियां विकसित कीं। विभाग ने परामर्श सेवाओं के तहत एएफएम एवं पीएलएस तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उपयोग करके नमूना विश्लेषण भी प्रदान किया ।

अल्पावधि कार्यक्रम (संपर्क साधन)

1. लेज़र और उनके अनुप्रयोग
2. अभियांत्रिकी में संख्यात्मक तरीके
3. नैनो टेक्नोलॉजी विकास और अनुप्रयोग
4. लेज़र विकास और अनुप्रयोग
5. प्रकाशित तंतु संचार प्रौद्योगिकी

6. अंतर समीकरण और उनकी अभियांत्रिकी
7. प्रयोगशाला संगठन और अनुप्रयुक्त भौतिकी में अद्यतन (नवीनीकरण)
8. लेज़र प्रौद्योगिकी में प्रगति
9. परमाणु विकिरण एवं उनके अनुप्रयोग
10. गणितीय प्रोग्रामिंग समस्याओं में अस्पष्ट तर्क
11. ओएफसी नेटवर्क एवं दोष-निवारण
12. गणितीय कार्यक्रम निर्माण समस्याएं
13. नैनो सामग्री विशेषता और आवेदन
14. परमाणु ऊर्जा और ऊर्जा के विकल्प
15. अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के साथ अनुकूल तकनीकें
16. एमएटीएलएबी के साथ अनुकूल तकनीकें
17. अनुप्रयुक्त भौतिकी में नए प्रयोग
18. प्रकाशित तंतु संचार प्रौद्योगिकी में प्रगति
19. आवेदन के साथ अनिवार्य परिवर्तन

अल्पावधि कार्यक्रम(आईसीटी मोड)

1. प्रकाशित तंतु: सशक्त एवं अनुप्रयोग
2. उन्नत संचालन अनुसंधान

दिव्यांगकेन्द्र

केन्द्र ने बहुतकनीकी शिक्षकों के लिए 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 40 सहभागियों ने भाग लिया । केन्द्र ने पीडब्ल्यूडी योजना का पालन करते हुए बहुतकनीकियों के लिए एक वार्षिक पुनरीक्षण विशिष्टजन समूह हेतुकार्यशाला भी आयोजित की जिनमें 21 सहभागी शामिल हुए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य ऐसे बहुतकनीकी संकाय, स्टाफ एनजीओज को पीडब्ल्यूडी प्रोजेक्ट के बारे में जागरूक करना था जो इन क्षेत्रों में कार्यरत हैं। सहभागियों को विशिष्टजन समूह हेतु प्रशिक्षण तथा रोजगार के अवसर, विशिष्टजन समूह को शिक्षा की मुख्य धारा में शामिल करना तथा सशक्तबनाना, इसके साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षण तथा आजीविका संबंधी इनपुट भी प्रदान की गई। ये अल्पकालीन पाठ्यक्रम निम्नलिखित क्षेत्रों में आयोजित किए गए ।

अल्पावधि कार्यक्रम (संपर्क साधन)

1. विशिष्टजन समूह हेतु तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण
2. तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के मुख्यधारा में विशिष्टजन को एकीकृत करने हेतु योजना को क्रियान्वित करने वाले बहुतकनीकी विश्वविद्यालयों हेतु भारतीय सांकेतिक भाषा

नाइटर चण्डीगढ़ ने सार्थक शैक्षिक ट्रस्ट के सहयोग से नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2017 को हितधारकों की एक संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की एवं 18 अप्रैल, 2017 को विशिष्टजन समूह हेतु नौकरी मेला आयोजित किया। इन विशाल आयोजनों में 230 विशिष्टजन समूह एवं 132 नियोक्ताओं तथा विशिष्टजन समूह के हितधारकों ने भाग लिया।

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग द्वारा 24 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 160 बहुतकनीकी तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों के लिए आयोजित किए गए, 06 आईसीटी कार्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों में भी आयोजित किए गए जिनमें 166 एवं 544 शिक्षकों ने भाग लिया। विभाग ने 01 संगोष्ठी का भी आयोजन किया जिसमें उद्योगों तथा शिक्षण संस्थानों से 54 प्रतिनिधियों एवं 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभागीय फैकल्टी ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 27 लेख प्रकाशित किए एवं 03 लेख राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रस्तुत किए। 21 लेख अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं 5 लेख राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत/स्वीकृत किए गए। विभाग ने 04 मुद्रित सामग्री एवं 01 वीडियो फिल्म की विभिन्न परामर्श परियोजनाएं विकसित की। विभाग ने आधारभूत सामग्री कार्यो गुणवत्ता नियंत्रण तथा सामग्री जांच, डिजाइन के क्षेत्रों में भी परीक्षण सेवाएं प्रदान की है, जिसकी कुल कीमत 60 लाख से भी अधिक थी।

अल्पावधि कार्यक्रम (संपर्क साधन)

1. फुटपाथकर मूल्यांकन एवं पुनर्वास
2. पर्यावरण इंजीनियरिंग में प्रयोगशाला अभ्यास
3. काले शीर्ष फुटपाथ का निर्माण तथा रखरखाव
4. संरचनात्मक स्वास्थ्य नियंत्रण
5. कंक्रीट की गुणवत्ता नियंत्रण
6. परियोजना प्रबंधन में साफ्टवेयर का अनुप्रयोग
7. कम लागत वाली आवास तकनीक और व्यवसाय
8. राजमार्ग निर्माण में सामग्री की पुनरावृत्ति
9. सामग्री जांच
10. सिविल अभियांत्रिकी में प्रयोगशाला अभ्यास
11. जल संसाधन प्रबंधन
12. योग और ध्यान
13. कंक्रीट प्रयोगशाला अभ्यास
14. संपूर्ण अधिकार द्वारा मानचित्रण
15. एसटीएएडी पीआरओ के साथ संरचनात्मक योजना
16. कंक्रीट मिश्रण योजना-नई दिशाएं
17. इस्पात संरचनाओं के सीमित राज्य योजना
18. इटीएबीएस के प्रयोग से निर्माण योजना
19. सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

20. संरचनाओं का पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास
21. भू-इंजीनियरिंग में प्रयोगशाला योजना
22. नींव के लिए वहन-क्षमता अनुमान
23. भूकंपीय विश्लेषण योजना एवं पुलों का पुनर्निर्माण
24. स्मार्ट शहर

अल्पावधि कार्यक्रम(आईसीटी मोड)

1. सिविल इंजीनियरिंग में सुदूर संवेदन जीपीएस और जीआईएस
2. इंजीनियरिंग में ऑटोकैड का प्रयोग
3. सब्ज भवन निर्माण एवं तकनीक
4. आपदा प्रबंधन
5. संरचनाओं का पुनर्निर्माण और पुनर्वास
6. वातावरण प्रदूषण

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. “नए कंक्रीट उत्पादन” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वच्छ प्रौद्योगिकियाँ एवं चिरस्थायी विकास केन्द्र

वर्ष 2017-18 के दौरान केन्द्र ने 07 विभिन्न अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 167 प्रतिभागियों ने भाग लिया। केन्द्र ने 6-7 सितम्बर, 2017 को तकनीकी शिक्षा में नवीनतम रुझानों पर शिक्षा सम्मेलन आयोजित किया और 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केन्द्र ने अकादमिक संस्थानों एवं अन्य सरकारी क्षेत्रों के विभिन्न हितधारकों के लिए पंजाब ईसीबीसी कोड के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया जिसमें 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और सतत विकास पर एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, केन्द्र द्वारा आयोजित की गई थी जिसमें 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अल्पावधि शिक्षण कार्यक्रम

1. नाइटर चण्डीगढ़ में आईएस/आईएसओ/आईईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली तथा आंतरिक लेखा परीक्षा पर एनएबीईटी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
2. वड़ोदरा गुजरात में (14-17.09.2017) आईएस/आईएसओ/आईईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा पर एनएबीईटी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. वड़ोदरा गुजरात में (14-17.09.2017) आईएस/आईएसओ/आईईसी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा पर एनएबीईटी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
4. नाइटर चण्डीगढ़ में आईएस/आईएसओ/आईईसी 17025:2005 के अनुसार एनएबीईटी मान्यता प्राप्त निर्धारक शिक्षण कार्यक्रम

5. वड़ोदरा गुजरात में (22-25.01.2018) आईएस/आईएसओ/ सी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन योजना एवं आंतरिक लेखा परीक्षा पर एनएबीईटी मान्यता प्राप्त शिक्षण कार्यक्रम
6. वड़ोदरा गुजरात में (18-21.01.2018) आईएस/आईएसओ/ सी 17025:2005 के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन योजना और आंतरिक लेखा परीक्षा पर एनएबीईटी मान्यता प्राप्त शिक्षण कार्यक्रम
7. स्मार्ट सिटी 12.03.2018 से 14.03.2018 तक

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किए

- चण्डीगढ़ प्रशासन के लिए शून्य ऊर्जा निर्माण का प्रस्ताव
- विज्ञान तथा तकनीकी व्यक्तियों हेतु प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमवृत्ति विकास कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव (टीईडीपी)
- ई-कचरा पीढ़ी के खतरों एवं परिवर्तनात्मक समाधानों के लिए तैयारी के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रस्ताव
- निर्माण तथा विध्वंस मलबे के आधार पर हल्के वजन के फोमयुक्त कंक्रीट का विकास
- “सरकारी क्षेत्र में काम कर रहे वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के प्रशिक्षण के लिए ‘राष्ट्रीय कार्यक्रम’ योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव
- कम लागत वाली मशीनिंग के लिए आम शोध और प्रौद्योगिकी विकास के निर्माण के लिए डीएसआईआर की ब्रिड-सीआरएफ योजना के तहत आंशिक वित्तीय सहायता मांगने के लिए आवेदन
- अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यवाही की छपाई के लिए अनुदान के लिए आवेदन पत्र
- पंजाब ईसीबीसी कोड के लिए क्षमता निर्माण
- हरियाणा ईसीबीसी कोड के लिए क्षमता निर्माण प्रस्ताव

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

वर्ष 2016-2017 के दौरान विभाग ने 26 प्रशिक्षण कार्यक्रम कांटेक्ट मोड के माध्यम से तथा 07 प्रशिक्षण का कार्यक्रम आईसीटी मोड के माध्यम से आयोजित गए किए जिनमें क्रमशः 397 तथा 2597 सहभागियों ने भाग लिया। विभाग ने एक कार्यशाला और एक विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें क्रमशः 18 एवं 118 सहभागियों ने भाग लिया। विभाग ने एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया जिसमें 113 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। विभागीय फैकल्टी ने 12 लेख अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में एवं 28 लेख अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत/स्वीकृत किए गए। विभाग के संकाय सदस्यों ने 08 मुद्रित सामग्री एवं 01 अमुद्रित सामग्री को विकसित किया।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. साईबर खतरे एवं सुरक्षा उपाय

2. मोबाईल कम्प्यूटिंग
3. वेब आधारित डिजाइनिंग
4. सेन्टोज़ का उपयोग कर लिनक्स प्रबन्धन
5. जावा मौलिक (मूलभूत) एवं जावा प्रोग्रामिंग
6. कम्प्यूटर एनिमेशन
7. साफ़्ट स्किल्स एवं कक्षा कक्ष
8. पाइथन का उपयोग कर इंटेल् प्रायोजित मशीन ज्ञान एल्गोरिदम्स
9. वेब के लिए ग्राफिक डिजाइनिंग और एनीमेशन
10. साईबर अपराध एवं फोरेंसिक उपकरण
11. एएसपी.एनईटी
12. फोटोशॉप
13. पीएचपी एमवायएसक्यूएल
14. लेटेक्स प्रोग्रामिंग
15. विंडो सर्वर 2012 प्रबंधन
16. एनड्रायड प्रोग्रामिंग
17. पी.जी कार्यक्रम मान्यता के लिए एसएआर तैयार करना
18. नेटवर्क सुरक्षा और फायरवॉल
19. साइबर अपराध एवं सुरक्षा जागरूकता
20. सॉफ्टवेयर प्ररीक्षण
21. पीएचपी एवं खुले स्रोत
22. आर प्रोग्रामिंग
23. एएसपी एनईटी
24. एनएस 2/3 सिम्युलेटर
25. खुले स्रोत प्रौद्योगिकियां
26. लैपटॉप एवं कम्प्यूटर की मरम्मत तथा रखरखाव

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटीमोड)

1. कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और अस्पष्ट तर्क
2. साइलैब प्रोग्रामिंग
3. डाटा खनन एवं व्यापार बुद्धि
4. आईसीटी के माध्यम से क्लाउड कम्प्यूटिंग
5. खुले स्रोत प्रौद्योगिकियां
6. "खुले स्रोत यंत्र" का एक दिवसीय विद्यार्थी प्रशिक्षण
7. "क्लाउड कम्प्यूटिंग" आईसीटी-सह-संपर्क मोड पर एक दिवसीय विद्यार्थी प्रशिक्षण

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कोर जावा प्रोग्रामिंग

अन्तर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय सैमीनार/सम्मेलन

1. स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला-कम्प्यूटिंग,संचार एवं नेटवर्किंग (आईसीसीसीएन) पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पाठ्यचर्या विकास केन्द्र

वर्ष 2017-18 के दौरान पाठ्यचर्या विकास केन्द्र ने अभियांत्रिकी एवं बहुतकनीकी कॉलेजों की फैकल्टी के लिए 07 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम और 03 आईसीटी कार्यक्रम आयोजित किए तथा क्रमशः 215 एवं 658 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। इसके अतिरिक्त केन्द्र ने अभियांत्रिकी कॉलेजों तथा बहुतकनीकी कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 39 विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र ने पाठ्यचर्या विकास के अतिरिक्त 06 कार्यशालाओं को आयोजित किया जिसमें 326 प्रतिभागियों ने भाग लिया। केन्द्र ने हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के राज्यों हेतु 32 पाठ्यक्रम विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें 442 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभागीय फैकल्टी ने एक 01 लेख अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किया एवं 03 लेख अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. प्रभावी पाठ्यक्रम कार्यान्वयन के लिए संचार कौशल
2. पाठ्यक्रम विकास
3. कार्यक्रम की मान्यता
4. संचार कौशल
5. छात्र केन्द्रित गतिविधियों का आयोजन
6. परियोजना नियोजन निष्पादन और मूल्यांकन
7. प्रभावी पाठ्यक्रम कार्यान्वयन

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटी मोड)

1. संचार कौशल
2. पाठ्यक्रम विकास
3. परिणाम आधारित शिक्षा

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. 20.03.2018 को संचार कौशल पर एक दिवसीय कार्यक्रम
2. 26.03.2018 को संचार कौशल पर एक दिवसीय कार्यक्रम

शिक्षा एवं शिक्षा प्रबंधन विभाग

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी, अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं व्यावसायिक उद्योग में कार्यरत शिक्षकों हेतु 22 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम और 04 आईसीटी कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 266 व 479 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 03 विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम में 1364 विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित किया। विभागीय संकाय ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 06 लेखों को एवं

राष्ट्रीय पत्रिका में 01 लेख प्रकाशित किया। इसके अतिरिक्त ईएमजीटी की फैकल्टी ने मूक्स पर वीडियो फिल्मों को विकसित किया

- अनुदेशात्मक योजना
- तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान
- शिक्षा-शिक्षण के लिए संचार
- सामूहिक गतिशीलता एवं समूह आधारित शिक्षा
- आत्म-शिक्षण सामग्री का विकास

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. आजीविका मार्गदर्शन एवं परामर्श (करियर कौशल सहित)
2. कक्षा संचार
3. प्रेरणा, समूह निर्माण एवं रचनात्मकता
4. कक्षा कक्ष शिक्षण एवं सॉफ्ट कौशल विकास
5. नौकरी साक्षात्कार के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना
6. विनम्र कौशल एवं कक्षा कक्ष शिक्षण
7. नए भर्ती शिक्षकों के लिए प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम
8. शिक्षण के लिए छात्र केंद्रित विधि
9. अपने अहं एवं भावनाओं को प्रबंधित करना सीखने के लिए आंतरिक शक्ति को अग्रसर करना
10. रोजगार मार्गदर्शन एवं परामर्श
11. मूल्यांकन सिद्धांत एवं व्यावहारिक कार्य
12. नव भर्ती शिक्षकों के लिए प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम
13. प्रबंधकीय कौशल
14. नव भर्ती शिक्षकों के लिए प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम
15. कर्मचारियों के प्रदर्शन में वृद्धि सुधार
16. तनाव प्रबंधन
17. छात्रों ने निर्देश-2 की विधि केन्द्रित की
18. प्रभावशाली शिक्षण
19. शिक्षण एवं मूल्यांकन में व्यावसायिकता
20. अनुसंधान क्रियाविधि
21. विनम्र कौशल एवं कक्षा कक्ष शिक्षण
22. सलाह कोचिंग एवं परामर्श

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटीमोड):

1. शोध कार्यप्रणाली
2. निर्देशक योजना (माड्यूल I:आईपीडी)
3. निर्देशक वितरण (माड्यूल II: आईपीडी)
4. विद्यार्थी मूल्यांकन (माड्यूल III : आईपीडी)

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. आईसीटी द्वारा विद्यार्थियों को नौकरी साक्षात्कार के लिए तैयार करना
2. आईसीटी द्वारा विद्यार्थियों को नौकरी साक्षात्कार के लिए तैयार करना
3. आईसीटी द्वारा विद्यार्थियों को नौकरी साक्षात्कार के लिए तैयार करना

शैक्षिक दूरदर्शन केन्द्र

वर्ष 2017-2018 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी एवं इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षकों के लिए 09 अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित किए जिसमें 113 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 01 राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 600 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग के संकाय सदस्यों ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 07 लेख एवं 02 लेख राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किए। विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में 03 लेख तथा राष्ट्रीय पत्रिका में 01 लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए। केन्द्र ने 03 मुद्रित सामग्री एवं 01 अमुद्रित सामग्री को भी विकसित किया।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. प्रभाव और प्रीमियर के बाद एडोब फोटोशॉप एडोब का उपयोग कर निर्देशक सामग्री का प्रभावी उपयोग
2. ग्राफिक और एनीमेशन का उपयोग कर प्रस्तुति गुणवत्ता को बढ़ाना
3. वीडियो फिल्म उत्पादन तकनीकें
4. निर्देशक सामग्री विकास के लिए ग्राफिक्स एनीमेशन
5. लिपि लेखन एवं वीडियो संपादन
6. कैमरा और संपादन तकनीकें
7. ई-सामग्री पीढ़ी के लिपि लेखन और वीडियो उत्पादन तकनीकें
8. "ई-शिक्षक डिजिटल शिक्षण/सीखने का दृष्टिकोण"
9. "मैटलैब प्रोग्रामिंग"

विद्युत् अभियांत्रिकी विभाग

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी और अभियांत्रिकी महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए 15 अल्पकालीन कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 163 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने आईसीटी के द्वारा 08 शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 1481 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 03 मुद्रित सामग्री विकसित की। विभागीय फैकल्टी ने एम.ई विद्यार्थियों के 34 शोधग्रन्थों को निर्देशित किया। परामर्श कार्य के तहत 02 परियोजनाओं को पूरा किया। विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 24 लेख तथा राष्ट्रीय पत्रिका में 08 लेख प्रकाशित किए। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में 28 लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए गए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव पर प्रथाओं पर हाथ
2. पीएलसी प्रथाएं एवं उनकी प्रोग्रामिंग

3. एफएसीटीएस एवं स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी
4. जैव-चिकित्सा उपकरण
5. कम्प्यूटर एडेड पावर सिस्टम विश्लेषण
6. पर्यावरणीय अभियांत्रिकी के लिए साधन
7. माइक्रोकंट्रोलर के एम्बेडेड सी प्रोग्रामिंग
8. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में संभावित अनुसंधान और विकास क्षेत्र
9. इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए हार्डवेयर इंटरफेस के साथ
मैटलैब/सिमूलिक
10. 8051 के साथ रीयल वर्ल्ड इंटरफेसिंग
11. इंजीनियरिंग अनुसंधान के लिए उपकरण
12. वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत-पहलू और संभावनाएं
13. ऊर्जा प्रबंधन एवं संरक्षण
14. लैवव्यू में अभ्यास पर हाथ
15. विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर आधारित परियोजनाएं

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटी मोड)

1. एम्बेडेड सिस्टम प्रैक्टिस
2. ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास
3. विद्युत गुणवत्ता निगरानी और विश्लेषण
4. नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियां
5. विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स और इसके अनुप्रयोग
6. औद्योगिक स्वचालित प्रथाएं
7. अपने हार्डवेयर इंटरफेस के साथ मैटलैब एवं लैबवीयू
8. मैटलैब (एलएम) का उपयोग कर सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तकनीकें

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. एम्बेडेड सिस्टम पर 6 महीने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण

इलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार अभियांत्रिकी विभाग

वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी एवं अभियांत्रिकी कालेजों के शिक्षकों के लिए 18 अल्पावधि कोर्स आयोजित किए जिनमें 191 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 3 आईसीटी कार्यक्रम आयोजित किए और 1018 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग द्वारा 02 विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 16 अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रशिक्षित किए। विभाग ने 01 संगोष्ठी आयोजित की जिसमें 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विभाग ने गुणवत्ता संशोधन पर 01 कार्यशाला आयोजित की जिसमें 6 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 03 मुद्रित सामग्री, 9 अमुद्रित सामग्री एवं 29 वीडियो

फिल्मों का काम पूरा किया। विभागीय संकाय द्वारा एमई के विद्यार्थियों के 32 समापक (अंतिम) शोधकार्यों को निर्देशित किया गया। परामर्श कार्य के तहत 03 परियोजनाएं सम्पन्न की गईं। विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 29 लेख एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 06 लेख प्रकाशित किए तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में 10

लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए गए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. श्री जी और फोर जी
2. इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन
3. व्यवस्थित डिजाइनिंग के लिए प्रस्तावना
4. विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और परियोजना निर्माण
5. इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और परियोजना निर्माण
6. विद्युत आपूर्ति, यूपीएस, इनवर्टर और एसएमपीएस
7. विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और परियोजना निर्माण
8. एफपीजीए आधारित डिजिटल सिस्टम डिजाइन
9. दीर्घकालिक विकास के लिए परिचय
10. पीसीबी डिजाइन एवं निर्माण
11. एफ पी जीए आधारित डिजिटल सिस्टम डिजाइन
12. डिजिटल सिस्टम डिजाइन
13. एंटीना और इसके अनुप्रयोग
14. मैटलैब का उपयोग कर उन्नत डीएसपी
15. श्री जी और एलटीई
16. टूजी और श्री जी
17. एम्बेडेड विश्व
18. मैटलैब के साथ संकेत प्रसंस्करण

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटी मोड)

1. वीएलएसआई डिजाइन
2. वायरलेस और मोबाइल संचार
3. एम्बेडेड व्यवस्था

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. एंटीना डिजाइन
2. एम्बेडेड व्यवस्था

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. सीएसटी सिमुलेशन सॉफ्टवेयर पर एमई विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी

उद्यमवृत्ति विकास एवं औद्योगिक समन्वय विभाग

विभाग ने वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी और अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के लिए 06 अल्पावधि कोर्स आयोजित किए जिसमें 177 शिक्षकों ने भाग लिया। विभाग ने 06 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आईसीटी द्वारा आयोजित बहुतकनीकी तथा इंजीनियरिंग कॉलेज के 1050 शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया। विभाग ने 04 डीएसटी प्रयोजित कार्यक्रमों को भी आयोजित किया जिसमें 186 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग द्वारा 04 विद्यार्थी शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 658 छात्रों ने भाग लिया। विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में 01 लेख प्रकाशित किया एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में 02 लेख तथा राष्ट्रीय पत्रिका में 01 लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. तकनीकी शिक्षा के लिए एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम
 2. उद्यमशीलता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)
 3. तकनीकी संस्थानों में उद्यमिता विकास कोशिकाओं (ईडीसीएस) एवं उद्योग-संस्थान साझेदारी कोशिकाओं (आईआईपीसीएस) की स्थापना तथा प्रबंधन
 4. सम्पूर्ण गुणवत्ता-प्रबंधन एवं आई एस ओ 9001:2015
 5. व्यापक उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम
 6. स्व-रोजगार द्वारा उद्यम-विकास
- डीएसटी प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम**
7. उद्यमिता जागरूकता शिविर
 8. उद्यमिता जागरूकता शिविर
 9. उद्यमिता जागरूकता शिविर
 10. नवाचार एवं ऊष्मायन के माध्यम से व्यापार स्टार्ट-अप पर एफडीपी

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटी मोड)

1. प्रभावी उद्योग-संस्थान साझेदारी और रिमोट-सेन्टर के लिए हस्तक्षेप
2. संस्था, उत्कृष्टता एवं दूरस्थ केन्द्र के लिए रणनीतिक प्रबंधन और एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण
3. नए व्यापार स्टार्ट-अप रिमोट सेंटर के लिए कोश निधि
4. नए व्यावसायिक उद्यमों और रिमोट सेंटर के प्रबंधन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल
5. संस्थानों और रिमोट-सेन्टर में व्यापार एवं सॉफ्ट-स्किल विकास
6. ई-नियंत्रण एवं हरित प्रौद्योगिकी उद्यमिता

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

2. उद्यमिता जागरूकता शिविर

3. उद्यमिता जागरूकता शिविर
4. उद्यमिता जागरूकता शिविर
1. प्रभावी उद्यमशीलता के लिए विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. महत्वकांक्षी दिमाग (टीम) में उद्यमिता बढ़ाना (टीईएएम)

पुस्तकालय

पुस्तकालय कैटालॉग को इंटरनेट पर कहीं से भी वैब-ओपैक से असेस किया जा सकता है। इस उद्देश्य हेतु नाइटर वैब-पेज पर सैन्ट्रल लाइब्रेरी टैब में लिंक दिया गया है। जैसे ही पुस्तकालय वेबसाइट रजिस्टर होती है, इसे सीधे तौर पर असेस किया जा सकता है। पुस्तकालय द्वारा जो ई-रिसोर्स सब्सक्राइब किए जाते हैं उन्हें ई-पुस्तकालय में विद्यार्थियों द्वारा असेस किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान 800 से अधिक प्रयोगकर्ताओं द्वारा इसे असेस किया गया है तथा ई-जर्नलस को कन्सल्ट किया गया है। कम्प्यूटर विज्ञान, इलैक्ट्रॉनिकी एवं इंजीनियरिंग में ओपन सोर्स पत्रिकाओं की निर्देशिका समेकित की गई। निर्देशिका संस्थान की बैबसाइट पर उपलब्ध है जिसे केन्द्रीय पुस्तकालय टैब में प्रदत्त लिंक के माध्यम से देखा जा सकता है। पुस्तकालय का होल्डिंग इंड कैट, आई एन एफ एल आई बी एन ईटी पर यूनियन कैटालॉग प्रोजेक्ट के माध्यम से देखा जा सकता है।

पुस्तकालय ने यूजर गाईड अर्थात् नाइटर पुस्तकालय गाईड समेकित किया है। इसके अलावा पुस्तकालय, पुस्तकालय में प्राप्त पत्रिकाओं की वर्तमान विषयवस्तु निकाल रहा है। विभाग में बहुतकनीकी तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 06 अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें 97 सहभागी शामिल हुए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. पुस्तकालयों में नई प्रवृत्तियां
2. ज्ञान संगठनात्मक उपकरण
3. सूचना साक्षरता एवं आजीवन शिक्षा
4. डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन
5. जीएसडीएल आधार का उपयोग कर पुस्तकालय स्वचालन
6. पुस्तकालयों में क्लाउड कम्प्यूटिंग अनुप्रयोग

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

वर्ष 2017-2018 के दौरान विभाग में बहुतकनीकी कालेजों तथा इंजीनियरिंग कालेजों के शिक्षकों हेतु 17 अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए जिसमें 153 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 06 आईसीटी कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 1494

प्रतिभागियों ने भाग लिया । छः महीने की अवधि का 01 विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं विभाग ने 05 इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। विभाग ने 01 संगोष्ठी का भी आयोजन किया जिसमें 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विभाग ने गुणवत्ता सुधार पर 01 कार्यशाला आयोजित की जिसमें 83 प्रतिभागियों ने भाग लिया । विभाग ने 04 मुद्रित सामग्री, 02 अमुद्रित सामग्री एवं 01 वीडियो फिल्म का काम पूरा किया। विभागीय संकाय सदस्यों ने एम.ई. विद्यार्थियों के 29 शोध कार्यों को निर्देशित किया। विस्तार सेवाओं के तहत 02 परियोजनाओं और 03 भर्ती योजनाओं के तहत परामर्श कार्य पूरा किया गया। विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 18 लेख एवं राष्ट्रीय पत्रिका में 13 लेख प्रकाशित किए। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 02 लेख तथा राष्ट्रीय सम्मेलनों में 01 लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. इंजीनियरिंग ड्राइंग में शिक्षण प्रथाएं
2. मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला प्रथाएं
3. कार्यशाला प्रशिक्षकों के लिए पर्यवेक्षी कौशल विकास
4. सी आर ई ओ का उपयोग कर सीएडी
5. इंजीनियरिंग सामग्री और एनडीटी
6. सीएटीआईए का प्रयोग कर सीएडी
7. मशीनी औजार की मरम्मत और रखरखाव
8. उत्पादन प्रबंधन
9. एएनएसवायएस का उपयोग कर परिमित तत्व विश्लेषण
10. प्रशीतन एवं वातानुकूलन
11. कम्प्यूटर सहायतायुक्त विनिर्माण (सीएएम)
12. सीएनसी मशीन : संचालन और प्रोग्रामिंग
13. कटाई उपकरण प्रौद्योगिकी
14. तरल ऊर्जा सर्किट: तत्व और डिजाइन
15. निर्माण प्रक्रिया
16. औद्योगिक स्वचालन और रोबोटिक्स
17. मेकाट्रानिक्स

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटीमोड)

1. मेटलैब का प्रयोग कर अनुकूलन
2. आईसीटी के माध्यम से उत्पाद डिजाइन और विकास
3. मेटलैब का उपयोग कर मॉडलिंग और सिमुलेशन
4. ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में नई प्रवृत्तियां
5. अग्रिम विनिर्माण विधि
6. परिणाम आधारित शिक्षा

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. बी टेक, 6 महीने का प्रशिक्षण

माध्यम केन्द्र

वर्ष 2017-2018 के दौरान विभाग ने बहुतकनीकी एवं अभियांत्रिकी कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 07 अल्पावधि कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 704 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग ने 03 संगोष्ठियां भी आयोजित की जिसमें 830 सहभागी शामिल हुए।

विभाग ने 04 मुद्रित सामग्री, 01 अमुद्रित सामग्री और 4 वीडियो फिल्मों का कार्य सम्पूर्ण किया। विभाग ने परामर्श परियोजनाओं के तहत 04 भर्ती परियोजनाओं में भी सहायता प्रदान की। विभाग ने राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 02 लेख प्रकाशित किए तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में 03 लेख प्रस्तुत किए।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में नवाचार तथा रचनात्मकता विकास
2. नवीनतम मीडिया का उपयोग कर निर्देशन सामग्री विकास
3. स्वप्रबंधन
4. तकनीकी शिक्षक' आत्म-सम्मान, प्रेरणा एवं व्यावसायिकता विकास
5. तकनीकी शिक्षा में ई-नियन्त्रण
6. नेतृत्व एवं प्रबंधन विकास
7. संकाय विकास योजना एवं प्रबंधन

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. भारत को कुशल बनाने के लिए क्षेत्र कौशल परिषदों के साथ समेकन और नेटवर्किंग पर कौशल शिखर सम्मेलन एवं गोल सारणी
2. "तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझान" पर शैक्षणिक सम्मेलन
3. "तकनीकी शिक्षामें सुधार और हरियाणा राज्य के लिए आगे का रास्ता" पर एक दिवसीय सम्मेलन

ग्रामीण विकास विभाग

विभाग ने बहुतकनीकी तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 197 बहुतकनीकी शिक्षकों तथा 17 इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों ने भाग लिया। विभाग ने जिन विषयों पर 03 आईसीटी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए वे हैं: ग्रामीण और शहरी आवास के लिए भूकंप जोखिम प्रबंधन, भारत में नवीन दृष्टिकोण और रोजगार उत्पादन एवं जलवायु परिवर्तन तथा आपदा कौशल भारत, ये कार्यक्रम इंजीनियरिंग कॉलेजों तथा बहुतकनीकी कॉलेजों के लिए थे जिनमें 558 शिक्षक शामिल हुए। उत्तरी क्षेत्र में विभिन्न राज्यों हेतु आयोजित बहुतकनीकियों के माध्यम से सामुदायिक विकास योजना के क्रियान्वयन संबंधी 14 कार्यशालाएं आयोजित की गईं जिनमें 1350 सहभागी शामिल हुए। विभाग ने इंडिग्रेटड हिमालयन स्टडीज

(आईआईएचएस) हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के एम बी ए के विद्यार्थियों के लिए 02 प्री जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जिसमें 57 एम बीए विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभाग ने नाइटर चण्डीगढ़ में 31 अगस्त से 01 सितम्बर 2017 तक भारत में स्थायी ग्रामीण विकास के लिए कौशल एवं प्रौद्योगिकियों तथा प्रौद्योगिकियों का प्रचार पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 02 लेख प्रकाशित किए तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में 02 लेख एवं राष्ट्रीय संगोष्ठियों में 03 लेख प्रस्तुत/स्वीकृत किए।

इसके अलावा विभाग द्वारा प्रयोगात्मक ज्ञान प्रदान करना रहा है यथा धुआं रहित चूल्हा, कम लागत के शौचालय, कम लागत की छत अपशिष्ट जल निपटान, जैविक खेती एवं कृषि अपशिष्ट की रिसाइकलिंग, बायोगैस प्लांट्स। इस वर्ष विभाग ने दो कम लागत की रसोई के 15 धुआं रहित चूल्हा तथा फेरो-सीमेंट रूफ टॉप के निर्माण में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। यह कार्य आरवीआईटी बिजनौर के साथ, बिजनौर जिले के 04 गावों में आयोजित किया गया।

अल्पावधि कार्यक्रम (कान्टेक्ट मोड)

1. “हिमालयी क्षेत्र के सतत विकास हेतु मिश्रित वन विकास एवं जैविक खेती” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
2. “उन्नत भारत अभियान” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
3. “विकास कौशल के लिए अभिसरण” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
4. “आपदा प्रवण क्षेत्रों में किफायती आवास” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
5. “सीडीटीपी योजना के लिए अभिविन्यास” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
6. “बहुतकनीकी और इंजीनियरिंग कॉलेजों के माध्यम से कुशल भारत” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
7. “भारत में मुद्दे एवं चुनौतियां” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
8. “सतत ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकियां” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
9. “आपदा प्रबंधन एवं सतत विकास” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
10. “ग्रामीण पर्यटन एवं जैविक खेती के माध्यम से हिमालयी राज्यों के एकीकृत गांव विकास” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
11. एमबीए विद्यार्थियों के पूर्व नौकरी प्रशिक्षण आईआईएचएस, एचपी से तीसरा सेमेस्टर
12. एमबीए विद्यार्थियों के पूर्व नौकरी प्रशिक्षण आईआईएचएस, एचपी से पहला सेमेस्टर

अल्पावधि कार्यक्रम (आईसीटीमोड)

1. “ग्रामीण एवं शहरी आवास हेतु भूकंप जोखिम प्रबंधन” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम
2. “भारत में रोजगार उत्पादन की दिशा में नवीन दृष्टिकोण” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम

3. “जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन” पर अल्पावधि पाठ्यक्रम

विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) विद्यार्थियों के पूर्व नौकरी प्रशिक्षण आईआईएचएस, एचपी विश्वविद्यालय, शिमला से “एकीकृत गांव विकास” पर तीसरा सेमेस्टर 15-31 जनवरी 2018, नाइटर चण्डीगढ़ में
2. एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) विद्यार्थियों के पूर्व नौकरी प्रशिक्षण, आईआईएचएस, एचपी विश्वविद्यालय, शिमला से 5-21 फरवरी 2018 से “सतत ग्रामीण विकास” के लिए प्रबंधन तकनीकों और प्रौद्योगिकियों पर पहला सेमेस्टर

राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

1. भारत में सतत ग्रामीण विकास हेतु कौशल और प्रौद्योगिकियों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रचार पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी

सूचना प्रबन्धन एवं समन्वय विभाग

विवरण वर्ष के दौरान विभाग ने संस्थान की वर्ष 2016-17 हेतु वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के अवलोकनार्थ तथा संसद के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु जमा किया गया । वर्ष 2017-18 के दौरान विभाग की मुख्य गतिविधियां संस्थान की संक्रियात्मक योजना को तैयार करना रहा है जिसमें उत्तरी क्षेत्र के प्रत्येक राज्य में आयोजित वार्षिक कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न राज्यों की जरूरतों को समेकित करने के बाद वर्ष 2017-18 हेतु अनुसंधान एवं विकास, अनुदेशात्मक सामग्री विकास, विस्तार सेवाएं एवं परामर्श जैसी गतिविधियों को अभियांत्रिकी कॉलेजों एवं बहुतकनीकियों की फैकल्टी और तकनीकी स्टाफ हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों के वार्षिक कलेंडर को दशति हुए वर्ष 2017-18 हेतु संस्थान की संक्रियात्मक रिपोर्ट को तैयार करना। विभाग संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से संस्थान की प्रबन्धन सूचना प्रणाली (एमआईएस) के विकास की प्रक्रिया में भी है। विभाग ने 6 एमओयू (समझौता ज्ञापन) तैयार किए जिन्हें विभिन्न संगठनों के साथ हस्ताक्षर किए गए और संस्थान की विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एमएचआरडी, डीटीई, बीटीई, प्रशिक्षण केन्द्र एवं अन्य निजी तकनीकी संस्थानों और उद्योग के साथ आवश्यक लीजिंग प्रदान की गई ।

स्वर्ण जयन्ती वर्ष की गतिविधियाँ

संस्थान देश में विशेषतया उत्तरी क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा को सुधारने हेतु अपने प्रयासों से 50 वर्ष की अवधि पूरी कर चुका है । संक्रियात्मक योजना के अलावा विविध कार्यकलाप/गतिविधियों की पहचान की गई है और अकादमिक वर्ष में उनमें से जो कार्य पूरे हो चुके हैं उसकी सूची इसमें संलग्न है। इसमें नाइटर चण्डीगढ़ में 31 अगस्त से 1 सितम्बर 2017 तक भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल तथा प्रौद्योगिकियों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रचार पर स्वर्ण जयन्ती

राष्ट्रीय संगोष्ठी शामिल है जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए टेक-फेस्ट (प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया।



स्वर्ण जयंती उत्सव वर्ष का समापन समारोह, बाएं से दाएं: डा. सी थंगराज, निदेशक, नाइटर भोपाल, डा.एसएन पांडा, निदेशक नाइटर चेन्नई, श्री बी.के. मिश्रा, वरिष्ठ वी.पी. टेक महिन्द्रा फाउंडेशन, डा. केके तलवार, अध्यक्ष, शासक मण्डल, श्री मधुरंजन कुमार, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, डा.एसएस पट्टनायक, निदेशक, डा.एमपी पूनिया, उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, डा. जेएस सैनी, नाइटर चण्डीगढ़

स्वर्ण जयंती वर्ष के कार्यक्रम एवं गतिविधियों के निम्नलिखित विवरण

| क्रम संख्या | गतिविधियां | दिनांक |
|-------------|--|--------------------|
| 1. | क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान को बढ़ावा देना | 7 अप्रैल 2017 |
| 2. | स्वर्ण जयंती विकलांगता क्षेत्र के हितधारकों के गोल-टेबल | 17 अप्रैल, 2017 |
| 3. | विशिष्टजन समूह हेतु नाइटर स्वर्ण जयंती नौकरी मेला | 18 अप्रैल, 2017 |
| 4. | नई पीढ़ी के कंक्रीट पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी | 19 अप्रैल, 2017 |
| 5. | प्रबंधन संस्थान (एनआर) के लिए व्यावसायिक योजना प्रतियोगिता | 20 अप्रैल, 2017 |
| 6. | उत्तरी क्षेत्र के इंजीनियरिंग एवं बहुतकनीकी कालेजों के लिए टेक-फेस्ट तथा प्रोजेक्ट प्रतियोगिता | 20-21 अप्रैल, 2017 |
| 7. | स्वर्ण जयंतजी नाइटर-जावा फंडामेंटल एवं प्रोग्रामिंग पर ओरैकल एफडीपी | 24-28 अप्रैल, 2017 |
| 8. | कुशल भारत के लिए एस एससीएस के साथ कन्सोलीडेशन | 28 अप्रैल, 2017 |

| क्रम संख्या | गतिविधियां | दिनांक |
|-------------|--|----------------------------|
| 9. | आईपी V4 से आईपी V6 स्थानान्तरण विधि पर कार्यशाला | 5 मई, 2017 |
| 10. | नाइटर चण्डीगढ़ में व्यावसायिक संस्था के अध्याय की स्थापना | 26 मई, 2017 |
| 11. | अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान ब्रांड बिल्डिंग पर कार्यशाला | 9 जून 2017 |
| 12. | समझौता ज्ञापनों द्वारा लाभ का उपयोग करने पर कार्यशाला | 16 जून, 2017 |
| 13. | लिंग उत्पीड़न को रोकने में संस्थानों की भूमिका पर आईसीटी के माध्यम से पैनल चर्चा अगस्त | 24 अगस्त, 2017 |
| 14. | इलेक्ट्रो-मेकैनिकल व्यवस्था की सिमूलेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला | 24 -25 अगस्त, 2017 |
| 15. | नाइटर स्वर्ण जयंती एल्यूमनी मीट | 26 अगस्त, 2017 |
| 16. | भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकियों एवं कौशल पदोन्नीत पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी | 31 अगस्त – 01 सितम्बर 2017 |
| 17. | नाइटर-स्वर्ण जयंती शिक्षक दिवस | 5 सितम्बर, 2017 |
| 18. | टेक्निकल शिक्षा में उभरते रुझानों पर शैक्षणिक सम्मेलन | 6-7 सितम्बर 2017 |
| 19. | नाइटर-स्वर्ण जयंती आउटस्टैंडिंग संस्थान पुरस्कार(अभियांत्रिकी कालेज वर्ग) (एनआर) | 7 सितम्बर, 2017 |

| क्रम संख्या | गतिविधियां | दिनांक |
|-------------|---|-----------------|
| 20. | नाइटर-स्वर्ण जयंती आउटस्टैंडिंग संस्थान पुरस्कार (बहुतकनीकी वर्ग) (एनआर) | 7 सितम्बर, 2017 |
| 21. | नाइटर-स्वर्ण जयंती सर्व श्रेष्ठ सीडीडीपी व्यवस्था कार्यान्वयन बहुतकनीकी पुरस्कार (एनआर) | 7 सितम्बर, 2017 |
| 22. | नाइटर-स्वर्ण जयंती सर्व श्रेष्ठ पीडब्ल्यूडी योजना कार्यान्वयन संस्थान पुरस्कार (एनआर) | 7 सितम्बर, 2017 |
| 23. | प्रतिष्ठित भूतपूर्व-छात्र पुरस्कार | 7 सितम्बर, 2017 |
| 24. | आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (प्रधानाध्यापक/निदेशक/संकाय/संस्थान के स्टाफ) | 7 सितम्बर, 2017 |

संस्थान के सहभागियों की उपलब्धियां

1. निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों पर काम करने के लिए संस्थान ने 1 अगस्त 2016 को स्टार्ट-अप 'एनोवेट स्किल्स' की स्थापना की।

1. रोबोटिक्स एवं आटोमेशन
2. अक्षय ऊर्जा
3. उत्पाद डिज़ाइन एवं विकास

चालू वर्ष के दौरान निम्नलिखित उपलब्धियां

| गतिविधियां | कार्यक्रमों की संख्या | शिक्षित व्यक्तियों की संख्या | लाभार्थी |
|------------------------------------|-----------------------|---------------------------------------|--|
| 2 दिन की कार्यशाला | 18 | 980 | डिप्लोमा एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थी |
| 3 से 5 दिन की कार्यशाला | 4 | 280 | |
| एक दिन की कार्यशाला एवं संगोष्ठी | 20 | 890 | |
| 6 सप्ताह के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण | 1 | 25 | |
| 2 राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला | 2 | “इलेक्ट्रॉनिक्स 4यू” सम्मेलन, बैंगलोर | |
| विश्व कौशल प्रतियोगिता | 2 | | डिप्लोमा एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थी |

2. सार्थक स्मार्ट + सेंटर

केंद्र में पीडब्ल्यूडी को रोजगार के उद्देश्य से 4 महीने के कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं। इस केन्द्र के माध्यम से 184 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें से 120 उम्मीदवारों को नियुक्ति प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित गतिविधियां भी की गई :

- संगठनात्मकता और जागरूकता शिविरों की आयोजित संख्या 22
- आयोजित यूडीआईडी शिविरों की कुल संख्या: 04
- उम्मीदवारों की कुल संख्या में शामिल : 897

3.0 सांस्थानिक आधारिक संरचना

3.1 भूमि तथा निर्मित क्षेत्र

संस्थान का मुख्य परिसर सेक्टर 26 में 16.94 एकड़ (6.85 हैक्टेयर) की भूमि में शैक्षणिक परिसर में स्थित है। मुख्य परिसर में इमारतें इस प्रकार हैं :

- होमी भाभा शैक्षिक ब्लॉक में अनुप्रयुक्त विज्ञान, सिविल इंजीनियरी, विद्युत् इंजीनियरी, इलेक्ट्रॉनिकी सेवा केन्द्र, इलेक्ट्रॉनिकी व संचार इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी तथा ग्रामीण विकास विभाग हैं।

- रामानुजन कम्प्यूटर विज्ञान तथा शैक्षिक दूरदर्शन केन्द्र में कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना प्रबन्धन तथा समन्वय विभाग, शैक्षिक दूरदर्शन केन्द्र तथा माध्यम केन्द्र ब्लॉक।
- सर जे सी बोस शैक्षिक व प्रशासनिक ब्लॉक में निदेशक का कार्यालय, प्रशासन एवं लेखा अनुभाग, संस्थान का पुस्तकालय तथा पाठ्यचर्या विकास, शिक्षा एवं शिक्षा-प्रबन्ध और उद्यमवृत्ति विकास व औद्योगिक समन्वय विभाग हैं।
- विश्वेश्वर्या लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स में 08 हार्ड-टैक-लेक्चर हाल शामिल हैं।
- चन्द्रशेखर हाल, अमर्त्या हॉल तथा टैगोर हॉल (लड़कों तथा लड़कियों के लिए छात्रावास),रमन हॉल (स्नातकोत्तर छात्रों के लिए छात्रावास)तथा छात्र-केन्द्र।
- हर गोबिन्द खुराना अतिथि-गृह
- फैकल्टी तथा स्टाफ निवास

सेक्टर 26 में मुख्य परिसर के अतिरिक्त, सेक्टर 29 तथा 42 में और भी आवासीय परिसर हैं जहां स्टाफ तथा फैकल्टी के रहने के लिए 76 आवास बनाए गए हैं। बना हुआ कुल क्षेत्रफल 39325 वर्गमीटर है। संस्थान के सेक्टर- 29 के परिसर में बच्चों के लिए एक पार्क बनाया है तथा सेक्टर-42 परिसर में एक जिम-व-मेडिटेशन केन्द्र बनाया है।

वर्ष 2017-18 के दौरान रैनोवेशन संबंधी निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए :-

- इसके अतिरिक्त नाइटर परिसर, सेक्टर 29, चण्डीगढ़, में टाइप-II के 3 मकानों टाइप-2 के स्टोर एवं सीढ़ियों को परिवर्तित किया गया (26.5 लाख रुपये)
- नाइटर, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ के पी.जी. होस्टल के कमरे और कोरिडोर की रैनोवेशन (104 लाख रुपये के तहत कार्य प्रगति पर)
- नाइटर परिसर, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ के टाइप- II के 10 मकानों की, 15 स्टोर एवं अन्य विविध प्रकार के कार्यों में बदलाव (126 लाख रुपये के तहत कार्य प्रगति पर)

3.2 उपकरण

वर्ष 2017-2018 के दौरान 318.81 लाख रुपए के उपकरण खरीदे गए। इस तरह उपकरणों का कुल मूल्य बढ़कर 31.03.2018 को 4202.58 लाख रुपये हो गया। इस तरह 31.3.2018 को परिसम्पत्तियों पर आवश्यक अवमूल्यन देने के बाद उपकरण का शुद्ध मूल्य 1626.60 लाख रुपए हो गया।

3.3 फर्नीचर

वर्ष 2017-18 के दौरान 16.46 लाख रुपए का फर्नीचर खरीदा गया। 31.03.2018 फर्नीचर का कुल मूल्य 380.51 लाख रुपए तक बढ़ गया।इस तरह 31.3.2018 को

नियमानुसार परिसम्पत्तियों पर आवश्यक अवमूल्यन देने के बाद फर्नीचर का शुद्ध मूल्य 175.41 लाख रुपए हो गया।

3.4 खर्च

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान निम्नलिखित रूप से दर्शाई गई विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 3491.54 लाख रुपए का खर्च हुआ।

| क्रम सं० | योजना का नाम | खर्च हुई राशि (रुपये लाखों में) |
|----------|---|------------------------------------|
| 01. | प्लान (अनावर्ती) - पूंजीगत परिसम्पत्तियां | 858.86 |
| 02. | योजना -सामान्य (आवर्ती) | 547.22 |
| 03. | नॉन प्लान (आवर्ती) | 2085.46 |
| | कुल खर्च | 3491.54 |

3.5 पुस्तकालय

| क्रम सं० | विवरण | 31.03.2018 को उपलब्ध |
|----------|---|-------------------------|
| 1. | पुस्तकों की संख्या | 49326 |
| 2. | आईएसआई तथा आईआरसी की संख्या | 10043 |
| 3. | बाउंड जर्नल्स | 23173 |
| 4. | मुद्रित पत्र-पत्रिकाएं | 36 |
| 5. | समाचार पत्र | 10 |
| 6. | मैगज़ीन्स | 14 |
| 7. | ई-पत्र-पत्रिकाएं <ul style="list-style-type: none"> • आईईएल(एएसपीपी) एवं (पीओपी) • एएससीई पत्रिकाएं ऑनलाइन • एएसएमई पत्रिकाएं ऑनलाइन • आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक • औद्योगिक विकास में अध्ययन के लिए संस्थान (आईएसआईडी) डाटाबेस • जे गेट प्लस (जेसीसीसी) • जेएसटीओआर • स्प्रिंगर लिंक 1700 संग्रह • नेचर पत्रिका • वैब ऑफ साईंस | |

4.0 संस्थान स्टाफ विकास

प्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए स्टाफ विकास अत्यन्त महत्वपूर्ण है । अतः इसे इस ढंग से नियोजित किया जाना चाहिए जिससे स्टाफ की स्वाभाविक योग्यताओं एवं अभिरूचियों के अनुसार, उसके पद की वर्तमान तथा पूर्वज्ञात भावी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वैयक्तिक विकास प्रदान किया जा सके । इस दिशा में, संस्थान ने ज्ञान तथा कौशल के रूप में प्राविधिक योग्यताओं को बढ़ाने के अवसर प्रदान करने के लिए अपनी फैकल्टी तथा स्टाफ के विकास को उन्नत करना जारी रखा। इस पहलू के अन्तर्गत आने वाली गतिविधियों में, संस्थान की फैकल्टी तथा स्टाफ को देश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा आयोजित अल्पकालीन कार्यक्रमों तथा विभिन्न सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में भेजना होता है। संस्थान ने अपनी फैकल्टी/स्टाफ के लिए संस्थान में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

रिक्त पदों को भरना

संस्थान ने प्रोफेसर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, लेख अधिकारी इत्यादि संस्थान के वरिष्ठ पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की है। अनुसचिवीय एवं तकनीकी/प्रयोगशाला कर्मचारियों के स्तर में रिक्त गैर-शिक्षण पदों को भरने के लिए कदम उठाए गए हैं।

संस्थान की फैकल्टी/स्टाफ ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनका विवरण अनुबंध -III पर है

5.0 वर्ष 2017-18 के दौरान संस्थान में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन

| क्रम सं० | नाम तथा पता |
|----------|--|
| 1. | प्रो० एमडी. मामुन बिन इब्ने रीज़, केबांगसान विश्वविद्यालय मलेशिया, मलेशिया |
| 2. | डा० बिप्लब सिकदर, सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर |
| क्रम सं० | नाम तथा पता |
| 3. | डा० सुबूरो मत्सुई, एमरिट्स प्रोफेसर क्योटो विश्वविद्यालय और अध्यक्ष जापान अपशिष्ट जल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान |
| 4. | श्री आचार्य देवव्रत, हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल |
| 5. | श्री नवजोत सिद्धु, शहरी विकास के सम्माननीय मंत्री, पंजाब |
| 6. | श्री चरनजीत सिंह चन्नी, मंत्री तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण |
| 7. | श्री एनड्यू अयरे, डिप्टी, ब्रिटिश उच्चायुक्त, चण्डीगढ़ |
| 8. | श्री सुबोध अग्रवाल, सलाहकार, पंजाब हरियाणा, हिमाचल सलाहकार परिषद, एफआईसीसीआई |
| 9. | प्रो० मनोज कुमार अरोड़ा निदेशक, प्रौद्योगिकी का पक विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ |
| 10. | डा० एचएस धालीवाल, उप-कुलपति इंटरनल विश्वविद्यालय, बडू साहब, सिरमौर |

| | |
|-----|--|
| | (एचपी) |
| 11. | श्री हृदय नाथ सिंह, मुख्य संरक्षण, उन्नत भारत अभियान, भारत सरकार |
| 12. | प्रो० राज नेहरू, उपकुलपति, हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम |
| 13. | डा० डी.पी. अग्रवाल, यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष, नई दिल्ली |
| 14. | सीएच ए.एस. मूर्ति, संयुक्त निदेशक, सीडीएसी-हैदराबाद |
| 15. | प्रो० रघुराम राव अक्किनपल्ली, निदेशक, नाईपर, मोहाली |
| 16. | प्रो० मो० अल्ताफ खान, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली |
| 17. | इंडोनेशिया एवं म्यांमार से दूतावास अधिकारी |
| 18. | श्री मो० इब्राहिम अल्मोजल, अध्यक्ष-एआई मोजल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ एंड टूरिज़्म एंड फ्रैंचाइजी कमेटी |
| 19. | डा० विमल कुमार वरुण, सदस्य सचिव, वैज्ञानिक "एफ", सी एस आई आर, नई दिल्ली |
| 20. | आईबीएम से श्री मणि मधुकर |
| 21. | श्री मुकेश आनन्द, मुख्य अभियन्ता, यू.टी. चण्डीगढ़ |
| 22. | श्री अनूप चौहान, मुख्य अभियन्ता, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, चण्डीगढ़ |

6.0 परीक्षित लेखे

महालेखाकार के कार्यालय द्वारा प्रमाणित संस्थान के वर्ष 2017-18 हेतु संपरीक्षित लेखे अनुबन्ध -IV पर संलग्न हैं।

अनुबंध - I

अनुदेशात्मक सामग्री विकास

संस्थान द्वारा वर्ष 2017-2018 के दौरान तैयार की गई अनुदेशात्मक सामग्री का विवरण निम्नलिखित की गई :

मुद्रित सामग्री

| क्रम सं० | तैयार की गई अनुदेशात्मक सामग्री | लेखक का नाम |
|----------|---|-----------------------------|
| | पाठ्यपुस्तकें | |
| 1. | भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल विकास एवं प्रौद्योगिकियां अभिषेक प्रकाशन, चण्डीगढ़ द्वारा प्रकाशित (2017-18) | ग्रामीण विकास |
| 2. | सक्रिय शिक्षण के लिए उत्पादक शिक्षण शास्त्र पर ई-पुस्तक लैप-लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन 2017. 168 पीपी. | पारुल सूद सुनील दत्त |
| 3. | “भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल एवं प्रौद्योगिकियों” पर पुस्तक | यूएन रॉय अमित गोयल |
| | प्रयोगशाला मैनुअल्स | |
| 1. | अग्रिम डेटाबेस | राकेश कुमार |
| 2. | क्लाउड कम्प्यूटिंग | माला कालड़ा |
| 3. | एडवांस पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | शिम्मी एसएल |
| 4. | पर्यावरण इंजीनियरिंग के लिए उपकरण | पूनम स्याल ज्योति पी.एम. |
| 5. | पायथन | मैत्री दत्ता |
| | मॉड्यूल्स | |
| 1. | आरसीसी संरचना के डिजाइन पर ई-लर्निंग मॉड्यूल | एसके शर्मा हिम्मी गुप्ता |
| 2. | एस आईसी डिजाइन | राजेश महेरा |
| 3. | साइनाप्सिस कस्टम डिजाइनर उपकरण | राजेश महेरा |
| 4. | अनुकूलन परिचय-II के लिए | गरिमा सैनी |
| | रीडर्स | |
| 1. | बिल्डिंग में समग्र संरचनाएं | एके दुग्गल |
| 2. | लागत एवं वित्तीय प्रबंधन का निर्माण | एके दुग्गल |
| 3. | निर्माण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन | हिम्मी गुप्ता |

| क्रम सं० | तैयार की गई अनुदेशात्मक सामग्री | लेखक का नाम |
|----------|--|-----------------------------|
| 4. | ग्रीन बिल्डिंग, स्टील स्ट्रक्चर, बिल्डिंग रखरखाव, प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली, परिमित तत्व मॉडलिंग पर पीपीटी; संरचनाओं का भूकंपीय विश्लेषण, पुलों का डिजाइन, ईटीएबीएस का उपयोग करके बिल्डिंग डिजाइन, ग्रीन बिल्डिंग, संरचनाओं का पुनर्वितरण, पर्यावरण इंजीनियरिंग | संजय शर्मा हिम्मी गुप्ता |
| | पाठ्यक्रम सामग्री | |
| 1. | अस्पष्ट तर्क एवं इसका आवेदन | शानो सोलंकी |
| 2. | केंद्रीय प्रवृत्ति का माप | शानो सोलंकी |
| 3. | यात्रा के दौरान एनबीए दिशानिर्देशों के अनुसार प्रस्तुति (पीपीटी) | सी रामाकृष्णा |
| 4. | मोबाईल एडहॉक नेटवर्क : मुद्दे एवं चुनौतियां | सी रामाकृष्णा |
| 5. | साइबर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी तकनीकें (पीपीटी) | सी रामाकृष्णा |
| 6. | प्रयोगिक किट-अरड्रिनो आधारित इनवर्टर किट | शिम्मी एसएल |
| 7. | चार्ट-2 नंबर विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला | इलेक्ट्रीकल विभाग |
| 8. | 17 (प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम सामग्री पुस्तिकाएं) | ईडीआईसी विभाग |
| 9. | इलेक्ट्रोकेमिकल ईसीएच पर एक पाठक | पीएस राओ |
| 10. | विनिर्माण प्रौद्योगिकी एमटी-1 पर व्याख्यान टिप्पणियों की एक पुस्तिका | पीएस राओ |
| 11. | विनिर्माण प्रौद्योगिकी एमटी-2 पर व्याख्यान टिप्पणियों की एक पुस्तिका | पीएस राओ |
| 12. | कम्प्यूटर एडेड डिजाइन एवं विनिर्माण सीएडी/सीएएम पर व्याख्यान टिप्पणियों की एक पुस्तिका | पीएस राओ |
| | प्रयोगों के लिए वर्कशीट्स | |
| 1. | जीएम काउंटर प्रयोग: एप्लाइड वोल्टेज के साथ गणना दर के संचालन का अध्ययन करने के लिए और इस प्रकार के ढलान के ऑपरेटिंग वोल्टेज का निर्धारण करें। गामा विकिरण की तीव्रता का अध्ययन करने के लिए जब वे विभिन्न मोटाई से गुजरते हैं और रैखिक अवशोषण गुणांक निर्धारित करते हैं। | बीसी चौधरी |

| क्रम सं० | तैयार की गई अनुदेशात्मक सामग्री | लेखक का नाम |
|----------|---|---------------|
| 2. | स्कॉटिलेशन काउंटर प्रयोग: रेडियोधर्मी स्रोतों के ऊर्जा स्पेक्ट्रा का अध्ययन: सीएस ¹³⁷ , सीओ ⁶⁰ , एनए ²² , बीए ¹³³ और इसलिए फोटोपैक्स, एक्स-रे चोटियों और कॉम्प्टन से बचने के लिए चोट लगने के लिए ऊर्जा स्पेक्ट्रम को आकर्षित करने और गामा किरणों के लिए लीड, आयरन और कॉपर के अवशोषण गुणांक निर्धारित करने के लिए | बीसी चौधरी |
| 3. | मॉड्यूलेट लेजर बीम का उपयोग कर हवा में प्रकाश की गति निर्धारित करने के लिए | बीसी चौधरी |
| 4. | यातायात इंजीनियरिंग पर एनिमेटेड क्लिप | एके दुग्गल |
| 5. | नवीनतम मीडिया का उपयोग कर निर्देशक सामग्री विकास | एके दुग्गल |
| 6. | तकनीकी शिक्षा में ई-शासन | एके दुग्गल |
| 7. | नेतृत्व और प्रबंधन विकास | एके दुग्गल |
| 8. | पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (10 नंबर) ; स्लाइड 225 नंबर | एके दुग्गल |
| 9. | आईसीटी पर पीपीटी और विकलांग व्यक्तियों को शिक्षण के लिए इसके आवेदन | मैत्री दत्ता |
| 10. | व्यवसाय वैश्लेषिकी पर विभिन्न विषयों पर पीपीटी | मैत्री दत्ता |
| 11. | अपडेट पीपीटी माध्यम उपकरण, ई-सामग्री उत्पादन उपकरण, मैटलैव प्रोग्रामिंग के विषय पर, साईलैब प्रोग्रामिंग के विषय पर | मैत्री दत्ता |
| 12. | विकलांग व्यक्तियों हेतु टेक्निकल एवं वोकेशनल प्रशिक्षण | जेएस सैनी |
| 13. | तकनीकी एवं व्यावसायिकता की मुख्यधारा में विकलांग व्यक्तियों को एकीकृत करने के लिए योजना को कार्यान्वित करने वाले पॉलीटेक्निकों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा | जेएस सैनी |
| 14. | स्वच्छ भारत अभियान | ग्रामीण विकास |
| 15. | कौशल भारत | ग्रामीण विकास |
| 16. | सीडीटीपी योजना के लिए अभिविन्यास | ग्रामीण विकास |
| 17. | उन्नत भारत अभियान | ग्रामीण विकास |
| 18. | भूकंप प्रतिरोधी कम लागत आवास | ग्रामीण विकास |
| 19. | जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन | ग्रामीण विकास |
| 20. | हिमालयी राज्यों के लिए आवास | ग्रामीण विकास |
| 21. | कौशल भारत | ग्रामीण विकास |
| 22. | ग्रीन एवं सतत बिल्डिंग के लिए अभिनव दृष्टिकोण | ग्रामीण विकास |

| क्रम सं० | तैयार की गई अनुदेशात्मक सामग्री | लेखक का नाम |
|----------|--|---------------|
| 23. | एमबीए के पूर्व-नौकरी प्रशिक्षण एकीकृत हिमालयी अध्ययन संस्थान (आईआईएचएस), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला | ग्रामीण विकास |
| 24. | सीडीटीपी योजना के तहत उपयोग प्रमाण पत्र और लेखा के विवरण तैयार करना | ग्रामीण विकास |
| 25. | सीडीटीपी योजना के एम आईएस के लिए प्रशिक्षण/ अभिविन्यास कार्यक्रम | ग्रामीण विकास |
| | अमुद्रित सामग्री वीडियो फिल्में | |
| 1. | पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पर वीडियो व्याख्यान क्षेत्र-रिकॉर्डिंग पूर्ण | हिम्मी गुप्ता |
| 2. | एनआई आरएफ-मूल्यांकन मानदंड (2 वीडियो फिल्में) | सी रामाकृष्णा |
| 3. | ईडीए उपकरण | राजेश महेरा |
| 4. | डिजाइन अनुकूलन | राजेश महेरा |
| 5. | 2 जी एयर इंटरफेस | गरिमा सैनी |
| 6. | 2 जी और 3 जी वास्तुकला | गरिमा सैनी |
| 7. | एम्बेडेड सिस्टम एवं नियंत्रक | कनिका शर्मा |
| 8. | वायलेस सेंसर नेटवर्क में एम्बेडेड | कनिका शर्मा |
| 9. | रीयल टाइम ऑपरेटिंग सिस्टम | कनिका शर्मा |
| 10. | डिजिटल सिस्टम के लिए एफपीजीए कार्यान्वयन | कनिका शर्मा |
| 11. | प्रोग्राम करने योग्य तर्क उपकरण | कनिका शर्मा |
| 12. | रैपिड प्रोटो टाइपिंग कर एक वीडियो- आरपीटी | पीएस राओ |
| 13. | आई ओटी पर वीडियो फिल्म | मैत्री दत्ता |
| 14. | सीडीटीपी योजना के लिए एमआईएस कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से तैयार और परीक्षण किया गया है। उत्तरी क्षेत्र में सभी सीडीटीपी द्वारा इसका उपयोग किया गया है। सीडीटीपी योजना के साथ-साथ केन्द्रीय और पश्चिमी क्षेत्र में डीटीई लागू करने वाले संस्थानों के लिए उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड बनाए जा रहे हैं | ग्रामीण विकास |
| 15. | “कंक्रीट निर्माण में अपशिष्टोंका उपयोग एवं आवेदन” पर वीडियो फिल्म (ओ प्लान संख्या वी-32) -शूटिंग पूर्ण | ग्रामीण विकास |
| 16. | ग्रामीण प्रणाली में इंटरलॉक ब्लॉक चिनाई में आईसीटी की भूमिका पर वीडियो फिल्म | ग्रामीण विकास |
| | सीएआई पैकेजेस | |
| 1. | कम्प्यूटर एडेड डिजाइन -सी ए डी | पीएस राओ |
| 2. | कम्प्यूटर सहायतायुक्त विनिर्माण - सी ए एम | पीएस राओ |

ए संस्थान संकाय द्वारा अनुसंधान प्रकाशन

1. पेटेंट/कॉपीराइट

| क्रम सं० | पेटेंट/कॉपीराइट के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|---|
| | अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग | |
| 1. | डा० कैलाश लखवानी और सुरेश नेहरा, आईआईटी खड़गपुर द्वारा "फजी लक्ष्य प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण," को संशोधित करने के आधार पर मल्टी-लेवल मल्टी औब्जेक्टिव रैखिक प्रैक्शनल प्रोग्रामिंग समस्याएं हल करने के लिए मैटलैब कोडिंग का कॉपीराइट। कॉपीराइट के रजिस्ट्रार ऑफिस, कॉपीराइट कार्यालय उच्च शिक्षा विभाग, एमएचआरडी, सरकार के कार्यालय में पंजीकरण के कॉपीराइट संख्या एल-69182/2017 भारत सरकार नई दिल्ली। | केसीएल सुरेश नेहरा |
| | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | |
| 2. | "ऊर्जा कुशल एवं इंटेलिजेंट क्लस्टर प्रकार ग्रिड आधारित वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए विषम प्रणाली" भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल, दिनांक 02.03.2018 संख्या भाग I पृष्ठ संख्या 7775 (पेटेंट) | राजवीर सिंह सी रामाकृष्णा |
| | इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग | |
| 3. | "अदृश्य दृश्यमान वॉटरमार्किंग का उपयोग कर डिजिटल छवियों का कॉपीराइट संरक्षण" इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ और इनोवेटिव रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 12, पीपी 107-109, दिसंबर 2017 | निर्भय कुमार सिंह गीतांजलि राजेश महेरा शालू |

II संस्थान के संकाय द्वारा प्रकाशित लेख

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|----------------------------|
| | सिविल अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं : | |
| 1. | एनएच-1 के यातायात विस्तार के साथ दुर्घटना का सहसंबंध, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 4 अंक 7, जुलाई 2017 | हेमन्त सूद नवदीप मोड |
| 2. | शहरी सड़क में सेवा अवधारणा के स्तर का आंकलन, वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसआरडी), खण्ड 5, अंक 6, 01.09.2017 | एके दुग्गल अदिति शर्मा |
| 3. | पार्किंग क्षेत्रों के तेजी से गिरावट की दिशा में विश्लेषणात्मक एवं स्पष्ट दृष्टिकोण-वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास (आईजेएसआरडी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक 4, जून, 2017 | एके दुग्गल निवेदिता शुक्ला |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|-------------------------------|
| 4. | “वार्म मिक्स एसफाल्ट” पर एक समीक्षा-वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास (आईजेएसआरडी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 6, अंक-1, 2018 | एके दुग्गल अर्पण छाबा |
| 5. | विभिन्न प्रकार के बिटुमिनस फुटपाथों पर पुराने होने का प्रभाव-वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास (आईजेएसआरडी) के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 1, अंक 6, जून 2017 | एके दुग्गल निवेदिता शुक्ला |
| 6. | भारत में राजमार्गों के ब्लैक स्पोर्ट्स स्टडी पर एक समीक्षा-विज्ञान इंजीनियरिंग ओर प्रौद्योगिकी (आईजेआईआरएसईटी) में नवीन अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 6, अंक-6, जून 2017 | एके दुग्गल नेहा बागरिया |
| 7. | चण्डीगढ़ शहर में ब्लैक स्पॉट का विश्लेषण-विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आईजेआईआरएसईटी), खण्ड 6, अंक 7, जुलाई 2017 में परिवर्तनात्मक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल | एके दुग्गल नेहा बागरिया |
| 8. | बिटुमिनस मिश्रण के गुणों के संवर्धन में फिल्टर की भूमिका-अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (आईजेआरएसईटी) में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक VIII, अगस्त, 2017 | एके दुग्गल अंकिता धीमान |
| 9 | फर्श मिश्रण में प्लास्टिक कचरे का पुनः उपयोग पर एक समीक्षा-अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (आईजेआरएसईटी) में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक VIII, अगस्त, 2017 | एके दुग्गल शिवानी ठाकुर |
| 10. | विभिन्न ग्रेड के कंक्रीट की ताकत के लक्षणों पर अल्कोफिन का प्रभाव-एक समीक्षा-इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 4, अंक, मई 2017 | हेमन्त सूद मालविका गौतम |
| 11. | सड़क दुर्घटना पर धुंध का प्रभाव पर एक समीक्षा- इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, जून 2017 | हेमन्त सूद अमनदीप सिंह |
| 12. | रबड़ संशोधित कंक्रीट-सतत बुनियादी ढांचे के लिए एक ग्रीन दृष्टिकोण-इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 4, अंक 6, जून 2017 | हेमन्त सूद मनोज चौहान |
| 13. | सममित आरसीसी फ्रेम संरचना पर क्रॉस-सेक्शनल कॉलम के प्रभाव का विश्लेषण-इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 6, अंक 6, जून 2017 | हेमन्त सूद हरमन |
| 14. | सिंथेटिक राल का उपयोग कर रबड़ संशोधित कंक्रीट की ताकत में सुधार, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 5, अंक 7, जून 2017 | हेमन्त सूद मनोज चौहान |
| 15. | परिवर्तनीय ग्रेड के कंक्रीट की फ्लेक्सरल और स्प्लिट तन्यता ताकत पर इलाज अपशिष्ट जल का प्रभाव, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 4, अंक 6, जून 2017 | हेमन्त सूद स्यान्था घोष |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|-------------------------------------|
| 16 | उच्च तापमान पर कंक्रीट की संपीड़ित, फैला हुआ लचीला और फ्लेक्सर ताकत पर ग्रेनाइट पाउडर और पॉलीप्रोपाइलीन फाइबर का प्रभाव-इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल खण्ड 4, अंक 7, जुलाई 2017 | हेमन्त सूद हरजीत सिंह |
| 17 | सिसाल फाइबर और ग्लास फाइबर प्रबलित कंक्रीट के तुलनात्मक अध्ययन -एक समीक्षाअनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल-खण्ड 5, अंक 8, अगस्त 2017 | हेमन्त सूद सौरभ सूद |
| 18 | हाइब्रिड सिसाल के मैकेनिकल प्रॉपर्टीज की प्रायोगिक जांच- ग्लास फाइबर प्रबलित कंक्रीट-अनुप्रयुक्त विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक 8, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद सौरभ सूद |
| 19 | पीपीसी का उपयोग कर हाइब्रिड फाइबर प्रबलित कंक्रीट की ताकत, गुणों की एक समीक्षा का अध्ययन, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 4, अंक 8, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद अविनाश ठाकुर |
| 20 | पीपीसी का उपयोग हाइब्रिड फाइबर सिसाल/पॉलीप्रोपाइलीन प्रबलित कंक्रीट की ताकत, गुणों का अध्ययन, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक 8, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद अविनाश ठाकुर |
| 21 | कंक्रीट में क्रब रबड़ एवं राइस हुस्क एश के जोड़ के प्रभाव पर एक समीक्षात्मक अध्ययन- इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, खण्ड 4, अंक 8, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद निखिल ब्रारी |
| 22 | ग्रेनाइट पाउडर और पॉलीप्रोपाइलीन फाइबर एन कंक्रीट के अतिरिक्त प्रभाव-एक समीक्षा-अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में शोध के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 5, अंक 8, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद हरजीत सिंह |
| 23 | स्टील तथा पॉलीप्रोपाइलीन फाइबर का उपयोग कर कंक्रीट की तन्यता ताकत में सुधार- अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, इंजीनियरिंग विज्ञान एवं कम्प्यूटिंग, खण्ड 7, अंक 11, अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद मोनिका शर्मा |
| 24. | गन्ना बैगेज एश की तुलना, फलाई एश तथा राइस हुस्क एश पर एम-25 ग्रेड कंक्रीट-इंजीनियरिंग एवं तकनीकी अनुसंधान के आंतरिक जर्नल, खण्ड II, अंक X, नवम्बर, 2017 | हेमन्त सूद प्रियकां कुमारी |
| 25. | विभिन्न कंक्रीट ग्रेड पर विधियों का उपयोग करने का प्रभाव-इंजीनियरिंग विज्ञान एवं कम्प्यूटिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड 4, अंक 12, दिसम्बर, 2017 | हेमन्त सूद राजेश शर्मा |
| 26. | कंक्रीट के प्रदर्शन पर मोटे, संयुक्त रूप में पुनर्नवीनीकरण बेकार टायर रबड़ के प्रभाव, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वाल्यूम 4 अंक 1 जनवरी-फरवरी 2018 | संजय शर्मा इमरान खान मीर ऐजाज |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|---|
| 27. | स्व-संकुचित कंक्रीट पर एक समीक्षा, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में शोध के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल; वाल्यूम 5 अंक XI नवंबर 2017 | संजय शर्मा शशांक द्विवेदी |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 28. | आरबीआई ग्रेड 81 कार्बन फुटप्रिंट आकलन जीवन चक्र दृष्टिकोण का उपयोग कर स्थाई फुटपाथ -विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भारतीय जर्नल। आईएसएसएन: 0974-6846, डीओआई:10.17485/आईजेएसटी/2017/वी10i26/115438/ जुलाई, 2017 | हेमन्त सूद प्रदीप गुप्ता गौरव गुप्ता |
| 29. | सीमेंट कंक्रीट कार्यशीलता पर अपशिष्ट जल के प्रभाव का उपचार- इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी शिक्षा के जर्नल, नाइटर, चण्डीगढ़, खण्ड 11, संख्या 1, जनवरी-जून 2017 | हेमन्त सूद कमल किशोर |
| 30. | सड़क कार्य पर प्रभाव के लिए: मौहाली जिले के एक मामले का अध्ययन-इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी शिक्षा के जर्नल- खण्ड 11, अंक 2, जुलाई-दिसम्बर, 2017 | अमनदीप सिंह नवदीप |
| | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 31. | “क्लाउड पर सुरक्षित सूचना पुर्नप्राप्ति के लिए एक कुशल दृष्टिकोण” इंटेलिजेंट एवं फजी सिस्टम के जर्नल, आईओएस प्रैस, वाल्यूम 34, क्रम 3, पीपी 1345-1353,2018(एससीआईई,थॉमसन रॉयटर्स प्रभाव फैक्टर :1.426) | रोहित हांडा सी रामाकृष्णा नवीन अग्रवाल |
| 32. | “माई स्मार्टफोन किट: इंजीनियरिंग शिक्षा में नवीनता एवं उत्पाद डिजाइन के लिए एक एकीकृत प्लेटफार्म का डिजाइन तथा विकास” इंजीनियरिंग शिक्षा में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों पर विले जर्नल, वाल्यूम 26, अंक 3, पीपी 642-654, 2018 (एससीआईई,थॉमसन रॉयटर्स प्रभाव फैक्टर :1.153) | एसआरएन रैडी जसलीन कौर सुरेश चन्द सी रामाकृष्णा |
| 33. | “क्लाउड कम्प्यूटिंग में वर्चुअल मशीन माइग्रेशन के लिए कुशल मल्टीस्टेज बैडविड्थ आवंटन तकनीक” जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम, आई ओ एस प्रेस 2018 (एससीआईई, थॉमसन रॉयटर्स आईएफ-1.426, 13 फरवरी 2018 को स्वीकृत) | ए भारद्वाज सी रामाकृष्णा |
| 34. | “वाहन विज्ञापन नेटवर्क में एमयूएमआईएमओ का उपयोग करके क्षमता में वृद्धि” एप्लाइड इंजीनियरिंग एवं रिसर्च के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वाल्यूम 12, क्रम 16, पीपी 5872-5883, 2017 (एससीओपीयूएस अनुक्रमित एवं यूजीसी स्वीकृत जर्नल -2018 (जर्नल नंबर- 64529) | खुराना एम सी रामाकृष्णा पांडे एसएन |
| 35. | “क्लाउड कम्प्यूटिंग में वर्चुअल मशीन माइग्रेशन के लिए बैडविड्थ का प्रदर्शन मूल्यांकन” नॉलेज इंजीनियरिंग और डाटा माइनिंग इंडरसाइंस, 2018 अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, (स्वीकृत);यूजीसी स्वीकृत जर्नल नं. 47797 | ए भारद्वाज सी रामाकृष्णा |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|---|
| 36. | “क्लाउड कम्प्यूटिंग में वर्चुअल मशीन माइग्रेशन के लिए दो-स्तरीय सुरक्षा फ्रेमवर्क” सूचना प्रौद्योगिकी पर जर्नल, वाल्यूम 7, संख्या 1, पीपी 34-44, फरवरी, 2018 (आईसीआई अनुक्रमित) | यशवीर यादव सी रामाकृष्णा |
| 37. | “क्लाउड एनवायरमेंट में हाइब्रिड फिल्टरिंग तकनीक का उपयोग करके डीडीओ एस एवं ई डी ओ एस की रोकथाम”, शुद्ध एवं एप्लाइड गणित के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वाल्यूम 114, संख्या 12, पीपी 383-392, 2017 (यूजीसी स्वीकृत जर्नल नं. 23425) | श्रुति वाघवा पूनम सैनी सी रामाकृष्णा |
| 38. | “एक वायरलेस सेंसर नेटवर्क में सुरक्षा वास्तुकला एवं कुंजीप्रबंधन प्रणाली पर एक सर्वेक्षण” कम्प्यूटर विज्ञान एवं नेटवर्क सुरक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल खंड 17, क्र० 4, पीपी 263-273, अप्रैल 2017 | सुनील कुमार सी रामाकृष्णा ऐ.के. सोलंकी |
| 39. | “एक वायरलेस सेंसर नेटवर्क में डाटा हानि का प्रतिरोध करने के लिए त्रुटि प्रोन ट्रांसमिशन सिस्टम” कम्प्यूटर नेटवर्क एवं सूचना सुरक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वाल्यूम-9, संख्या 11, पीपी 17-26, नवंबर 2017 | सुनील कुमार सी रामाकृष्णा ऐ.के. सोलंकी |
| 40. | “फायरवॉल सुरक्षा में नेटफिल्टर के हाइब्रिड फ्रेम का उपयोग करके मैलवेयर अटैक को मिटाने का एक दृष्टिकोण “ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर एंड प्रोसेस (आईजेओएसएसपी) का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, आईजीआई-ग्लोबल, आईएसएसएन:1 942-3926, ईआईएसएसएन:1942-3934, वॉल्यूम-9, अंक-1, पीपी 32-61, 2018 स्कोप्स इंडेक्सड | निवेदिता नाहर प्रेरणा दीवान राकेश कुमार |
| 41. | “डब्ल्यूबीएन का उपयोग करते हुए सर्वव्यापी स्वास्थ्य निगरानी: एक व्यापक समीक्षा”, वायरलेस नेटवर्क, स्प्रिंगर, प्रिंट आईएसएसएन: 1022-0038, ऑनलाइन आईएसएसएन: 1572-8196, 2018,एससीआई, स्कोप्स इंडेक्सड, आईएफ=1.6 | रूपाली राकेश कुमार |
| 42. | “न्यूट्रल ध्यान स्तर पर सरल ब्रेक आउट गेम खेलने के लिए विंडोइंग आधारित थ्रेसहोल्ड तकनीकी”, सिस्टम्स इंजीनियरिंग, इंडर साइंस सिस्टम के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, ऑन लाइन आईएसएसएन 1748-068एक्स, प्रिंट आईएसएसएन 1748-0671, वॉल्यूम-8, अंक-2, पीपी 147-173, 2017, स्कोप्स इंडेक्सड | गौतम जानगिर राकेश कुमार |
| | पाठ्यचर्या विकास केन्द्र | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 43. | “बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में टीक्यूएम के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण कारकों की पहचान”, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित, आईएसएसएन: 2321-9653, वॉल्यूम 6, मार्च, 2018 | एस के गुप्ता |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| | विद्युत् अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 44. | पृथक वेवलेट ट्रांसफॉर्म एवं निर्णय वृक्षवर्गीकरण नियंत्रण सिद्धांत एवं अनुप्रयोगों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल का उपयोग कर एसईएमजी संकेत वर्गीकरण वॉल्यूम 10, सं० 6, पीपी.511-524, 13, 2017 स्कोप्स इंडेक्स) आईएसएसएन 0974-5572 | योगेन्द्र नारायण लिनि मैथ्यू एस चटर्जी |
| 45. | लैबव्यू का उपयोग कर दो टैंक तरल स्तर प्रक्रिया के लिए पीआईडी नियंत्रक तकनीकी अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 2 सं० 2454-2024 पीपी 413-417, जुलाई 2017 | नायनमणि देका लिनि मैथ्यू |
| 46. | जेडआइजीबीईई आधारित प्रयोगशाला का उपयोग कर परिशुद्धता कृषि के लिए वास्तविक समय की निगरानी एवं नियंत्रण तकनीकी अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 2 सं० 2454-2024 पीपी 413-417, जुलाई 2017 | शिवांगी गुप्ता लिनि मैथ्यू |
| 47. | छवि प्रसंस्करण का उपयोग कर सांकेतिक भाषा पहचान कम्प्यूटर विज्ञान एवं साफ्टवेयर इंजीनियरिंग में अग्रिम अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 7 सं० 2277-128 पीपी 142-145, अगस्त 2017 | कमल प्रीत कौर लिनि मैथ्यू |
| 48. | प्रेसिजन कृषि में वास्तविक समय निगरानी के लिए डब्ल्यूएसएन का प्रयोगशाला कार्यान्वयन कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 171, सं० 4 पीपी 36-40, अगस्त 2017 | शिवांगी गुप्ता लिनि मैथ्यू |
| 49. | संकेत भाषा मान्यता के लिए हाथ इशारा तकनीक पर साहित्य सर्वेक्षण तकनीकी अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 2 सं० 2454-2024 पीपी 431-433, अगस्त 2017 | कमल प्रीत कौर लिनि मैथ्यू |
| 50. | अस्पष्ट तर्क नियंत्रक का उपयोग कर स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में गलती का समय घटाना विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में अग्रिम अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 6 सं० 10 पीपी 525-533, अक्टूबर 2017 | किट्टी त्रिपाठी लिनि मैथ्यू |
| 51. | वितरण प्रणाली में डीजी के सर्वोत्तम प्लेसमेंट के लिए विभिन्न तकनीक पर एक समीक्षा अग्रिम इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (यूजीसी स्वीकृत) वॉल्यूम 5 अंक 2, ई-आईएसएसएन-2348-4470, पी-आईएसएसएन 2348-6406, फरवरी 2018 | मो० फिरोज अंसारी पूनम स्याल लिनि मैथ्यू |
| 52. | औद्योगिक दृष्टि प्रणाली का एक सिंहावलोकन शिक्षा में अग्रिम अनुसंधान एवं अभिनव विचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 3, पीपी- 201-207, अप्रैल 2017 | अर्पणा ऋतुला ठाकुर |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 53. | लैबव्यू के आधार पर चल रहे कार्य टुकड़े सॉर्टिंग सिस्टम के डिजाइन और कार्यान्वयन शिक्षा में अग्रिम अनुसंधान एवं अभिनव विचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 3, पीपी- 284-295, अप्रैल 2017 | अर्पणा ऋतुला ठाकुर |
| 54. | जिगबी प्रौद्योगिकी और इसके औद्योगिक अनुप्रयोगों का एक सिंहावलोकन शिक्षा में अग्रिम अनुसंधान एवं अभिनव विचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 3, अंक 4, 2017 | राम नाथ ऋतुला ठाकुर |
| 55. | एआरडीयूआईएनओ नियंत्रक का उपयोग कर संकेत पहचान आधारित रोबोट आर्म का डिजाइन तथा विकास प्रबंधन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध वॉल्यूम 8, अंक 10, पीपी-111-122, 2017 | रीजवानुल्लाह सिद्दिकी ऋतुला ठाकुर |
| 56. | अक्षम व्यक्तियों के लिए पलेक्स सेंसर आधारित रोबोटिक एआरएम:एक समीक्षा इंजीनियरिंग अनुसंधान (आईजेईटीईआर), में उभरती प्रौद्योगिकियों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 5, अंक 9, सितम्बर 2017 | रीजवानुल्लाह सिद्दिकी ऋतुला ठाकुर |
| 57. | स्थायी विकास प्राप्त करने के लिए सैटेलाइट आधारित और ड्रोन आधारित रिमोट सेंसिंग तकनीक के बीच तुलना:एक समीक्षा अन्तर्राष्ट्रीय विकास के लिए कृषि एवं जलवायु के जर्नल, 111(2): 383-407, 2017 | बबनकुमार बंसोड रंगोली सिंह ऋतुला ठाकुर |
| 58. | स्मार्ट होम के लिए सौर और हाइड्रो सिस्टम का उपयोग करते हुए नैनो ग्रिड का डिजाइन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 5, अंक 5, मई 2017, आईएसएसएन (ऑनलाईन) 2321-2004 आईएसएसएन (प्रिंट) 2321-5526.डीओआई 10.17148/आईजेआईआरईईआईसीई.2017.5545 | शिवानी गोयल शिम्मी एसएल |
| 59. | विद्युत उत्पादन और व्यापार सुविधा के साथ नैनो ग्रिड आधारित स्मार्ट होम, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग में अभिनव अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 5, अंक 5, मई 2017, आईएसएसएन (ऑनलाईन) 2321-2004 आईएसएसएन (प्रिंट) 2321-5526.डीओपीआई 10.17148/आईजेआईआरईईआईसीई.2017.5545 | शिवानी गोयल शिम्मी एसएल |
| 60. | वाटर जेट स्प्रे के साथ ध्वनि संचालित इंटेलिजेंट फायर एक्सस्टिंग्यूशर वाहन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग में अभिनव अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 10, अक्टूबर 2017, आईएसएसएन (ऑनलाईन) 2321-2004 (प्रिंट) 2321-5526. डीओआई 10.17148/आईजेआईआरईईआईसीई.2017.51002 | मीना कुमारी शिम्मी एसएल |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 61. | ध्वनि संचालित इंटेलेजेंट फायर एक्सस्टिंग्यूशर वाहन विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग में अभिनव अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 10, अक्टूबर 2017, आईएसएसएन (ऑनलाईन) 2321-2004 आईएसएसएन (प्रिंट) 2321-5526. डीओआई 10.17148/आईजेआईआरईआईसीई.2017.51003 | मीना कुमारी शिम्मी एसएल |
| 62. | उपयुक्त वरीयता से विशिष्ट आवेदन करने के लिए माइक्रो नियंत्रक इकाई का एक अवलोकन तकनीकी अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 2, अंक 8, सितम्बर 2017, आईएसएसएन सं० 2454-2024 | स्नेहिल मिश्रा शिम्मी एसएल |
| 63. | औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए पीआईडी और अनुकूली समायोजित पी आई डी नियंत्रक का डिजाइन तथा कार्यान्वयन तकनीकी अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 2, अंक 9, सितम्बर 2017, आईएसएसएन सं० 2454-2024 | स्नेहिल मिश्रा शिम्मी एसएल |
| 64. | पीसीए व्याख्या का उपयोग कर अचानक कार्डियक मौत की भविष्यवाणी के लिए सही समय ईसीजी विश्लेषण इंजीनियरिंग विज्ञान आविष्कार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, (आईजेईएसआई) वॉल्यूम 7, अंक 2, पीपी. 54-66, फरवरी 2018, आईएसएसएन (ऑनलाईन) 2319-6734, आईएसएसएन (प्रिंट) 2319-6726 | भास्कर पांडे शिम्मी एसएल |
| 65. | ईएमजी संकेतों का विश्लेषण एवं तुलनात्मक वर्गीकरण रचनात्मक अनुसंधान विचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, अंक 1, पीपी. 382-388, फरवरी 2018, आईएसएसएन 2320-2882 | गोपाल तिवारी शिम्मी एसएल |
| 66. | अचानक कार्डियक डेथ जोखिम अनुमान एल्गोरिद्म; एक समीक्षा इंजीनियरिंग के आईओएसआर जर्नल (आईओएसआरजेईएन), वॉल्यूम 8, अंक 3, पीपी. 18-22, मार्च 2018, आईएसएसएन (ई) | भास्कर पांडे शिम्मी एसएल |
| 67. | आई ओटी आधारित पैरामीटर मॉनिटरिंग तीन चरण प्रेरण मोटर रचनात्मक अनुसंधान विचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 45, अंक 5, मार्च 2018 | शफाली जमवाल शिम्मी एसएल |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 68. | मानव गतिविधि निगरानी के लिए पहनने योग्य और बहुआयामी इंटरफेस के बढ़ते रुझान-एक समीक्षा बायोसेंसरों और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स, एल्सेवियर, वॉल्यूम 90, पीपी. 298-307, डीओआई 10.1016/जे.बीआईओएस.2016.12.001 (एससीआई इंडेक्स, इम्पैक्ट फैक्टर=7.78) | प्रीति कुमारी लिनि मैथ्यू पूनम स्याल |
| 69. | पंजाब, भारत के विभिन्न शहरों में दूरसंचार अनुप्रयोगों के लिए पीवी-विंड-डीज़ल-बैटरी हाइब्रिड व्यवस्था के विभिन्न संयोजनों के तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता विश्लेषण नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, एल्सेवियर वॉल्यूम 76, पीपी. 577-607, अप्रैल 2017, डीओआई 10.1016/जे.आरएसई आर.2017.03.076 (एससीआई इंडेक्स, इम्पैक्ट फैक्टर=9.122) | मो० जैनद खान अमित कु० यादव लिनि मैथ्यू |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|---|---|--|
| 70. | विभिन्न संवेदन प्लेटफार्मों बायोसेंसरों और बायोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ भारी धातु आयनों का पता लगाने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रोकेमिकल तकनीकों पर एक समीक्षा 2017, वॉल्यूम 94, पीपी. 443-455 | बवन कुमार तेजिन्द्र कुमार ऋतुला ठाकुर |
| 71. | अनाज में नमी सामग्री मापने के लिए कैपेसिटिव सेल का अंशांकन शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 13, अंक 1, पीपी. 146-149, 2017 | हरीन्द्र सिंह बवनकुमार एस बंसोड़ ऋतुला ठाकुर तेजबीर सिंह जीवन शर्मा |
| 72. | गंगा नदी स्थानिक सूचना अनुसंधान में हाइपर स्पेक्ट्रल इमेजिंग द्वारा जल गुणवत्ता मानकों का विश्लेषण https://doi.org/10.1007/s41324-018-0164-4 (स्प्रिंगर जर्नल) | बवनकुमार बंसोड़ रंगोली सिंह ऋतुला ठाकुर |
| 73. | माइक्रो -डिवाइस के तरल सेंसर के रूप में विश्लेषण और फ़ैब्रिकेशन अनुप्रयुक्त कम्प्यूटिंग के जर्नल 2(1): 1-4, 2017, ई-आईएसएसएन 2456-5059 | बंदना शर्मा शिम्मी एसएल संदीप आर्य |
| 74. | सूक्ष्म-चैनल आधारित द्रव चिपचिपापन सेंसर के डिजाइन और निर्माण आईएसएसएस जे माइक्रो स्मार्ट सिस्ट, स्प्रिंगर, जुलाई 2017, डीओआई 10.1007/एस 41683-017-0012-0 | संदीप आर्य बंदना शर्मा शिम्मी एसएल |
| 75. | टायर-2 संस्थान के लिए इंजीनियरिंग अंडर ग्रेजुएट फाइनल इयर प्रोजेक्ट्स के परिणाम आधारित आकलन स्प्रिंगर एआईएससी-आईएसएसएन सं०-2194-5357 27-28 फरवरी, 2018 | गोपाल तिवारी राम सिंह विनय चंदन शिम्मी एसएल मानीष जैन |
| इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग | | |
| अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | | |
| 76. | “फेस डिटेक्शन के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की समीक्षा” नवीनतम इंजीनियरिंग अनुसंधान और अनुप्रयोगों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएलईआरए) वॉल्यूम-02, अंक-12, दिसंबर-2017, पीपी 01-10, आईएसएसएन:2455-7137 | सुषमा मैथ्यू शिवानी वशिष्ठ शालू शर्मा राजेश महेरा |
| 77. | “चिकित्सा छवियों के लिए लापरवाह संपीडन एल्गोरिद्म पर एक सर्वेक्षण”, इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 6, पीपी 96-102, दिसंबर 2017 आईएसएसएन संख्या 2348-2273 | विवेक कुमार डी श्रीरामूलू राजेश महेरा शालू |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 78. | “पाम प्रिंट पहचान और प्रमाणीकरण बायोमेट्रिक अनुप्रयोग के लिए हफ ट्रांसफॉर्म का उपयोग करना” अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (आईजेआरएएसईटी) में अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 5 अंक XII दिसंबर 2017, आईएसएसएन: 2312-9653 | रणजीत सिंह चौ० जागृति कुमारी राजेश महेरा शालू |
| 79. | “वेवलेट ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके छवि संपीड़न और डीनोआइजिंग” आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (आईजेएमईसीई) का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम संख्या-6, नवंबर 2017 आईएसएसएन 2321-2152 | भूपिन्द्र सिंह पारुल शर्मा राजेश महेरा शालू शर्मा |
| 80. | “सुरंग एफईटी की समीक्षा”, यूजीसी ने अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को मंजूरी दे दी, वॉल्यूम 4, अंक 3, पीपी 1195-1199, जुलाई 2017 | प्रभात तामक राजेश महेरा |
| 81. | “कम बिजली आवेदन के लिए डबल गेट हीटरोजंक्शन टीएफईटी का डिजाइन”, यूजीसी ने वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल को मंजूरी दी, खंड 5, अंक 06, पीपी 40-44, अगस्त 2017 | प्रभात तामक राजेश महेरा |
| 82. | “स्पीड एंड एरिया कुशल कॉन्फिगर करने योग्य विटरिबी डीकोडर हाइब्रिड दृष्टिकोण का उपयोग”, वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल”, वॉल्यूम 5, अंक 02, पीपी 1575-1577, अप्रैल 2017 | दिनेश कुमार राजेश महेरा |
| 83. | “सीएनटीएफईटी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर एक पावर श्रिमट ट्रिगर लैच डिजाइन”, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और एप्लाइड साइंस में एडवांसमेंट के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 4, अंक 10, पीपी.62-67, अक्टूबर 2017 | राज कुमारी राजेश महेरा |
| 84. | “अनुकूलित कैपेसिटर इंटीग्रेटर का अनुकूलित डिजाइन”, इंजीनियरिंग अनुसंधान और अनुप्रयोगों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 8, अंक 1 भाग-3, पीपी 85-90, जनवरी 2018 | प्रगतिशील राजेश महेरा |
| 85. | उच्च डेटा दर संचार प्रणाली के लिए डार्लिंगटन जोड़ी एम्पलीफायर अनुप्रयोगों में सुधार करने के लिए तकनीक”, अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईसीईटी), वॉल्यूम 8, अंक 5, पीपी 7-17, अक्टूबर 2017 | रश्मि सिंह राजेश महेरा |
| 86. | “बेहतर लाभ और परिवर्तन की दर के साथ एक डार्लिंगटन एम्पलीफायर डिजाइन करें”, इलेक्ट्रॉनिक्स ओर संचार प्रौद्योगिकी (आईजेईसीटी), के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका वॉल्यूम 8, अंक 4, पीपी. 13-16, अक्टूबर 2017 | रश्मि सिंह राजेश महेरा |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|-----------------------------|
| 87. | “कम रिसाव और पीडीपी अनुकूलित फिनफेट आधारित एसटी एस आरएएम डिजाइन”, यूजीसी ने कम्प्यूटिंग और संचार (आईजेआरटीसीसी) में हालिया और अभिनव रूझानों पर अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में स्वीकृत किया। वॉल्यूम 5, संख्या 7, पीपी 116-120, जुलाई 2017 | आयुशी गगनैजा राजेश महेरा |
| 88. | पेरोव्स्काइट सौर सेल पर आधारित फोटोवोल्टिक टेक्नोलॉजी में हालिया उधार-एक समीक्षा”, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल यूजीसी अनुमोदित, वॉल्यूम 4, अंक 7, पीपी. 1284-1296, जुलाई 2017 | नवनीत कौर राजेश महेरा |
| 89. | “न्यूमेरिकल सिमुलेशन के माध्यम से लीड और टिन आधारित पेरोव्स्काइट सामग्री का उपयोग कर सौर सेल उपकरणों के तुलनात्मक अध्ययन”, यूजीसी ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल को मंजूरी दी, वॉल्यूम 5, अंक 5, पीपी 1289-1292, जुलाई 2017 | नवनीत कौर राजेश महेरा |
| 90. | “हाइब्रिड लॉजिक का उपयोग कर ऊर्जा कुशल सीएनटीएफईटी आधारित पूर्ण योजक”, यूजीसी स्वीकृत जर्नल, कम्प्यूटिंग एवं कम्प्युनिकेशन (आईजेआरटीसीसी) में हालिया और अभिनव रूझानों पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, संख्या 7, पीपी 98-103, जुलाई 2017 | प्रिया कौशल राजेश महेरा |
| 91. | “होम्योनियस वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए अपेक्षाकृत अधिकतम क्षमता के आधार पर ऊर्जा कुशल क्लस्टरिंग विज्ञान इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में इनोवेटिव शोध के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 8, पीपी 16530-16536, अगस्त 2017 | नेहा शर्मा कनिका शर्मा |
| 92. | “वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए केंद्रीयता और बीएफओ का उपयोग कर ऊर्जा कुशल ग्रिड आधारित रूटिंग एल्गोरिद्म”, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आईजेआईआरएसईटी) में अभिनव अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 8, पीपी 16579-16586, अगस्त 2017 | प्रिया राणा कनिका शर्मा |
| 93.. | “बड़े पैमाने पर वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए ऊर्जा कुशल मल्टी हॉप क्रॉस लेयर डिजाइन”, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आईजेएलटीईटी) में नवीनतम रूझान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 8, अंक 4-1, पीपी 81-87, अगस्त 2017 | भारती गोयल कनिका शर्मा |
| 94. | “डब्ल्यू एसएन के लिए एक ऊर्जा कुशल पुननिर्माण एल्गोरिद्म के साथ एक संपीडित डेटा एकत्रण योजना का डिजाइन”, यूजीसी स्वीकृत इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी (आईजेएलटीईटी) में नवीनतम रूझानों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 8, अंक (4-1)5, पीपी 097-103, 2017 | अमन जिंदल कनिका शर्मा |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|--------------------------------|
| 95. | “वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए के-मीन्स क्लस्टरिंग एल्गोरिदम पर आधारित बेहतर एलईएसीएच प्रोटोकॉल”, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईजेईसीटी) के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 8, संख्या 4, पीपी 28-32, अक्टूबर-दिसम्बर 2017 | प्रतीक्षा साहब कनिका शर्मा |
| 96. | “वायरलेस एम आई एम ओ एडवांस टीडीडी एलटीई अनुप्रयोगों के लिए एक कॉम्पैक्ट डुअल एलिमेंट पी आई एफएरे”, इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, प्रबंधन एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में उन्नति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 09, पीपी 85-93, सितम्बर 2017, आईएसएसएन:2349-3224, यूजीसीजर्नल नंबर 63082 | मुनीष कु० सोनी गरिमा सैनी |
| 97. | “यूडब्लूबी अनुप्रयोग के लिए रिकॉन्फिगर करने योग्य नॉच बैंड एंटीना का डिजाइन पी-आई-एन डायोड का उपयोग करना”, कम्प्यूटर विज्ञान में उभरते रूझान और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, अंक 05, पीपी 245-252, सितम्बर 2017, आईएसएसएन:2278-6856, यूजीसी जर्नल:48939 | प्रवीन कुमार गरिमा सैनी |
| 98. | “सर्कुलर एस आर आर लोडिंग के कारण मानव प्रेत पर एस ए आर का मूल्यांकन”, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में उन्नत शोध के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 09, पीपी 1384-1390, सितम्बर 2017, आईएसएसएन:2319-8354, यूजीसी जर्नल संख्या | गरिमा सैनी एसएस पट्टनायक |
| 99. | “बॉडी-सेंट्रिक वायरलेस कम्प्युनिकेशन (बीडब्ल्यूसी) के लिए पहनने योग्य/बॉडी वर्न एंटेना की एक समीक्षा”, इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, प्रबंधन एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में उन्नति के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 10, पीपी 31-44, अक्टूबर 2017, आईएसएसएन: 2349-3224, यूजीसी जर्नल संख्या: 63082 | अजीत ठाकुर गरिमा सैनी |
| 100. | “स्मार्ट वॉच अनुप्रयोगों के लिए मुद्रित उलटा एफ-एंटीना का डिजाइन अवधारणा”, इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 5, पीपी 62-65, अक्टूबर 2017, आईएसएसएन:2348-2273, यूजीसी जर्नल संख्या: 44927 | अजीत ठाकुर गरिमा सैनी |
| 101. | “बैंडविड्थ की गणना और लाभ या एएनएन का उपयोग कर प्लानर इनवर्टेड एफ-एंटीना के प्रदर्शन में सुधार”, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी में उन्नत अनुसंधान प्रवृत्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 11, पीपी 1-7, नवंबर 2017, आईएसएसएन:2394-3785 | मेनिका सिंघल गरिमा सैनी |
| 102. | “वायरलेस एलटीई पोर्टेबल डिवाइस के लिए एक कॉम्पैक्ट डुअल एलिमेंट पीआईएफए एरे”, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक XI, पीपी 1795-1801, नवंबर 2017, आईएसएसएन:2321-9653, यूजीसी जर्नल संख्या: 44382 | मनीष कु० सोनी गरिमा सैनी |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 103. | “वाइडबैंड अनुप्रयोगों के लिए सिंगल स्विच का उपयोग कर रिकॉन्फिगर करने योग्य माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में उभरती तकनीकों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 10, पीपी 6-9, अक्टूबर 2017, आईएसएसएन:2454-6410, यूजीसी जर्नल संख्या: 44955, थामसन रॉयटर्स रिसर्च आईडी-एच-8878-2016 | नमन ठाकुर गरिमा सैनी |
| 104. | “3-डी मुद्रित एंटीना: एक समीक्षा” इंजीनियरिंग विज्ञान एवं कम्प्यूटिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 8, अंक संख्या 3, पीपी 16582-16586, मार्च 2018, आईएसएसएन:2321-3361, | अर्शदीप कौर गरिमा सैनी |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 105. | “पेरोक्साइट आधारित फोटोवोल्टाइक कोशिकाओं की प्रगति और अनुप्रयोगों में गहरी अन्तर्दृष्टि” एल्सेवियर एससीआई ऊर्जा रसायन विज्ञान जर्नल में प्रकाशित, आईएसएसएन संख्या 2095-4956 | चांदनी राजेश महेरा |
| 106. | “मिश्रित हैलाइड और कॉपर ऑक्साइड का उपयोग करके पेराक्साइट सौर सेल का कुशल डिजाइन”, एससीआई चिन भौतिकी में प्रकाशित किया गया बी वॉल्यूम 27, संख्या 1, पीपी 018801-1-018801-7 | नवनीत कौर राजेश महेरा चांदनी |
| 107. | “ऑडियो अनुप्रयोगों के लिए कैननिक हस्ताक्षरित डिजिट का उद्योग करते हुए पुनः कॉन्फिगर करने योग्य कम पास एफआईआर फिल्टर डिजाइन” भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भारतीय जर्नल, वॉल्यूम 10 (16), अप्रैल 2017, आईएसएसएन (मुद्रित): 0974-6846 | पृथ्वि एम नय्यर राजेश महेरा चांदनी |
| 108. | शोर हटाने के लिए वेवलेट कर्वलेट टेक्निक्स का तुलनात्मक विश्लेषण”, जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एवं इनोवेटिव शोध, वॉल्यूम 4, अंक 11, पीपी 615-618, नवंबर 2017, आईएसएसएन संख्या 2349-5162 | अमित कु0 राणा कुमुद राजेश महेरा शालू |
| 109. | “उच्च लाभ एम्पलीफायर डिजाइन फॉर स्विच-कैपेसिटर सर्किट एप्लीकेशन”, आईओएसआर जर्नल ऑफ वीएलएसआई और सिग्नल प्रोसेसिंग, वॉल्यूम 7, अंक 5, पीपी.62-69 अक्टूबर 2017 | प्रगतिशील राजेश महेरा |
| 110. | “एलटीई-हाय अनुप्रयोगों के लिए एस आर आर सरणी एम्बेडेड पीआईएफए का डिजाइन”, इंजीनियरिंग और एप्लाइड साइंसेज के जर्नल, 12(22), पीपी 6033-6038, 2017, आईएसएसएन: 1816-949एक्स स्कॉप्स, यूजीसी जर्नल नंबर: 7336 | गरिमा सैनी एसएस पट्टनायक |
| | उद्यमवृत्ति विकास एवं औद्योगिक समन्वय विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 111. | “भारतीय बैंकों द्वारा कर्मचारियों के परिप्रेक्ष्य से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्टिंग” व्यवसाय प्रबंधन में अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, संख्या 11, नवंबर 2017 पीपी 43-64 | पुनीत कौर जसमेर सिंह सैनी |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| | शिक्षा एवं शैक्षिक प्रबंधन | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 112. | छात्र की उपलब्धि और गंभीर सोच पर वेब क्वेस्ट आधारित निर्देश का प्रभाव: एक समीक्षा बहुआयामी शैक्षिक अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 7(1), 2017, 145-155 पीपी | ऋचा बसंत सुनील दत्त |
| 113. | इंजीनियरिंग कॉलेजों में लिंग और शैक्षिक उपलब्धि इंजीनियरिंग के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, अनुसंधान एवं ए एम पी, प्रौद्योगिकी वॉल्यूम 6, अंक 6, 2017, 1027-29 पी | के कृष्णाकुमार सुनील दत्त |
| 114. | इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स में अकादमिक प्रदर्शन पर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा का पूर्वानुमानित मूल्य हालिया इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 2, अंक 6, 2017, 38-43 पीके | कृष्णाकुमार सुनील दत्त |
| 115. | सहयोगपूर्ण सीखने का प्रभाव और उपयोग: एक समीक्षा अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक ई-जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 3, 2017 102-113 पी | सुरचि सुनील दत्त |
| 116. | समस्या आधारित शिक्षा के माध्यम से जैविक विज्ञान के प्रति माध्यमिक वर्ग के छात्रों का दृष्टिकोण उजागर हुआ, बहुआयामी अनुसंधान एवं विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 6, 2017, 427-432 पी | प्रीति ठाकुर सुनील दत्त |
| 117. | जीवविज्ञान में शिक्षा आधारित समस्या : 9वीं कक्षा के छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा पर इसका प्रभाव बहुआयामी शिक्षा और एएमपी, अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 2, अंक 2, 2017, 99-104 पी | प्रीति ठाकुर सुनील दत्त |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 118. | एचडीएफसीएस के साथ हडूप के मैप्रेडूस का उपयोग करके बड़े डाटा की अवधारणा का विश्लेषण, नेटवर्क संचार तथा उभरती तकनीकों के जर्नल, वॉल्यूम 7, अंक 12, दिसम्बर 17 | अमनदीप कौर गुरपिन्द्र सिंह तन्वी शर्मा |
| | शिक्षा दूरदर्शन केन्द्र | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 119. | “क्लाउड कम्प्यूटिंग में मेटा हेरिस्टिक्स दृष्टिकोण पर आधारित कार्य शेड्यूलिंग की समीक्षा” ज्ञान सूचना और प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (एससीआई इंडेक्स्ड जर्नल) वॉल्यूम 36, संख्या 3, 2017 स्प्रिंगर प्रकाशन | पूनम सिंह मैत्री दत्ता नवीन अग्रवाल |
| 120. | “नेट्रोर में प्रकाशित मिर्गी पहचान के लिए ईईजी आधारित कम्प्यूटर-एडेड निदान प्रणाली के विकास की व्यापक समीक्षा”: तंत्रिका प्रणालियों में गणना (एससीआई इंडेक्स्ड पत्रिका, टेलर और फ्रांसिस), वॉल्यूम 28, अंक 1, 2017 | जागृति सैनी मैत्री दत्ता |
| 121. | “मोशन ब्लर के सेपस्ट्रम डोमेन का उपयोग कर छवि बहाली की जीए आधारित ब्लिंड डेकनावॉन्यूशन तकनीक”, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के भारतीय जर्नल (एससीओपीयूएस इंडेक्स), वॉल्यूम 10 (16), अप्रैल, 2017 | रामटेक ममता मैत्री दत्ता |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|------------------------------------|--|---|
| 122. | “कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और जीए के साथ एमएसई अनुकूलन का उपयोग करते हुए मिर्गी रोग का पता लगाना”, विज्ञान इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी (आईजेआईआरएसईटी) परिवर्तनात्मक अनुसंधान की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम 6, अंक 7, जुलाई 2017 | जागृति सैनी मैत्री दत्ता |
| 123. | “विपरीत वृद्धि तकनीकें: एक संक्षिप्त तथा लघु समीक्षा”, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी (आईआरजेईटी) के अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, वॉल्यूम 4, अंक 7, पीपी | निखिल वर्मा मैत्री दत्ता |
| 124. | “भूतल ईएमजी पैटर्न मान्यता पर आधारित मायोलेट्रिक प्रोस्थेथेटिक हैंड पर नियंत्रण पर एक अध्ययन”, विज्ञान और इंजीनियरिंग में उन्नत अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम 06, अंक 07, जुलाई 2017 | सूरज मैत्री दत्ता |
| 125. | “ईईजी सिग्नल के वर्गीकरण के लिए सुविधा निष्कर्षण विधियों की साहित्य समीक्षा”, विज्ञान और इंजीनियरिंग में उन्नत अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 06, अंक 07, जुलाई 2017 | प्रिंस सैनी मैत्री दत्ता |
| राष्ट्रीय पत्रिकाएं | | |
| 126. | आईपीवी 4 और आईपीवी 6 नेटवर्क के लिए सिंगल-पैकेट हार्डब्रिड आईपी ट्रेसबैक का कार्यान्वयन”,आईईटी सूचना सुरक्षा (एससीआई अनुक्रमित जर्नल),2017 डी ओ आई: क्यू0.1049/आईईटी-आईएफएस 20150483 | कमलदीप मनीषा मलिक मैत्री दत्ता |
| 127. | “मोशन बलर के सेपस्ट्रम डोमेन का उपयोग कर छवि बहाली के पीएसओ आधारित अंधेरे विकृतिकरण तकनीक”, स्प्रिंगर व्याख्यान नोट्स कम्प्यूटेशनल विज्ञान, कम्प्यूटेशनल विज्ञान एवं बायोइन्सपायर्ड कम्प्यूटिंग पर पुस्तक, वॉल्यूम 28, अध्याय 84, आईएसबीएन:978-3-319717661 | जी.रामटेक ममता मैत्री दत्ता |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | | |
| अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं | | |
| 128. | “हेस्टेलॉय सी-276 के मिलिंग के दौरान उपकरण पहनने, चिप निर्माण और सतह अखंडता पर विभिन्न प्रक्रिया मानकों के प्रभाव का विश्लेषण इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक 7, जुलाई 2017, (आईआरजेईटी), पीपी 2631-2634 | तरुण बत्तरा पीएस राओ |
| 129. | “6161 और 7045 के यांत्रिक व्यवहार पर विभिन्न प्रकार के सुदृढीकरण कण के प्रभाव पर समीक्षा अल मिश्र धातु मैट्रिक्स समग्र”, इंजीनियरिंग रिसर्च मे इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेईटीईआर) वॉल्यूम 5, अंक 8, अगस्त 2017, पीपी 100-109 | निशांत वर्मा पीएस राओ एससी विटीवल |
| 130. | मशीनिंग प्रक्रिया के दौरान टूल-वर्कपीस इंटरफेस पर तापमान वितरण की मॉडलिंग की समीक्षा; विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में अभिनव अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल: वॉल्यूम 6, अंक 8, अगस्त 2017, डीओआई : 10.15680/आईजेआईआरएसईटी.2016.0608105 | अरुण कुमार एस एस धामी |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 131. | “बी 4 सी और आरएचए के यांत्रिक व्यवहार पर किसी प्रयोगात्मक जांच की विशेषता ने हलचल कास्टिंग का उपयोग करके अल मिश्र धातु 7075 हाइब्रिड समग्र को मजबूत किया”, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय शोध जर्नल (आईआरजेईटी) वॉल्यूम/अंक 8(3), सितंबर 2017, पीपी 179-186 | निशांत वर्मा पीएस राओ एससी विटीवल |
| 132. | कठोरता के लिए एम आईजी वेलडिंग प्रक्रिया मानकों को अनुकूलित करने के लिए आरएसएम का आवेदन”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेईटीईआर) वॉल्यूम 5, अंक 9, सितंबर 2017, पीपी 31-36 | सहिल अंगारिया पीएस राओ एसएस धामी |
| 133. | सादे कार्बाइड उपकरण का उपयोग करके ईएन-45 स्टील को बदलने में मशीनिंग पैरामीटर का अनुकूलन, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 3, अंक 6, सितंबर 2017 | संतोष कुमार बीएस पाबला जितेंद्र मदान |
| 134. | 6-डीओएफ औद्योगिक रोबोट के परिमित तत्व विश्लेषण और मल्टीबॉडी गतिशीलता; यांत्रिक एवं उत्पादन इंजीनियरिंग अनुसंधान तथा विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 7, अंक 5, अक्टूबर 2017, पीपी 1-12 | राहुल अरोड़ा एसएस धामी |
| 135. | रिवर्स इंजीनियरिंग के लिए 3डी स्कैनिंग-तकनीकी प्रगति, प्रक्रिया अवलोकन, सटीकता निरीक्षण, चुनौतियां और उपचार; इंजीनियरिंग अनुसंधान में इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वॉल्यूम 5, अंक 10, अक्टूबर 2017, पीपी 33-40 | मुदित बंसल एसएस धामी |
| 136. | इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ईंधन इंजेक्शन सोलोनॉइड वाल्व का मॉडलिंग और नियंत्रण; इंजीनियरिंग और अनुसंधान में हालिया नवाचार के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल; ई-आईएसएसएन:2456-2084, अक्टूबर 2017, पीपी 39-45 | अनमोलदीप सिंह सिद्धु एसएस धामी |
| 137. | “ट्रैक्टर की 65 एचपी ट्रांसमिशन सिस्टम का प्रदर्शन मूल्यांकन”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 10, अक्टूबर 2017, पीपी 154-162 | अनीश लौंगीया एसएस बनवैत |
| 138. | “65 एचपी ट्रैक्टर के धुरी ट्यूब और ब्रेक हाउसिंग का विश्लेषण”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 11, नवंबर 2017, पीपी 11-17 | विकास एसएस बनवैत |
| 139. | “65 एचपी ट्रैक्टर के क्लच हाउसिंग और गियर बॉक्स का विश्लेषण”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 11, नवंबर 2017, पीपी 36-40 | पंकज एसएस बनवैत |
| 140. | “65 एचपी ट्रैक्टर के पिछले अंतर आवास का विश्लेषण”, इंजीनियरिंग अनुसंधान में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 11, नवंबर 2017, पीपी 41-45 | गोपाल शर्मा एसएस बनवैत |
| 141. | बंद ड्राई फोर्जिंग में कार्यक्षेत्र की विकृति का एक पैरामेट्रिक विश्लेषण”, यांत्रिक और उत्पादन इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 7, अंक 6, दिसंबर 2017, पीपी 147-154 | जसलीन कौर एसएस धामी बीएस पाबला |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 142. | एक पिक और प्लेस ऑपरेशन के लिए रोबोट स्थिति अनुकूलन; इंजीनियरिंग अनुसंधान में इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक 12, दिसंबर 2017, पीपी 63-70 | वरिन्द्र सिंह एसएस धामी |
| 143. | टंगस्टन कार्बाइड उपकरण का उपयोग कर मिलिंग के दौरान सीजीआई का अनुकूलन; इंजीनियरिंग अनुसंधान में इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल; वॉल्यूम 5, अंक 12, दिसंबर 2017, पीपी 55-62 | सुभाष पोखरीयाल केसी रॉय एसएस धामी |
| 144. | शुष्क परिस्थितियों में हैस्टेलॉय सी-276 के सीएनसी मिलिंग के दौरान प्रायोगिक जांच "अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 5, अंक IX , 2017, 1753-1759 | तरुण बत्तारा पीएस राओ |
| 145. | क्रायोजेनिक इलाज कार्बाइड उपकरण के तुलनात्मक विश्लेषण: एक समीक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका; वॉल्यूम 5, अंक 02, 2017, पीपी 2195-2197 | समीम पीएस राओ |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 146. | डब्ल्यूसी-सह समग्र सामग्री की अल्ट्रासोनिक मशीनिंग: सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके प्रायोगिक जांच और अनुकूलन, मैकेनिकल इंजीनियरों के संस्थान की कार्यवाही, वॉल्यूम 231, अंक 5, अप्रैल 2017 | आर कटारिया जे कुमार बी एस पाबला |
| 147. | टीआई-35 एनबी-7 टीए-5- टाइटेनियम मिश्र धातु, सामग्री और विनिर्माण प्रक्रियाओं के पाउडर मिश्रित विद्युत निर्वहन मशीनिंग में प्रायोगिक जांच 32:3, 274-285, डीओआई: 10.1080/10426914.2016.1198018,2017 | चन्द्र प्रकाश एच के कंसल बी एस पाबला संजीव पुरी |
| 148. | फिक्स्ड-एक्सिस गियरबॉक्स की हालत निगरानी के लिए ध्वनि सेंसर प्लेसमेंट का अनुकूलन; कॉर्गेट इंजीनियरिंग; जून 2017, https://doi.org/10.1080/23311916.2017.1345673 | वनराज एस एस धामी बीएस पाबला |
| 149. | अनुकूली शोर के साथ पूर्ण समवेत अनुभवजन्य मोड अपघटन का उपयोग कर गियर फॉल्ट निदान आधारित मल्टी सेंसर डेटा संलयन: विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के भारतीय जर्नल, वॉल्यूम 10, अंक24, जून 2017, डीओआई 10.17485/आईजेएसटी/2017/वी10आई 24/115296 | वनराज एस एस धामी बीएस पाबला |
| 150. | सीईईएम डीएन के आधार पर फिक्स्ड-एक्सिस गियरबॉक्स का गैर-संपर्क पारंभिक दोष निदान विधि; रॉयल सोसाइटी ओपनसाइंसजुलाई;2017 https://dx.doi.org/10.1098/rsos.170616 | वनराज एस एस धामी बीएस पाबला |
| 151. | गियर खाली के बंद ड्राई फोर्जिंग के पैरामैट्रिक विश्लेषण और अनुकूलन; विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के भारतीय जर्नल वॉल्यूम 10, अंक26,जुलाई2017, डीओआई : 10.17485/आईजेएसटी/2017/वी10आई 26/115760 | जे.कौर एस एस धामी बीएस पाबला |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|--|---|
| 152. | फिक्स्ड एक्सिस गियरबॉक्स के दोष निदान के लिए हालत निगरानी पैरामीटर्स : एक समीक्षा; इंजीनियरिंग मे कम्प्यूटेशनल तरीके ; जुलाई 2017, वाल्यूम 24, अंक 3, पीपी 543-556 | डी गोयल एस एस धामी बीएस पाबला |
| 153. | फिक्स्ड-एक्सिस गियरबॉक्स के दोष निदान के लिए हाइब्रिड डेटा फ़्यूज़न दृष्टिकोण; संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी; अगस्त 2017; डीओआई : 10.1177/1475921717727700 | वनराज एस एस धामी बीएस पाबला |
| 154. | जर्नल बियरिंग्स के स्टैटिक थर्मल व्यवहार पर नैनोपार्टिकल्स आधारित लुब्रिकेंट्स का प्रभाव: एक समीक्षा; इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी अनुसंधान पत्रिका ; वॉल्यूम 8(2) अगस्त 2017, पीपी 149-153 | राजीव कु० डांग दीपम गोयल एस एस धामी अमित चौहान |
| 155. | माइक्रोवेव धातुओं में शामिल होना: एक समीक्षा, अनुसंधान जे इंजीनियरिंग और टेक , 2017;8(3):282-290 सितंबर 2017 | एस सलोट बी एस पाबला एस सहगल एच कुमार |
| 156. | टिंग वेल्डिंग प्रक्रिया पैरामीटर का प्रभाव 5XXX और 6 XXX श्रृंखला एल्यूमिनियम मिश्र धातु का तन्यता व्यवहार: एक समीक्षा, जे इंजीनियरिंग और तकनीक अनुसंधान 2018; 9 (1): 01-08, जनवरी 2018 | अभि बंसल बी एस पाबला एस सी विटीवल |
| 157. | सिंटड एटोमॉटड आयरन-जिंक स्टियरेट कंपोजिट के विशेषीकरण, भौतिक और मैकेनिकल व्यवहार, भारतीय धातु संस्थान के लेन देन, वॉल्यूम 71, अंक 1, पीपी 41-55, जनवरी 2018 | आर कुमार बी एस पाबला एस सी विटीवल जे. मदन एस कुमार |
| 158. | दोष पहचान के लिए बियरिंग्स और गियर्स की हालत आधारित रख-रखाव एक समीक्षा; आज सामग्री; वॉल्यूम 5, अंक 2, भाग 1, मार्च 2018, पीपी 6128-6137 | संजय कुमार दीपम गोयल राजीव के.डांग एसएस धामी बीएस पाबला |
| | माध्यम केन्द्र | |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 159. | भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए गुणवत्ता शिक्षा” प्रकाशित पत्रिका, योजना पत्रिका, जून 2017 प्रकाशन | राकेश वत्स मीनू वत्स |
| 160. | प्रकाशित पेपर कर्मचारी जुड़ाव: शिक्षकों के बीच ड्राइवर्स का एक अध्ययन | राकेश वत्स कामाक्षी मलिक |

| क्रम सं० | प्रकाशित लेखों के नाम | लेखक का नाम |
|----------|---|---|
| | ग्रामीण विकास विभाग | |
| | राष्ट्रीय पत्रिकाएं | |
| 161. | कंक्रीट ताकत के सुधार के लिए “रबड़ और इस्पात उद्योग अपशिष्ट का उपयोग” पर प्रकाशित पेपर, ई-आईएसएसएन 2250-2459, वॉल्यूम 7, विशेष अंक 2, दिसंबर, 2017, पीपी 318-322 | दिनेश कुमार अमित गोयल सुनीता कोटवाल |
| 162. | भूकंप लोडिंग के तहत चिनाई भवनों के लिए “कम लागत निष्क्रिय ऊर्जा अपव्यय प्रणाली” पर प्रकाशित पेपर, ई-आईएसएसएन 2250-245 9, वॉल्यूम 7, विशेष अंक 2, दिसंबर, 2017, पीपी 323-329 | अमित गोयल पंकज अग्रवाल |

अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख : 125
राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख : 37

III. महत्वपूर्ण सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में प्रस्तुत/स्वीकृत लेख:

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| | अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 1. | “तापमान मापन के लिए स्थिति स्थानान्तरित किए गए फाइबर बैग गेटिंग का प्रायोगिक और सैद्धांतिक जांच, शक्ति, नियंत्रण, संकेत और उपकरण इंजीनियरिंग (आईईईई-आईसीपीसीआईएसआई) पर आई ईईई- अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, चेन्नई, सितंबर 2017 | दीपा श्रीवास्तव भार्गव दास उमेश तिवारी बीसी चौधरी |
| | सिविल अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 2. | मैस्टिक एस्फाल्ट में सीमेंट और फ्लाई ऐश द्वारा लाइम का आंशिक प्रतिस्थापन-28 नवंबर से 1 दिसंबर, 2017 तक जर्मनी के फ्रीबर्ग, विश्वविद्यालय में कला और विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएस) शैक्षिक सम्मेलन | अजय कु. दुगल |
| 3. | मैस्टिक एस्फाल्ट में सीमेंट और फ्लाई ऐश द्वारा लाइम का आंशिक प्रतिस्थापन-28 नवंबर से 1 दिसंबर, 2017 तक जर्मनी के फ्रीबर्ग, विश्वविद्यालय में कला और विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएस) शैक्षिक सम्मेलन | हेमन्त सूद |
| 4. | भारत में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए पांड एश स्टेबलाईज्ड का जीवन चक्र विश्लेषण-आईआईटी मद्रास द्वारा आयोजित वायु गुणता प्रबंधन पर दूसरा भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। स्प्रिंगर प्रक्रिया के साथ पुस्तक अध्याय प्रकाशन आईआईटी, दिल्ली, 01-02 जून, 2017 | हेमन्त सूद प्रदीप गुप्ता गौरव गुप्ता |
| 5. | गैर-रैखिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए तालाब एश स्थिरीकृत उप-ग्रेड का महत्वपूर्ण फुटपाथ प्रतिक्रिया विश्लेषण-राजमार्ग फुटपाथ 7 एयरफील्ड प्रौद्योगिकी पर एएससीई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। एएससीई द्वारा प्रकाशित कार्यवाही: एयरफील्ड और राजमार्ग फुटपाथ 2017: सीमित एवं असीम फुटपाथ सामग्री का परीक्षण और विशेषता। पीपी 382395 डीओआई 10.1061/978078448.939.033, फिलाडेल्फिया, यूएसए 27-30 अगस्त, 2017 | हेमन्त सूद प्रदीप गुप्ता गौरव गुप्ता |
| 6. | तालाब एश-ईट के प्रदर्शन का मूल्यांकन भट्ठी धूल स्थिरता सिल्टी मिट्टी मिश्रण का निष्पादन मूल्यांकन कला एवं विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के सम्मेलन, फ्रीबर्ग जर्मनी 28 नवंबर - 01 दिसंबर, 2017 | हेमन्त सूद प्रदीप गुप्ता गौरव गुप्ता |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 7. | कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क: सतत आधारभूत संरचना विकास के लिए एक उपकरण, 23-24 फरवरी, 2018 नाइटर चण्डीगढ़ में स्वच्छ तकनीक एवं सतत विकास पर एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 फरवरी, 2018 | हिम्मी गुप्ता |
| 8. | नेट शून्य ऊर्जा भवनों के लिए पाथवे (72-78), स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फरवरी 23-24, 2018 | संजय शर्मा प्रियकां बलकार सिंह |
| 9. | बीम कॉलम जोड़ों पर एचपीडीएसपी कंक्रीट का गतिविधि (112-121), स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन फरवरी 23-24, 2018 | संजय शर्मा सुशील कुमार हरिकृष्ण शर्मा |
| 10. | ग्रामीण हिमाचल में प्रयुक्त विभिन्न निर्माण तकनीकों से संबंधित मुद्दे (122-125) स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा रोबिन शर्मा |
| 11. | राजस्थान (126-133) के दक्षिण पश्चिमी भाग में पारंपरिक और आधुनिक निर्माण प्रथाओं की पुष्टि करने वाले सतत ग्रामीण सदनों, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा मानसिंह राठौर विमलप्रीत |
| 12. | राजस्थान (134-141) के उत्तरी भाग में पारंपरिक तथा आधुनिक निर्माण प्रथाओं की पुष्टि करने वाले सतत ग्रामीण सदनों, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा प्रतीक शर्मा विमलप्रीत |
| 13. | अम्बर फोर्ट की पैथोलॉजी: पूर्व-परीक्षण सर्वेक्षण, निगरानी तथा दरारों के मूल कारण कापता लगाना(150-156)स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा कौशल चौधरी |
| 14. | स्थायी विरासत भवन (157-163) से इमारती लकड़ी का आंकलन करने वाले सदस्यों की संरचनात्मक ताकत, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा स्वपना सरिता प्रधान रंजनायादव |
| 15. | पेक, नाइटर एवं सीसीईटी चण्डीगढ़ (190-198) में अपशिष्ट जल पुनर्नवीनीकरण क्षमता के अध्ययन के माध्यम से अपशिष्ट जल पुनर्नवीनीकरण ढांचे का विकास, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा चारुल शर्मा |
| 16. | विश्लेषण तथा डिजाइन नेट जीरो एनर्जी बिल्डिंग विकास (323-331) स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | शाह इफात हुसैन अयूना याकूब जय प्रकाश संजय शर्मा |
| 17. | एफआरपी सामग्री का उपयोग करके बीम कॉलम जोड़ों को मजबूत करने पर एक समीक्षा (190-198) स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा आकांक्षा सिंह बिक्रम ठाकुर |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|------------------------------|--|--|
| 18. | सुरक्षित परीक्षण और आरसीसी भवन की मरम्मत (524-527) का उपयोग कर हालत मूल्यांकन, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा आशीष कपूर अमन कुमार |
| 19. | सतत जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे वर्षा जल संचयन- एक समीक्षा (389-393) स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा अभिषेक सिंह राणा उमा मलिक |
| 20. | कंक्रीट गुणों पर लौह स्लैग के विभिन्न प्रभाव-एक समीक्षा (524-527) स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं स्थायी विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-24 फरवरी, 2018 | संजय शर्मा जसकरण सिंह जसवीर सिंह रतन |
| 21. | लकड़ी संरचनाओं के संरचनात्मक स्थिति आंकलन के लिए उपलब्ध गैर विनाशकारी तथा अर्ध विनाशकारी परीक्षण विधियों पर समीक्षा, इमारतों की संरचनाओं एवं संरचनाओं (एसीएमएस-2018 में प्रगति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | संजय शर्मा स्पना सरिता प्रधान रंजना यादव |
| 22. | उच्च शक्ति कंक्रीट की स्थायित्व गुणों पर औद्योगिक अपशिष्ट स्लैग तथ अल्कोफिन के प्रभाव पर प्रायोगिक जांच, सिविल, कृषि, जैविक एवं पर्यावरण विज्ञान (सीएबीईएस-2017) पर 12वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | संजय शर्मा |
| राष्ट्रीय संगोष्ठियां | | |
| 23. | भारत में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए ईट भट्ठी धूल स्थिर जीवन फुटपाथ स्थिरता के जीवन चक्र लागत विश्लेषण, स्कोपस इंडेक्स सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शहरीकरण चुनौतियों पर एएससीई भारतीय सम्मेलन। (प्रक्रिया के तहत कार्यवाही का प्रकाशन), आईआईटी दिल्ली, 12-14 दिसंबर, 2017 | हेमन्त सूद प्रदीप गुप्ता गौरव गुप्ता |
| 24. | “नई पीढ़ी के कंक्रीट” पर राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न ग्रेडों के कंक्रीट की सामर्थ्य विशेषताओं पर अल्कोफिन का प्रभाव दिनांक 19.04.2017 | हेमन्त सूद मालविका गौतम |
| 25. | भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत जीवनशैली के लिए हाइड्रोलॉजिकल तथा हाइड्रोलिक -सिमुलेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, 20-21 नवंबर, 2017 | संजय शर्मा ऐशा शर्मा |
| 26. | चण्डीगढ़ शहर में तूफान जल प्रबंधन की आवश्यकता तथा गुंजाइश, अन्तर्राष्ट्रीय कला अकादमी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, 7 नवंबर, 2017 | संजय शर्मा ऐशा शर्मा |
| 27. | खनिजमिश्रण के साथ जिओपॉलिमर कंक्रीट के यांत्रिक एवं स्थायित्व गुणों की बढ़ाना, कम्प्यूटर एवं कंक्रीट, वाल्यूम 21, संख्या 3 (2018) 000-000, डीओआई; http://doi.org/10.12989/cac.2018.21.3.000 | संजय शर्मा भारत भूषण जिंदल धीरेन्दा सिंगल प्रवीन |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| | कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 28. | 29-30 मार्च, 2018 से नाइटर चण्डीगढ़ में संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित “अनुशासककर्ता प्रणाली सर्वेक्षण:प्रकृति प्रेरित अल्गोरिद्म को क्लस्टरिंग”शीर्षक वाला पेपर | सूरज पाल सिंह शानो सोलंकी |
| 29. | “क्लाउड कम्प्यूटिंग के लिए प्री-कॉपी वर्चुअल मशीन माइग्रेशन तकनीक को प्रभावित करने वाले कारकों का प्रभाव” नैनो टेक्नोलॉजी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन : विचार, नवाचार एवं पहल, आईआईटी रुड़की, 6-8 दिसंबर, 2017 | ए भारद्वाज सी रामाकृष्णा |
| 30. | “प्री-कॉपी वर्चुअल मशीन माइग्रेशन तकनीक के प्रदर्शन में सुधार” स्प्रिंगर एलएनएनएस शृंखला-संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग (आईसीसीसीएन), नाइटर चण्डीगढ़. 29-30 मार्च, 2018 पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | ए भारद्वाज सी रामाकृष्णा |
| 31. | “गोपनीय संरक्षित मल्टी कीवर्ड रैंकिंग खेज एन्क्रिप्टेड क्लाउड डाटा पर संदर्भित समानार्थी शब्द”, संचार, नेटवर्क एवं कम्प्यूटिंग (सीएनसी 2018), आई टी एम विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भारत 22-24 मार्च, 2018 पर स्प्रिंगर प्रायोजित-अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1 (यू जी सी स्वीकृत जर्नल नं. 16246) | अनु खुराना सी रामाकृष्णा नवदीप कौर |
| 32. | “समानांतर सूचकांक का उपयोग करके एन्क्रिप्टेड क्लाउड डाटा पर खोज के लिए बेहतर रैंकिंग”, स्प्रिंगर ए आई एस सी शृंखला-उन्नत कम्प्यूटिंग नेट-वर्किंग एवं सूचना विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनआई 2018) 22-24 फरवरी 2018, एमईडी आर-सीएपीएस विश्वविद्यालय, इंदौर (यूजीसी स्वीकृत जर्नल नं. 49365 | अनु खुराना सी रामाकृष्णा नवदीप कौर |
| 33. | “एन्क्रिप्टेड क्लाउड डेटा पर गोपनीयता संरक्षित रैंक मल्टी कीवर्ड संदर्भ संवेदनशील फ़ी खोज”, स्प्रिंगर सीसीआईएस सीरीज़-नेटवर्क और संचार टेक्नोलॉजीज (एफ टी एन सी टी-2018) में भविष्यवादी रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेपी विश्वविद्यालय सोलन, 9-10 फरवरी 2018 (यूजीसी स्वीकृत जर्नल नं. 16246 | अनु खुराना सी रामाकृष्णा नवदीप कौर |
| 34. | “समय सीमा के तहत क्लाउड कम्प्यूटिंग में वैज्ञानिक वर्कफ्लो शेड्यूलिंग के लिए क्रिटिकल पाथ-आधारित चींटी कॉलोनी ऑप्टिमाइज़ेशन”, कम्प्यूटर संचार एवं कम्प्यूटेशनल साइंसेज (आरएसीसीसीएस-2017) में हालिया प्रगति पर स्प्रिंगर एआईएससी शृंखला-अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंजीनियरिंग एवं आर्थिभट्ट कॉलेज के अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, भारत, सितंबर 2-3, 2017 | ए लाल सी रामाकृष्णा |
| 5. | “वायरलेस सेंसर नेटवर्क में डेटा इंटीग्रिटी और गोपनीयता के मुद्दों को हल करने के लिए एक तकनीक, “क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा साइंस एवं इंजीनियरिंग (कंप्लुएंस-2018) पर आईईईई प्रायोजित 8वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी. 184-189, 11-12 जनवरी, 2018 | सुनील कुमार सी रामाकृष्णा ऐ.के. सोलंकी |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 36. | “एक वायरलेस सेंसर नेटवर्क में चक्रवात जटिलता और जोखिमका विश्लेषण करने के लिए एक तकनीक, “सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपी आईएन-2018), फरवरी 2018 परआईईईई प्रायोजित 5वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | सुनील कुमार सी रामाकृष्णा ऐ.के. सोलंकी |
| 37. | “स्मार्ट वर्ल्ड एप्लीकेशन के लिए दो-टियर कलस्टर आर्किटेक्चर का ऊर्जा विश्लेषण,” 5वां आईईईई क्षेत्र 10 (एशिया प्रशांत) मानवतावादी प्रौद्योगिकी सम्मेलन (आर 10 एचटीसी-2017),21-23 दिसंबर, 2017, ढाका, बांग्ला देश | सी रामाकृष्णा रेणु विग |
| 38. | “मशीन लर्निंग टैक्निक्स द्वारा उन्नत मैलवेयर का पता लगाना,”स्प्रिंगर प्रायोजित सॉफ्ट कम्प्यूटिंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन: सिद्धांत और अनुप्रयोग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, 22-24 दिसंबर 2017 | एस शर्मा सी रामाकृष्णा एस के शाहे |
| 39. | “डेड लाइन प्रतिबंध के तहत वैज्ञानिक वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग एल्गोरिदम की पद्धतियों पर एक समीक्षा, “आईईईई प्रायोजित-ऊर्जा, संचार, डेटा विश्लेषिकी और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीडीएस-2017),एसकेआर इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, भारत 1-2 अगस्त, 2017 | सी रामाकृष्णा |
| 40. | “मोबाइल स्मार्टफोन का उपयोग करके आक्रामक ड्राइविंग व्यवहार का पता लगाना, “स्प्रिंगर एलएनएनएस सीरीज़-संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 29-30, 2018, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़, भारत | रमा छाबड़ा एस वर्मा सी रामाकृष्णा |
| 41. | “रास्पबेरी पी आई का उपयोग करके शिक्षा के लिए शेड्यूलिंग नीतियों का वास्तविक समय कार्यान्वयन: एक समीक्षा, स्प्रिंगर एलएनएनएस श्रृंखला-संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 29-30, 2018, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़, भारत | पयाल कबोज सी रामाकृष्णा एसआरएन रैडी |
| 42. | “रास्पबेरी पी आई का उपयोग करके शेड्यूलिंग नीतियों का वास्तविक समय कार्यान्वयन, “आईईईई प्रायोजित-क्लाउड कम्प्यूटिंग, डाटा साइंस एंड इंजीनियरिंग (कंप्लुएस-2018) पर 8 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 11-12 जनवरी, 2018, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, नोएडा, भारत | पयाल कबोज सी रामाकृष्णा एसआरएन रैडी |
| 43. | “क्लाउड पर्यावरण के लिए संशोधित नीदरम श्रोएडर एवं ओटवे रीज़ प्रोटोकॉल का उपयोग करके कुशल कुंजी वितरण और म्यूचुअल प्रमाणीकरण तंत्र”, स्प्रिंगर एसएनएनएस सीरीज़-संचार,कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 29-30, 2018, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़, भारत | ऐ के वशिष्ठ सी रामाकृष्णा |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|---|
| 44. | “डब्लूबीएसएन (ईडीपीवीटी) के लिए ऊर्जा-कुशल विलंब-जागरूक प्रीम्पटिव वैरिएबल-लम्बाई टाइम स्लॉट आवंटन योजना, “स्प्रिंगर एलएनएनएस सीरीज़- संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 29-30, 2018, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़, भारत | तमन्ना पूरी सी रामाकृष्णा नवनीत कौर सहगल |
| 45. | “प्रकृति प्रेरित एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए आईपी ट्रेसबैक समस्या को संबोधित करने के लिए एक हाइब्रिड दृष्टिकोण, “संज्ञानात्मक सूचना विज्ञान और सॉफ्ट कम्प्यूटिंग (सीआईएससी-2017 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन वीबीआईटी, हैदराबाद, भारत, 21-22 दिसंबर 2017 | अमृता सैनी सी रामाकृष्णा सचिन कुमार |
| 46. | “दूरसंचार और नेटवर्क (टीईएल-नेट2017) पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन”,डब्लूएसएनके लिए एक ऊर्जा कुशलहाइब्रिड ऑप्टिमाइज्ड रूटिंग प्रोटोकॉल,आईएसबीएन:978-1-5090-6711-4, ईआईएसबीएन:978-1-5090-6710-7, पीपी 1-6, 10-11 अगस्त, 2017 एमिटी यूनिवर्सिटी में नोएडा, यूपी, भारत | रेणु कुमारी राकेश कुमार |
| 47. | “बेस्ट-मैक में सुधार करने के लिए एक दृष्टिकोण: बिट मानचित्र सहायक कुशल स्केलेबल टीडीएमए-आधारित मैक प्रोटोकॉल इष्टतम क्लस्टर हेड चयन का उपयोग करते हुए, दूरसंचार और नेटवर्क पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (टीईएल-नेट 2017), आईएसबीएन: 97815090-6711-4, ईआई एसबीएन: 978-1-50906710-7, पीपी1-5,10-11 अगस्त, 2017 एमिटी यूनिवर्सिटी में नोएडा, यूपी, भारत | मंजू गंगवार राकेश कुमार |
| 48. | “सुधारित पृष्ठभूमि घटाव एल्गोरिदम का उपयोग करके मोशन में ऑब्जेक्ट का पता लगाना”, 11-12 मई 2017 को तमिलनाडु, भारत, पीपी 651-656 पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना विज्ञान (आईसीईआई 2017) में रुझान पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | प्रेरणा दीवान राकेश कुमार |
| 49. | “नेटफिल्टर के एक हाइब्रिड फ्रेम का उपयोग कर एक बेहतर लिनक्स फायरवॉल”, 11-12 मई 2017 को तमिलनाडु, भारत, पीपी 657-662 पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना विज्ञान (आईसीईआई 2017) में रुझान पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | निवेदिता राकेश कुमार |
| 50. | “क्लाउड एनवायरमेंट में वर्कफ्लो शेडयूलिंग के लिए इंटेलिजेंट वॉटर ड्रॉप्स एल्गोरिदम का उपयोग”,आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटिंग कम्प्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज़ (आईसीसीसीएनटी),आईआईटी दिल्ली,आईएसबीएन:978-1-5090-3038-5, 3-5 जुलाई 2017 | माला कालड़ा सरबजीत सिंह |
| 51. | “बादल पर्यावरण में शेडयूलिंग वर्कफ्लोज के लिए समूह प्रौद्योगिकी मॉडल के साथ एक बेहतर सद्भावना खोज एल्गोरिदम”, इलेक्ट्रिकल, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स (यूपीसीओएन),पर चौथा आईईईईअन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-आईएसबीएन:978-1-5386-3004-4 जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, 26-28 अक्टूबर 2017 | निधि चौधरी माला कालड़ा |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 52. | “हाइब्रिड इंस्टेंस का उपयोग कर समय सीमा-सीमित वर्कफ्लो का मजबूत निर्धारण”, अगलीपीढ़ी टेक्नोलॉजीज़ (एनईएक्सटीसीओएम-2017) के लिए कम्प्यूटेशनल रणनीतियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंजीनियरिंग प्रबंधन और प्रौद्योगिकी संस्थान, जलंधर, स्प्रिंगर, सीसीआईएस श्रृंखला (आईएसएसएन संख्या 1865-0929), 25-26 नवंबर 2017 | उर्वशी नाग माला कालड़ा |
| 53. | “जैव-प्रेरित थ्रेसहोल्ड आधारित वीएम माइग्रेसन फॉर ग्रीन क्लाउड”, डेटा तथा सूचना विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीआईएस), स्प्रिंगर, आईजीएनटीयू, कर्नाटक, पीपी 203-211, नवंबर 17-18, 2017 | राकेश किरण माला कालड़ा |
| 54. | “ग्रीन क्लाउड में ऊर्जा क्षमता में वृद्धि के लिए वीएम समेकन दृष्टिकोण के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग”, डेटा और सूचना विज्ञान (आईसीडीआईएस), स्प्रिंगर, आईजीएनटीयू, कर्नाटक, पीपी 276-285, पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन नवंबर 17-18, 2017 | अंजुम मो० असलम माला कालड़ा |
| 55. | “क्लाउड में एनर्जी कुशल नौकरी शेड्यूलिंग के लिए एक हाइब्रिड दृष्टिकोण”, संचार, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन नाइटर, चण्डीगढ़ 29-30 मार्च 2017 | सुनील कुमार माला कालड़ा |
| | पाठ्यचर्या विकास केन्द्र विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 56. | रिसर्च एवं डेवलपमेंट एसोसिएशन वाणिज्य एवं उद्योग, जयपुर के राजस्थान चैम्बर द्वारा आयोजित बैंगलोर में 24-25 फरवरी, 2018 को सामाजिक विज्ञान और व्यापार प्रबंधन में अतः विषय अनुसंधान और प्रथाओं पर 22वे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ‘प्रबंधन मुद्दे और किशोरावस्था की चिंता’ शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुत | पीके सिंगला |
| 57. | नाइटर चण्डीगढ़ में 23-24 फरवरी, 2018 से क्लीन टेक्नोलॉजी और सतत विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत और प्रकाशित, सतत निर्माण के लिए भवन निर्माण उद्योग में टीक्यूएम के कार्यान्वयन नामक शीर्षक का लेख | एसके गुप्ता |
| 58. | भारत में भवन निर्माण उद्योग में टीक्यूएम के कार्यान्वयन में बाधाओं की पहचान पर प्रस्तुति के लिए पेपर स्वीकार किया गया -04-06 जुलाई, 2018 लंदन में आयोजित इंजीनियरिंग पर 26वां विश्व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में | एसके गुप्ता |
| | विद्युत् अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 59. | चीजों के इंटरनेट पर आधारित स्मार्ट मीटरिंग का कार्यान्वयन, संचार प्रणालियों पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएस-2017), आईओपी सम्मेलन, श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 331 (2018)012015, डीओआई : 10.1088/1757-899X/331/1/012015 | मिलनप्रीत कौर लिनी मैथ्यू अलोकदीप अजय कुमार |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 60. | प्रेरण मोटर के लिए टूटे रोटार बार फॉल्ट डायग्नोसिस का विश्लेषण, नियंत्रण संचार और सूचना प्रणाली (आईसी आईसीसीआई-2017), दिल्ली-एनसीआर, ग्रेटर नोएडा, भारत, अगस्त 2017 में नवाचारों पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (स्कोप्स इंडेक्सड) | अमनदीप शर्मा लिनी मैथ्यू एस चटर्जी |
| 61. | श्री-फेज इंडक्शन मोटर्स में एमसीएसए का उपयोग करते हुए प्रारंभिक स्टेटर फॉल्ट की जांच के लिए एक उपन्यास पार्क का वेक्टर दृष्टिकोण, नियंत्रण संचार और सूचना प्रणाली (आईसीआईसीसीआई-2017), दिल्ली-एनसीआर, ग्रेटर नोएडा, भारत, अगस्त 2017 में नवाचारों पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (स्कोप्स इंडेक्सड) | अमनदीप शर्मा लिनी मैथ्यू एस चटर्जी |
| 62. | इंडक्शन मोटर में वायु-अंतराल विलक्षणता के निदान के लिए विभिन्न सूचकांक एक समीक्षा संचार प्रणालियों (आईसीसीएस-2017) पिलानी, भारत, अक्टूबर, 2017 पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईओपी सम्मेलन, श्रंखला में सम्मेलन कार्यवाही भी प्रकाशित: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 331, संख्या 1, आईओपी प्रकाशन (यूके), 2018 (स्कोप्स इंडेक्सड) | निखिल अमनदीप शर्मा लिनी मैथ्यू |
| 63. | ओपीएल-आर टी-ओ पी 4510 सिम्युलेटर पर आईईईई-5 बस नेटवर्क का रीयल-टाइम-सिमुलेशन, बीकेबीआईईईटी पिलानी, भारत, अक्टूबर 2017 में आयोजित तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएस-2017) की कार्यवाही, आईओपी सम्मेलन में प्रकाशित श्रंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग पर भी सम्मेलन कार्यवाही, वॉल्यूम 331, सं० 1, आईओपी प्रकाशन (यूके), 2018 (स्कोप्स इंडेक्सड) | अंजलि अतुल लिनी मैथ्यू |
| 64. | लर्निंग वर्गीकरण दृष्टिकोण और डीडब्ल्यूटी, 2018 आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीज, कोयंबटूर, भारत मार्च, 2018 के लिए वर्तमान रुझानों पर एसईएमजी संकेत वर्गीकरण | नित्यानंद ठाकुर लिनी मैथ्यू योगेन्द्र नारायण |
| 65. | विभिन्न यंत्र शिक्षा दृष्टिकोण, संकेत यंत्र और स्वचालन (सिगमा 2018), पर पहला अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उपयोग करते हुए उपन्यास फीचर निष्कर्षण के साथ एसईएमजी संकेत वर्गीकरण, दिल्ली, भारत, फरवरी 2018 | लिनी मैथ्यू योगेन्द्र नारायण |
| 66. | ओपेल-आरटी-ओपी 4510 पर मल्टी-मशीन-9-बस प्रणाली का लोड फ्लो विश्लेषण ओर रीयल-टाइम सिमुलेशन, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटर, संचार मैकेनिकल और कम्प्यूटिंग (ईईसीसीएमसी), आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तमिलनाडु, भारत, जनवरी, 2018 | अंजलि अतुल लिनी मैथ्यू |
| 67. | 9 से 11 अक्टूबर, 2017 तक स्पेन के बर्सिलोना में एससी ओपीयूएस और ईकोम्पेंडेक्स द्वारा अनुक्रमित मेडिकल सूचना एवं जैव इंजीनियरिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ऑफलाइन परिस्थिति में एक इलेक्ट्रो कुलोग्राम संकेत आधारित नियंत्रण प्रणाली: | बबीता पूनम स्याल प्रीति कुमारी |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 68. | ईओजी आधारित मानव कम्प्यूटर इंटरफेस के लिए केएनएन, एसवीएम, डीटी के तुलनात्मक विश्लेषण, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, मैसूर, कर्नाटक में मौजूदा रुझानों पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 8 और 9 सितंबर, 2017 को आयोजित हुआ या किया गया | बबीता पूनम स्याल प्रीति कुमार |
| 69. | एसएसवीईपी आधारित मस्तिष्क कम्प्यूटर इंटरफेस का उपयोग करके एसवीएम, डीटी के तुलनात्मक विश्लेषण घर संचालन नियंत्रण प्रणाली कार्यान्वयन, 23 और 24 नवंबर 2017 को कोयंबटूर, तमिलनाडु में, खोज, कम्प्यूटिंग और सूचना विज्ञान पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | प्रतीक विरदी पूनम स्याल प्रीति कुमार |
| 70. | वोल्टेज को नियंत्रित करने के लिए ग्रिड कनेक्टेड सौर फोटोवोल्टिक व्यवस्था के लिए फजी स्टाइडिंग मोड कंट्रोलर का कार्यान्वयन, 14 से 16 दिसंबर, 2017 को आयोजित कोयंबटूर में कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटिंग रिसर्च पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | मो० अमीन पूनम स्याल शोएब हुसैन |
| 71. | वोल्टेज को नियंत्रित करने के लिए एक उपयोगिता ग्रिड से जुड़े सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली के लिए नियंत्रण योजनाओं के तुलनात्मक अध्ययन जयपुर, भारत में इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में हालिया नवाचार और रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23 और 24 दिसंबर, 2017 का आयोजित किया गया | मो० अमीन पूनम स्याल शोएब हुसैन |
| 72. | इंटेलिजेंट रूम लाइट इल्यूमिनेंस कंट्रोल का सिमुलेशन, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एवं कम्प्यूटिंग रिसर्च पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तमिलनाडू के कोयंबटूर में आयोजित, 14 से 16 दिसंबर, 2017 | दीपक मक्कड पूनम स्याल |
| 73. | कम तनाव स्तंभ के लिए जिगबी और जीएसएम आधारित दोष पहचान प्रणाली, इंटेलिजेंट संचार, नियंत्रण और उपकरणों (आईसीआईसीडी 2017) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन के विश्व विद्यालय, देहरादून, 15-16 अप्रैल, 2017 | रामनाथ ऋतुला ठाकुर |
| 74. | नैनो पी एच सेंसर के डिजाइन और विकास अरड्यूनो के साथ इंटरफेसिंग, इंजीनियरिंग में उन्नत रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीएटीई2017) दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नवी मुंबई, 7-8 अप्रैल, 2017 | शिवम वाजपेयी ऋतुला ठाकुर बबन कुमार |
| 75. | पवन ऊर्जा परिदृश्य, नीतियां और ऊर्जा रूपांतरण टोपोलॉजीज: एक अवलोकन, इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंस एवं मैनेजमेंट में अनुसंधान रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीआरटीईएसएम 2017), पुणे, 28 मई, 2017 | वेद प्रकाश ऋतुला ठाकुर उमेश राठौर |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| 76. | पवन ऊर्जा रूपांतरण प्रणाली में डबली-फेड प्रेरण जेनरेटर का मॉडलिंग, सिमुलेशन और विश्लेषण, इंजीनियरिंग, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं प्रबंधन में अनुसंधान रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीआरटीईएसएम 2017), पुणे, 28 मई, 2017 | वेद प्रकाश ऋतुला ठाकुर उमेश राठौर |
| 77. | प्रिसिपल कंपोनेंट विश्लेषण का उपयोग करते हुए ईएमजी सिग्नल के लिए समर्थन वेक्टर मशीन आधारित वर्गीकरण सुधार, कम्प्यूटिंग, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी (आईसीसीआईटी 2017) पर 7वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, चेन्नई, भारत 19 अगस्त, 2017 को आयोजित किया गया | विवेक एहलावत ऋतुला ठाकुर योगेन्द्र नारायण |
| 78. | नियंत्रण, संचार और सूचना प्रणाली (आईसीआईसीसीआई - 2017) ग्रेटर नोएडा, भारत 12 और 13 अगस्त 2017 को नवाचारों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आईईईई सम्मेलन, बक बूस्ट पावर कनवर्टर का उपयोग करते हुए डीसी शंट मोटर के लिए स्मूथ स्टार्टर | रोहित कुमार अनुराग चौधरी शिम्मी एसएल |
| 79. | क्लाउड आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम के साथ रूम ऑटोमेशन का कार्यान्वयन, आईईईई इनवेंटिव सिस्टम्स एंड कंट्रोल (आईसीआईएससी-2018), कोयंबटूर, भारत पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19-20 जनवरी 2018(स्कोप्स इंडेक्स) | शिम्मी एसएल मनजीत सिंह |
| 80. | डब्ल्यूएजीओ पीएलसी का उपयोग कर स्मार्ट क्लासरूम का कार्यान्वयन, आईईई इनवेंटिव सिस्टम्स एवं नियंत्रण (आईसीआईएससी) पर दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कोयंबटूर, भारत 19-20 जनवरी 2018 (स्कोप्स इंडेक्स) | विभूति शिम्मी एसएल |
| 81. | स्विचेस की संख्या कम करने के साथ बहुस्तरीय इन्वर्टर के लिए उपन्यास टोपोलॉजी का मॉडलिंग और विश्लेषण, इंजीनियरिंग और विज्ञान में हाल के रुझानों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आंध्र प्रदेश 20 और 21 फरवरी, 2018 (स्कोप्स इंडेक्स) | रोहित कुमार शिवेन्द्र कौर शिम्मी एसएल |
| 82. | फिनिट एलिमेंट विधि का उपयोग कर शॉर्ट सर्किट हालत के तहत ट्रांसफार्मर के विभिन्न मानकों का प्रदर्शन विश्लेषण-इंजीनियरिंग और विज्ञान, आंध्र प्रदेश 20 और 21 फरवरी, 2018 में हालिया रुझानों पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (स्कोप्स इंडेक्स) | दिवी सक्सेना शिम्मी एसएल सरप्रीत कौर |
| 83. | इंटेलिजेंस विधियों के आधार पर आइलैडिंग डिटेक्शन तकनीक पर एक समीक्षा, इंजीनियरिंग और विज्ञान, आंध्र प्रदेश 20 और 21 फरवरी, 2018 में हालिया रुझानों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (स्कोप्स इंडेक्स) | अनुराधा शिम्मी एसएल |
| 84. | मैटलैब/सिमुलिक ईवी बैटरी लोड के साथ परिवर्तनीय विकिरण में एमपीपीटी के आधार पर पीवी सिस्टम का सिमुलेशन, 2017 कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कम्प्यूटिंग रिसर्च पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तमिलनाडु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर 641659, तमिलनाडु 14-16 दिसंबर 2017 (स्कोप्स इंडेक्स) | अर्श दीप सिंह शिम्मी एसएल |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|---|---|--|
| 85. | बिडरेक्शनल डीसी से डीसी कनवर्टर: विभिन्न टॉपोलॉजीज स्विचिंग योजनाओं और नियंत्रण तकनीकों का एक सिंहावलोकन, इंजीनियरिंग और विज्ञान में हाल के रुझानों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन विशाखपत्तनम, भारत 21 फरवरी 2018 | आर दीपक शिम्मी एसएल |
| 86. | बिजली बाजार में हाइब्रिड सिस्टम के लिए बिल्डिंग और जनरेशन रणनीति, इंजीनियरिंग अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं प्रबंधन चण्डीगढ़ 2018 (आईजेईटीएसआर), 11 मार्च 2018 आईएसएसएन -2394-3386 (स्वीकृत) में अनुसंधान रुझान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | अरुण कुमार शिम्मी एसएल वाईपी वर्मा |
| इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग | | |
| अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | | |
| 87. | “90 एनएम प्रौद्योगिकी पर डार्लिंगटन जोड़ी एम्पलीफायर का विश्लेषण”, इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स ओर ऑप्टिमाइजेशन तकनीकों (आईसीईईओटी) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी 3637-3641, 2016 | रश्मि सिंह राजेश मेहरा |
| 88. | “22 नैनोमीटर प्रौद्योगिकी में एनर्जी कुशल फिनफेट आधारित एस आर एएम डिजाइन”, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग (आईसीईईसीई) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी20-26चण्डीगढ़, जुलाई 2017 | आयुशि गगनैजा राजेश मेहरा |
| 89. | “एक उपन्यास सीएनटीएफईटी आधारित पावर एंड विलंब ऑप्टिमाइज्ड हाइब्रिड फुल एडर”, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग (आईसीईईसीई) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, चण्डीगढ़, पीपी 13-19, जुलाई 2017 | प्रिया कौशल राजेश मेहरा |
| 90. | “डब्लूएसएन में रूटिंग एवं क्लस्टरिंग ऑप्टिमाइजेशन टेक्निक्स”, एक समीक्षा, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज़ पर आईईईईई 8वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जुलाई 2017, आईएसबीएन-978-1-5090-3037-8 | नेहा शर्मा कनिका शर्मा |
| 91. | “वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए क्लस्टरिंग प्रोटोकॉल में हालिया प्रगति”, कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज़ पर आईईईईई 8वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जुलाई 2017, आईएसबीएन-978-1-5090-3037-8 | प्रिया राणा कनिका शर्मा |
| 92. | आईईईईई मद्रास सत्र, एस आर के इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा “ऊर्जा सेंसर नेटवर्क पर क्लस्टरिंग एल्गोरिद्म आधारित एक अधिकतम समीक्षा अनुमान - एक समीक्षा”, ऊर्जा संचार, डेटा विश्लेषण तथा साफ्ट् कम्प्यूटिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संख्या 2, पीपी 452-457, अगस्त 2017 | उदय के आर कनिका शर्मा |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|--|
| 93. | “वायरलेस सेंसर नेटवर्क पर अधिकतम आजीविका अनुमान के आधार पर ऊर्जा कुशल क्लस्टरिंग एल्गोरिदम”, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर आईईटीई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रिकल और कम्प्यूटेशनल सिस्टम के अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 6, संख्या 9, पीपी 679-685, सितम्बर 2017 | उदय के आर कनिका शर्मा |
| 94. | “विभिन्न क्लस्टरिंग योजनाओं पर समीक्षा पत्र”, कम्प्यूटिंग, संचार, नियंत्रण, ऊर्जा तथा सामग्री (आईसीएसटीएम) के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी एवं प्रबंधन पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी 44-48, अक्टूबर 2017 | प्रतीक्षा गुप्ता कनिका शर्मा |
| 95. | “वाइड बैंड अनुप्रयोगों के लिए ऑप्टिकल रिकॉनफिगर करने योग्य माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना: एक समीक्षा”, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रबंधन, आईईटीई, पीपी 442-449, जुलाई 2017, आईएसबीएन 978-93-86171-54-2 में उभरते रुझानों पर चौथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | नमन ठाकुर गरिमा सैनी |
| 96. | डाउनलिक एमसी-सीडीएमए सिस्टम के लिए कम कॉम्प्लेक्सिटी एमएमएसई चैनल अनुमानक आविष्कारक प्रणाली एवं नियंत्रण पर आईईई द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पी पी 706-709, 2018 | नितिन कु० सुयान गरिमा सैनी |
| | उद्यमवृत्ति विकास एवं औद्योगिक समन्वय | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 97. | कनाडा में टोरंटो विश्व विद्यालय में शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26-29 जून 2017 में “तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण क्षेत्र में ब्लू ओशन स्ट्रैटेजी” पर एक लेख प्रस्तुत किया | एसके धमीजा |
| 98. | 12-13 अगस्त, 2017 से राजस्थान तकनीकी विश्व विद्यालय कोटा (राजस्थान) द्वारा आयोजित साइबर सिक्योरिटी (आईसीसीएस-2017) पर तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत “हरित सूचना प्रौद्योगिकी: घुमावदार कारकों एवं रणनीतियों का मानचित्रण” शीर्षक वाला लेख | अमरदेव सिंह |
| | राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 99. | भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए टेक्नोलॉजीज और सील प्रमोशन पर गोल्डन जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत “भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल और प्रौद्योगिकियों का प्रचार” नामक लेख 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2017 को नाइटर चण्डीगढ़ में प्रस्तुत किया गया | यूएन रॉय जेएस सैनी वाईके आनन्द (प्रस्तुतकर्ता) |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|---|--|
| | शिक्षा दूरदर्शन केन्द्र | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 100. | “चीजों के इंटरनेट में यूडीपी बाढ़ आक्रमण के कटिकी आधारित शमन” कंप्यूटिंग, संचार और स्वचालन (आईसीसीसीए 20127) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नोएडा, 5-6 मई 2017 | मनीषा मलिक कमलदीप मैत्री दत्ता |
| 101. | “यातायात गतिविधि समझ के लिए रात्रि समय की कल्पना की तुलना में कंट्रास्ट एनहांसमेंट” आईईईई 2017, कंप्यूटिंग पद्धति और संचार (आईसीसीएमसी) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नोएडा में आयोजित, 18-19 जुलाई, 2017, पीपी 809-813 | निकिल वर्मा मैत्री दत्ता |
| 102. | विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “पीएसओ और जीए”, का उपयोग करके कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और प्रदर्शन सुधार में एपिलेप्सी रोग का पता लगाना” 23 जुलाई, 2017 को मुंबई भारत में आयोजित किया गया। | जागृति सैनी मैत्री दत्ता |
| | राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 103. | “चीजों के असुरक्षित इंटरनेट में डीडीओएस का बचाव”: एक सर्वेक्षण शक्ति सर्किट और सूचना प्रौद्योगिकी (आईसीपीसी आईटी 2017) के माध्यम से कुशल व्यवस्था और कंप्यूटिंग (एआईएससी श्रृंखला) में स्प्रिंगर एडवांस, मदनपल्ली, आंध्र प्रदेश 27-मार्च-19-अप्रैल, 2017 | मनीषा मलिक कमलदीप मैत्री दत्ता |
| | यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 104. | “क्षैतिज मिलिंग मशीन के लिए कम लागत वाले प्रोग्रामिंग इंडेक्सिंग हेड का विकास”, मेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमेशन पर 2017 आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, अगस्त 6-9, 2017 ताकामात्सू, जापान, पीपी 2028-2033 | संजीव कुमार दीपम गोयल एसएस बनवैत |
| 105. | “सिलिकॉन की अल्ट्रा-प्रेसिजन मशीनिंग के लिए डायमंड टूल पहनने के लिए प्रोफिलोमेट्री विधि द्वारा माप”, नैनो टेक्नोलॉजी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विचार, नवाचार और पहल, 6-8 दिसंबर, 2017 आईआईटी रुड़की, भारत पीपी 131-141 में | जी सिंह वी मिश्रा वी करण एसएस बनवैत |
| | राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 106. | “हेस्टेलॉय-एक्स की एक सीएनसी मशीनिंग के दौरान अलग-अलग कटाई की स्थिति का प्रभाव-एक समीक्षा” एनसीआरएएमई 2017 जून 02-03 2017 एनआईटी कुरुक्षेत्र हरियाणा, वॉल्यूम 1, 40-43 | तरुण बत्तारा पी एस राओ |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|-------------------------------------|
| 107. | सिरेमिक उद्योग में एक कृश उपकरण के रूप में वीएसएम का उपयोग कर प्रदर्शन सुधार: एक केस अध्ययन, सतत इंजीनियरिंग पर संयुक्त इंडो-जर्मन सम्मेलन, बीआईटीएस पिलानी, 15-16 सितंबर, 2017 | बी एस पाबला सुथार एसएस भामू |
| 108. | एके गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, यूपी में 22-23 सितंबर 2017 को आयोजित अपरंपरागत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (यूएमटी-2017) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में घर्षण जेट मशीनिंग प्रक्रिया-एक समीक्षा” द्वारा विभिन्न सामग्रियों को काटने का प्रदर्शन | तरुण बत्तरा पी एस राओ |
| 109. | ए के गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, यूपी में 22-23 सितंबर 2017 को आयोजित अपरंपरागत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (यूएमटी-2017) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अल्ट्रा सोनिक मशीनिंग-यूएसएम के प्रक्रिया मानकों पर एक समीक्षा | निशांत वर्मा पी एस राओ |
| 110. | ए के गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, यूपी में 22-23 सितंबर 2017 को आयोजित अपरंपरागत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (यूएमटी-2017) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्युत निर्वहन मशीनिंग पर एक प्रक्रिया मापदंडों का अनुकूलन-एक समीक्षा | समीम अहमद पी एस राओ |
| 111. | “बायोमेडिकल इम्प्लांट्स के लिए हाइड्रोक्साइपेटाइट के साथ टाइटेनियम मिश्र धातु के इलेक्ट्रो जमाव-एक समीक्षा” लवली प्रोफेशनल सूनिवर्सिटी, जलंधर, पंजाब में आईसीसीएमएमईएमएस 2018, 15-17 मार्च, 2018 | विनोद कुमार पी एस राओ चन्द्र प्रकाश |
| | माध्यम केन्द्र | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 112. | इनडोर वायुक्वालिटी और इसके निवासियों के स्वास्थ्य पर अनियोजित वर्टिकल शहरीकरण का प्रभाव, एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईटी) बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीआरएसटी) में अनुसंधान पर 27 वा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर 29-30, 2017 | राकेश वत्स मीनू वत्स |
| 113. | प्रौद्योगिकी के एशियाई संस्थान (एआईटी) बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीआरएसटी) में अनुसंधान, 27 वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तनाव के संबंध में चण्डीगढ़ में युवा लड़कियों के बीच आत्म औषधि के बढ़ते रुझान 29-30 दिसंबर, 2017 | राकेश वत्स आंचल |
| 114. | “ग्रीन मानव संसाधन प्रबंधन के माध्यम से कर्मचारी जुड़ाव प्राप्त करना : द मिलेनियल पर्सप्शन” सम्मेलन कार्यवाही पर प्रस्तुत लेख, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और सतत विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नाइटर चण्डीगढ़, 23-24 फरवरी, 2018, पीपी 448-465 | राकेश वत्स कामाक्षी मलिक |

| क्रम सं० | प्रस्तुत/स्वीकृत लेख का शीर्षक | लेखक का नाम |
|----------|--|---|
| | ग्रामीण विकास विभाग | |
| | अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां | |
| 115. | स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में अभिनव पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भूकंप लोडिंग के तहत चिनाई भवनों के लिए “कम लागत निष्क्रिय ऊर्जा अपव्यय प्रणाली” पर प्रकाशित पेपर, 29-31 दिसंबर, 2017, इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय कॉलेज, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद | अमित गोयल पंकज अग्रवाल |
| 116. | कंक्रीट ताकत के सुधार के लिए “रबड़ और इस्पात उद्योग अपशिष्ट का उपयोग” पर प्रकाशित पेपर, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में अभिनव पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29-31 दिसंबर, 2017, इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय कॉलेज, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद | दिनेश कुमार अमित गोयल सुनीता कौटवाल |
| 117. | एआईसीटीई नई दिल्ली द्वारा आयोजित “विकासशील गांव: विकसित देश” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत लेख 29-30 अक्टूबर 2017 | यूएन रॉय |
| 118. | 12 मार्च 2018 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (जीजीआरआई) गांधीग्राम डिंडियल जिले 2018 से सिविल इंजीनियरिंग एनसीआरआईटीडी 2018 में हालिया नवाचारों एवं तकनीक विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आधार व्याख्यान | यूएन रॉय |
| 119. | आईईटीई और आईजेसीए, भारत के साथ मिलकर प्रौद्योगिकी का आरवी संस्थान बिजनौर में विद्युत एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी में अग्रिम पर संगोष्ठी, विस्को-लोचदार ऊर्जा डिसेप्टर संसर्ग के साथ भूकंप प्रतिरोधी अतः स्थापित ब्लॉक चिनाई प्रणाली के विकास में आईसीटी की भूमिका पर प्रस्तुत लेख | अमित गोयल पंकज अग्रवाल |

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के संकाय/कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|---|---|--------------------------------|--|
| अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/गतिविधियां | | | |
| 1. | सिंगापुर पॉलीटेक्नीक में “काल्पनिक डिजाइन कार्यान्वयन संचालित (सीडीआईओ) मंच 2017”सिंगापुर | 12- 14.09.2017 | अमित गोयल शिम्मी एसएल |
| 2. | सिंगापुर में सीडीआईओ मंच 2017 | 12-14 09.2017 | एसके गुप्ता |
| 3. | काठमांडू, नेपाल में एपीएसीसी अन्तर्राष्ट्रीय एक्जिटर्स प्रशिक्षण 2017 | 13 – 14.10.2017 | सी रामा कृष्णा लिनी मैथ्यू |
| 4. | सिंगापुर में स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया | 11 – 12.09.2017 | शिम्मी एसएल |
| 5. | सिंगापुर बहुतकनीकी में प्रगति, नवाचार एवं सतत बनाए रखन पर सी डी आई ओ कार्यशाला, सिंगापुर | 12 – 14.09.2017 | शिम्मी एसएल |
| भारत में प्रशिक्षण कार्यक्रम | | | |
| 1. | एनआईटी दुर्गापुर में डेटा से ज्ञान तक, स्थिर एवं गतिशील डेटा का विश्लेषण करने के लिए कला उपकरण की स्थिति पर ज्ञान कोर्स | 28.08.2017 से 08.09.2017 | केसी लछवानी |
| 2. | गुरु जम्बेश्वर विश्व विद्यालय हिसार (हरियाणा) में इंजीनियरिंग में परिमित तत्व विधि, बुनियादी प्रक्रिया, अनुप्रयोग एवं वर्तमान शोध विषयों पर ज्ञान कोर्स | 18 – 22.12.2017 | हिम्मी गुप्ता |
| 3. | आईआईटी, रोपड़ में सोशल नेटवर्क पर ग्रीष्मकालीन स्कूल | 29.05.2017 से 02.06.2017 | शानो सोलंकी |
| 4. | एन आईटी कुरुक्षेत्र में चीजों की सुरक्षा के लिए इंटरनेट में हालिया विकास एवं चुनौतियां (आरडीसीआईओटीएस) | 03 – 08.07.2017 | राकेश कुमार |
| 5. | एमएनआईटी जयपुर में अग्रिम ऑप्टिमाइजेशन तकनीकियां | 06-15.10.2017 | राकेश कुमार |
| 6. | पेक, चण्डीगढ़ में अनुमोदन प्रक्रिया 2018-2019 तथा एआईसीटीई पहलों पर हितधारक कार्यशाला | 12.01.2018 | सी रामा कृष्णा |

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|----------|--|-----------------|--|
| 7. | सीडीएसी मोहाली में एम्बेडेड सिस्टम एवं आईओटी पर एमईआईटीवाई प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा आईसीटी अकादमी, आईआईटी, रुड़की द्वारा आयोजित | 25 – 29.09.2017 | माला कालड़ा |
| 8. | भारत मास्टर्स 2017 पर प्रशिक्षण कार्यशाला, बैंगलोर | 05 – 08.12.2017 | ऋतुला ठाकुर |
| 9. | पेक, चण्डीगढ़, में कारखाना स्वाचालन पर ईडीयूएमईईटी पर एक दिवसीय कार्यशाला | 19.01.2018 | ऋतुला ठाकुर शिम्मी एसएल |
| 10. | नाइटर, चण्डीगढ़ में एफपीजीए आधारित डिजिटल सिस्टम डिजाइन | 24 – 29.07.2017 | ऋतुला ठाकुर |
| 11. | होटल हंस में एम्बेडेड सॉफ्टवेयर सुरक्षा एवं बचाव पर संगोष्ठी-बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली | 13.10.2017 | राजेश महेरा |
| 12. | सीआईआई द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद सम्मेलन-नई दिल्ली | 11 – 12.12.2017 | राजेश महेरा राकेश कुमार |
| 13. | जयपुर एमएनआईटी में उन्नत अनुकूलन तकनीक | 06 – 15.10.2017 | कनिका शर्मा |
| 14. | एनआईटी, कुरुक्षेत्र में अगली पीढ़ी के एम आई एम ओ एवं ओ एफ डी एम वायरलैस प्रौद्योगिकियां | 08 – 17.12.2017 | गरिमा सैनी |
| 15. | लो पॉवर वीएलएसआई डिजाइन में डिजाइन चुनौतियां जीएनडीईसी, लुधियाना | 04 – 16.12.2017 | कनिका शर्मा |
| 16. | नाइटर में शिक्षको के लिए बुनियादी प्रबंधकीय कौशल, कोलकता (वेस्ट बंगाल) भारत | 17 - 28.07.2017 | अमरदेव सिंह |
| 17. | कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में पाइथन का उपयोग कर मशीन लर्निंग अल्गोरिदम पर संकाय विकास कार्यक्रम | 24 - 28.07.2017 | मैत्री दत्ता |
| 18. | जेएनटीयू, काकीनाडा, आन्ध्रप्रदेश में सामग्री एवं विनिर्माण इंजीनियरिंग में समकालीन प्रगति पर अल्पावधि पाठ्यक्रम (सीएएमई-2017) | 30 - 10.11.2017 | पीएस राओ |

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|------------------------------------|--|--------------------------------|--|
| 19. | इंजीनियरिंग अनुप्रयोग डिजाइन एवं संभावित विनिर्माण में संयुक्त सामग्री पर पाठ्यक्रम-आईआईटी मण्डी | 15 – 19.01.2018 | पीएस राओ |
| 20. | पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चण्डीगढ़ में अग्रिम कार्यात्मक सामग्री (वीएफएम-2018) पर कार्यशाला | 17.03.2018 | पीएस राओ |
| 21. | इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस आईएसबी में एक दिवसीय आईएसबी नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2017 मोहाली कैम्पस पंजाब | 22.09.2017 | पीएस राओ |
| 22. | एमएचआरडी, आर्किटेक्चर सिद्धान्त विश्वव्यापी वैचारिक इतिहास एवं रोल मॉडल पर अकादमिक नेटवर्क (ज्ञान) कार्यक्रम के लिए वैश्विक पहल-आईआईटी, रूड़की | 20 – 24.12.2017 | अमित गोयल |
| 23. | गृह मंत्रालय, ग्रामीण विकास नीतियों एवं कार्यक्रम में अपादा जोखिम (डीआरआर) में कमी को एकीकृत करना- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली | 20 – 24.11.2017 | अमित गोयल |
| इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम | | | |
| 1. | नाइटर, चण्डीगढ़ के ईटीवी विभाग द्वारा आयोजित, ई-शिक्षक (डिजिटल शिक्षा-शिक्षण दृष्टिकोण) | 19.03.2018 से 23.03.2018 | माला कालड़ा |
| 2. | क्यूसीआई, दिल्ली के सहयोग से नाइटर, चण्डीगढ़ में इंडस्ट्री 4.0 के लिए समर्थ उदय-भारत की प्रतिक्रिया की तैयारी पर कार्यशाला | 28.02.2018 | सी रामाकृष्णा |
| 3. | नाइटर, चण्डीगढ़ में पाइथन का उपयोग कर मशीन लर्निंग एल्गोरिदम पर इंटेल प्रायोजित एफडीपी | 24-28.07.2017 | शानो सोलंकी |
| 4. | ई-शिक्षक (डिजिटल शिक्षा-शिक्षण दृष्टिकोण) नाइटर, चण्डीगढ़ के ईटीवी विभाग द्वारा आयोजित | 19.03.2018 से 23.03.2018 | शानो सोलंकी |

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|----------|--|--------------------------|--|
| 5. | सतत कौशल विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन | 31.08.2017 से 01.09.2017 | एबी गुप्ता |
| 6. | उद्योग-संस्थान एकीकरण बैठक | 18.12.2017 | एबी गुप्ता |
| 7. | संचार, कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 29 -30.03.2018 | एबी गुप्ता |
| 8. | नाइटर, चण्डीगढ़ में सीई विभाग द्वारा नई पीढ़ी के कंक्रीट पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया गया तथा सह-अध्यक्षता सत्र का आयोजन किया गया | 19.04.2017 | पी के सिंगला |
| 9. | सतत विकास में पर्यावरण संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन | 07 - 08.04.2017 | एसके गुप्ता |
| 10. | नाइटर चण्डीगढ़ में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान ब्रांड बिल्डिंग पर कार्यशाला | 09.06.2017 | पी के सिंगला |
| 11. | देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित ओलंपिज्म पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पैनल चर्चा के सदस्य ने भाग लिया: मानवता के लिए ग्लोबल नवाचार मंच तथा प्राचीन ओलंपिया से भारत तक सतत विकास, टोक्यो2020 | 09.06.2017 | पी के सिंगला |
| 12. | स्वच्छ प्रौद्योगिकियां एवं सतत विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 23 -24.02.2018 | एसके गुप्ता |
| 13. | नाइटर चण्डीगढ़ में तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझानों पर शैक्षणिक सम्मेलन | 06 – 07.09.2017 | रमा छाबड़ा |
| 14. | नाइटर चण्डीगढ़ में इंडस्ट्री 4.0 के लिए समर्थ उदय-भारत की प्रतिक्रिया की तैयारी पर कार्यशाला | 28.02.2018 | रमा छाबड़ा |
| 15. | नाइटर, चण्डीगढ़ में क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान को बढ़ावा देने पर कार्यशाला | 07.04.2018 | हेमन्त सूद |
| 16. | नाइटर चण्डीगढ़ में ठोस संरचनाओं में संक्षारण में प्रगति-विज्ञान, रोकथाम एवं मरम्मत पर कार्यशाला | 24.04.2018 | हेमन्त सूद |

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|----------|---|--------------------------------|---|
| 17. | नाइटर चण्डीगढ़ में "ई-शिक्षक" | 19 – 23.03.2018 | हिम्मी गुप्ता |
| 18. | इंटेल् उच्च शिक्षा के सहयोग से कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा-'पाईथन का उपयोग कर मशीन लर्निंग एल्गोरिदम आयोजित किया गया | 24- 28.07.2017 | शिम्मी एसएल |
| 19. | टाइफून हिल, स्विटजरलैंड के सहयोग से विद्युतइंजीनियरिंग विभाग ने आईसीटी के माध्यम से स्मार्ट ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए लूप में हार्डवेयर नामक कार्यक्रम आयोजित किया | 9 – 13.10.2017 | शिम्मी एसएल. ऋतुला ठाकुर |
| 20. | ई-शिक्षक (डिजिटल/शिक्षा/शिक्षण दृष्टिकोण) शिक्षा दूरदर्शन केन्द्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया | 19 – 23.03.2018 | लिनि मैथ्यू पूनम स्याल ऋतुला ठाकुर शिम्मी एसएल |
| 21. | एएनएसवायएस-ईएम पर तीन दिवसीय कार्यशाला | 26- 28.02.2018 | लिनि मैथ्यू पूनम स्याल ऋतुला ठाकुर शिम्मी एसएल |
| 22. | योग-शिविर | 22- 25.05.2017 | शिम्मी एसएल |
| 23. | विद्युत इंजीनियरिंग एवं मेकैनिकल इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित इलेक्ट्रो मेकैनिकल प्रणाली का सिमुलेशन | 09 – 10.11.2017 | लिनि मैथ्यू पूनम स्याल ऋतुला ठाकुर शिम्मी एसएल |
| 24. | इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (उपकरण एवं नियंत्रण) द्वारा एमई के विद्यार्थियों के लिए पीएलसी पर एक दिवसीय कार्यशाला | 26.07.2017 | शिम्मी एसएल |
| 25. | ग्रामीण विकास विभाग द्वारा भारत में सतत ग्रामीण विकास के लिए कौशल तथा प्रौद्योगिकियों का प्रचार पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी | 31.08.2017 से 01.09 2017 | ऋतुला ठाकुर |
| 26. | अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा "क्रिक के माध्यम से अभिनव अनुसंधान को बढ़ावा देने पर कार्यशाला" | 07.04.2017 | ऋतुला ठाकुर |

| क्रम सं० | प्रशिक्षण का क्षेत्र एवं स्थान | अवधि | जिन्होंने भाग लिया श्री/सुश्री/श्रीमती |
|----------|--|-----------------|--|
| 27. | एबीबी इंडिया लिमिटेड के सहयोग से नाइटर में एससीओई के लिए हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर आवश्यकताओं तथा पायलट परियोजनाओं की योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया | 10.04.2017 | ऋतुला ठाकुर शिम्मी एसएल |
| 28. | ऑप्टिकल फाइबर पोटेन्शियल एवं अनुप्रयोगों पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम | 18 – 22.12.2017 | पूनम स्याल |
| 29. | ई-शिक्षक (डिजिटल/शिक्षा/शिक्षण दृष्टिकोण | 19- 23.03.2018 | गरिमा सैनी |
| 30. | तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझानों पर शैक्षणिक सम्मेलन | 06–07.09.2017 | जेएस सैनी अमरदेव सिंह |
| 31. | नाइटर चण्डीगढ़ में (ब्लैकबोर्ड टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ईटीवी विभाग द्वारा आयोजित) ई-शिक्षक | 19 – 20.03.2018 | अमनदीप कौर |
| 32. | नाइटर चण्डीगढ़ में तकनीकी शिक्षा में उभरते रुझानों पर शैक्षणिक दृष्टिकोण | 06 – 07.09.2017 | पीएस राओ |
